



भारत का राजसंचार

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 16, 1983 (आषाढ़ 25, 1905)
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 16, 1983 (ASADHA 25, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रि और महालेखापरोक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 जून 1983

सं० ए० 35012/1/81-प्रशा०-II—लेखा परीक्षा के संयुक्त निदेशक का कार्यालय, रक्षा सेवाएं, पश्चिम कमान, मेरठ में लेखा परीक्षा अधिकारी श्री के० वी० जानकीरमन को 3 जून, 1983 के पूर्वाह्न से तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर वित्त एवं बजट अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गांधी
अवर सचिव (प्रशा०)
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जून 1983

मं० ए० 35014/2/83-प्रशा०-II (ii)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 35014/2/80-प्रशा०-I, दिनांक 31 मार्च, 1983 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ लेखा अधिकारी 1—156GI/83

(12905)

श्री एम० पी० माथुर को 1-6-1983 से 31-8-1983 तक तीन मास की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

ईश्वर चन्द कम्बोज
अनुभाग अधिकारी
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1983

सं० एस-22/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० एन० सिंघल, वरिएट लोक अभियोजन, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 15 जून, 1983 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जून 1983

सं० ए० 31016/3/81-प्रशास०-1 (वि० प्रो० सं०)—

केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम १९(२) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानियोजक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नम्मुख दी गई तिथि से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वास्तविक रूप में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्र०	अधिकारी का सं०	वर्तमान पदस्थापन स्थान	श्रेणी, जिसमें के०	तिथि, जब से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर व्यरो में रूप से पहले से नियुक्त किया गया स्थाई है
------	-------------------	------------------------------	--------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

1	2	3	4	5
सर्वश्री/-				
1.	ए० के० मजुमदार	आ० अ० स्कन्ध	—	1-1-78
		कलकत्ता		
2.	आ० बाला सुब्रामनियम	समन्वय	—	1-1-79
3.	राजेन्द्र कुमार शर्मा	सी० आई० य०-II	—	31-1-79
4.	एस० पी० सिह	लखनऊ	—	15-12-81
5.	एच० पी० सिह	भुवनेश्वर (राजरकेला एकक)	—	23-12-81
6.	एच० पी० सिह	सी० आई० नियोजक य० (बी०)	23-12-81	
7.	बी० डी० महेश्वरी	सी० आई० नियोजक य० (पूरावेषण)	23-12-81	
8.	जे० एम० वारेच	सी० अ० स्कन्ध दिल्ली	—	23-12-81

दिनांक 25 जून 1983

सं० के०-71/66-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री कृष्ण नारायण, वरिष्ठ लोक अधियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण

ब्यूरो को दिनांक 15 जून, 1983 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 जून 1983

सं० एफ० दो/ग्यारह/81-स्थापना (के० रि० पु० बल)—राष्ट्रपति, श्री ए० के० नहला को के० रि० पु० बल में उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर दिनांक 19-3-81 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जून 1983

सं० ओ०-दो-402/69-स्थापना—श्री राम रत्न सहायक कमांडेंट (आई० आर० एल० ए०-268) ९वीं वाहिनी के० रि० पु० बल की 18-5-83 (04.00) वज्रे को मृत्यु हो गई है उहें दिनांक 19-5-83 से पुलिस की गणना से हटा दिया गया है।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 जून 1983

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—राज्य काडर को प्रत्यावर्तित होने पर श्री एस० के० चटर्जी, भा० पु० से० (एम० टी० : 69) ने 4 मई 1983 के अपराह्न से स० म० नि० (पूर्वी क्षेत्र) के० औ० सु० ब०, कलकत्ता के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 9 जून 1983

सं० ई-16013(1)/4/83-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति होने पर, श्री बजरंग लाल, भा० पु० से० (राजस्थान : 53) ने 8 जून, 1983 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली में महानियोजक (मुख्यालय) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक/ के० औ० सु० बल

भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जून 1983

सं० 11/53/80-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के तमिलनाडु संवर्ग के अधिकारी और इस समय तमिलनाडु सरकार में लोक (जनगणना) विभाग में

अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत श्री ए० पी० मधुस्वाभी को तमिलनाडु में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 24 मई, 1983 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदने क्षमता निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1983

सं० 11/102/79-प्रशासन-1(2) — इस कार्यालय की तारीख 21 दिसम्बर, 1982 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत हैं
1	2	3
1.	श्री सी० डी० भट्ट	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद
2.	श्री एस० एल० बहल	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हरियाणा, चण्डीगढ़।

दिनांक 24 जून 1983

सं० 11/10/76-प्रशा०-I (खण्ड-II) — राष्ट्रपति, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय के सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री डी० पी० खोबरागडे को मेघालय शिलांग में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 31 मई, 1983 से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री डी० पी० खोबरागडे का मुख्यालय शिलांग में होगा।

सं० 11/102/79-प्रशा०-1(1) — इस कार्यालय की तारीख 21 दिसम्बर, 1982 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार

पर पदोन्नति द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत हैं
1.	श्री ओ० पी० शर्मा	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
2.	श्री एम० पंचापकेशन	जनगणना कार्य निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास।
3.	श्री एस० पी० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशालय, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ल्वेयर।
4.	श्री आर० पी० तोमर	जनगणना कार्य निदेशालय, सिविकम, गंगटोक।
5.	श्री एम० के० आहूजा	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
6.	श्री वी० पी० रस्तोगी	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
7.	श्री ए० के० विश्वास	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
8.	श्री ए० पीर्थ	जनगणना कार्य निदेशालय अरुणाचल प्रदेश, शिलांग।
9.	श्री वाई० जी० कृष्णमूर्ति	जनगणना कार्य निदेशालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद।
10.	श्री आर० के० सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
11.	श्री एस० पी० ग्रोवर	जनगणना कार्य निदेशालय, केरल, तिवेन्द्रम।
12.	श्री राम सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई।
13.	श्री डी० एन० महेश	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना।
14.	श्री एस० सी० सक्सेना	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना।
15.	श्री अजीत सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, पंजाब, चण्डीगढ़।
16.	श्री एम० नगपत्न	जनगणना कार्य निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास।
17.	श्रीफूल सिंह	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
18.	श्री आर० के० भाटिया	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
19.	श्री ए० के० दत्ता	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।
20.	श्री आर० बी० सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर।
21.	श्री एच० एल० कल्ला	जनगणना कार्य निदेशालय, जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर।
22.	डा० के० एस० डे	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महाराजिस्ट्रा

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून, 1983

सं ० वा० ले० प०/18-83—अपर उप नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं :—

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद तैनात किये गये	ले० प० (वा०) के रूप में पदोन्नति की तारीख
1	2	3	5	5
	संवेशी			
1.	एस० सी० विंग	महालेखाकार, पंजाब	महालेखाकार, पंजाब	22-2-83
2.	सुभास पाल	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन	28-2-83
3.	एस० एम० चिन्तन चियप्पन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, मद्रास	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, बंगलौर	30-3-83
4.	डी० के० अग्रवाल	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़, शिमला	महालेखाकार हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़, शिमला	25-2-83
5.	एम० वी० गोवडापनावार	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, बंगलौर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, भोपाल	19-2-83
6.	एस० एस० रावत	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन	27-2-83
7.	डी० वी० एस० राव	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश	निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	28-2-83
8.	आर० एम० शर्मा	महालेखाकार-II, मध्यप्रदेश	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन	28-2-83
9.	तारापद गुहा	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, कलकत्ता	निदेशक वा० ले० प०, चण्डीगढ़	30-3-83
10.	आर० पी० शर्मा	महालेखाकार, राजस्थान	महालेखाकार, सिविकम, गंगटोक	19-3-83
11.	के० के० शुक्ला	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन	28-2-83
12.	जी० सी० नागप्पा	महालेखाकार, कर्नाटक	निदेशक वा० ले० प०, बम्बई	21-2-83
13.	आर० एस० वर्मा	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, नई दिल्ली	महालेखाकार, गुजरात	28-2-83
14.	के० स्वामीनाथन	महालेखाकार (वा०), तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार, कर्नाटक	14-3-83
15.	एस० एस० भान	महालेखाकार, पंजाब	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, शिमला	24-2-83
16.	आर० वी० मामनासूर्ति	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश	महालेखाकार-II, उड़ीसा	10-3-83
17.	एस० के० विश्वास	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० (कोयला), कलकत्ता	महालेखाकार-II, बिहार, पटना	4-3-83
18.	वी० डी० कुम्हीला	महालेखाकार, केरल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, बंगलौर	27-2-83

1	2	3	4	5
19.	एस० जोतक	महालेखाकार (वा०), तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार-II, उडीसा	8-4-83
20.	एस० आर० गर्ग	महालेखाकार, पंजाब	महालेखाकार-II, बिहार	28-2-83
21.	ए० के० लोध	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, कलकत्ता	निदेशक (वा०) लेखापरीक्षा, रांची	16-3-83

सं० वा० ले० प०-1/39-83—अपर उप नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के ग्रामने नीचे कालम 4 में नियन्त्रित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं :—

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) के नाम	कार्यालय जिसमें पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जिसमें लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में पदोन्नत होते पर नियुक्त किए गए	लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में पदो- न्नति की तारीख
-------------	--------------------------------	------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------

सर्वथी

1.	मुरारी लाल शर्मा	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, भोपाल	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, भोपाल	24-2-1983
2.	आर० मुन्दर मिह	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, हैदराबाद	28-2-1983
3.	आर० डी० चोपड़ा	महालेखाकार हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़, शिमला	महालेखाकार, हरियाणा	28-2-1983
4.	अनिल कुमार बागची	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	9-3-1983
5.	डी० डी० गंगोपाध्याय	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता	महालेखाकार-II, बिहार, पटना	8-3-1983
6.	ए० जी० माधवराव	महालेखाकार, कर्नाटक	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बंगलौर	28-2-1983
7.	जी० एस० रेड़ी	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, हैदराबाद	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बंगलौर	17-3-1983
8.	के० एन० मृति	महालेखाकार, उडीसा	महालेखाकार, उडीसा	26-2-1983 (अपराह्न)
9.	के० ज्ञानेश्वर राव	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई	23-3-1983 (अपराह्न)
10.	ए० रामनैया	महालेखाकार-II, आन्ध्रप्रदेश, हैदराबाद	महालेखाकार-II, बिहार	24-3-1983

एम० ए० सोमेश्वर राव,
संयुक्त निदेशक (वा०)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत सरकार टकसाल

बम्बई, दिनांक 6 जून 1983

क्रमांक 1-2/1498/प्रशा०/83—महा प्रबन्धक, भारत सरकार, टकसाल, बम्बई, प्रसन्नतापूर्वक अधिसूचना क्रमांक 1-2-241/प्रशा०/83, दिनांक 27-1-1983 में उल्लिखित की गई सर्वश्री के० आर० कुजप्पन और एम० एस० चारी क्रमण: प्रशासन अधिकारी एवं क्रय और भंडार अधिकारी (समूह “ख” के पद) के पद पर की गई तदर्थि नियुक्ति को आगामी दिनांक 30 सितम्बर 1983 तक या पद नियमित रूप से भरे जाने तक दोनों में से जो भी पहले हो, जारी रखते हैं।

क० क० परकालन,
महाप्रबन्धक

दिनांक 22 जून, 1983

सं० 25-19018/587/82-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, वाहन नियोक्ता निदेशालय (डी०जी०आई०/वी०ई०एच०-२) पूना के स्थायी सहायक फोरमैन, श्री वी० के० देशपांडे, को 2-5-83 (पूर्वाह्न) से, अपने आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के अधीन औद्योगिक विस्तार केन्द्र, कोल्हापुर में, सहायक निदेशक ग्रेड-II (धातु कर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जून 1983

सं० ए-19018(456)/79-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रीय समूना सर्वेक्षण संगठन, योजना मंत्रालय, डी० पी० केन्द्र, कलकत्ता में सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति के परिणाम-स्वरूप, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री के० एन० दत्ता को दिनांक 31 मई, 1983 (अपराह्न) से सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण) के पद से कार्यमुक्त किया जाता है।

सी० सी० राय,
उप निदेशक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1983

सं० 19001/30/83-डी० सी० एच०/प्रशासन-1—वस्त्र विभाग में निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के परिणामस्वरूप श्री य० पी० सिंह ने 31 मई, 1983 के अपराह्न से अपर विकास आयुक्त (हथकरघा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० के० मिश्र,
विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1983

सं० 12/294/61-प्रशा० (राज०) भाग-III—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के निदेशक, ग्रेड-II, (त० प्र०), श्री पी० एस० मेहता, को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने तथा 30-9-82 से 13-5-83 तक की बढ़ाई गई सेवा-अवधि समाप्त होने पर दिनांक 13-5-83 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० ए-19018 (618)/82-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, कन्ट्रोलरेट, आफ इन्सपेक्शन इंजीनियरिंग इक्युपमेट, विधि पुणे के स्थायी सहायक फोरमैन, श्री सी० के० विश्वनाथन को लघु उद्योग, सेवा संस्थान, गोहाटी में दिनांक 11-4-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

सं० प्र०-1/7(14)खंड-7—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने तदर्थि आधार पर कार्यरत महायक निदेशक (पूर्ति ग्रेड-II) श्री पूरन चन्द को दिनांक 19-3-77 से उसी पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री पूरन चन्द ने 2 वर्ष की परिवीक्षाधीन अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और उन्हें दिनांक 18-3-79 से आगे आगामी आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक (पूर्ति ग्रेड-II) के पद पर कार्य करने की अनुमति दें दी गई है।

एस० बालासुदामणियन,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 23 जून 1983

सं० ए-19012(175)/83-स्था० ए—विभागी पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री पी० वी० पुरोहित, स्थायी अधीक्षक को भारतीय खान व्यूरो, में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर तदर्थि आधार पर 6 माह की अवधि के लिये दिनांक 9 जून, 1983 (अपराह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

आशाराम कम्पनी
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1983

सं० 10/170/82-एस-3—बरिष्ठ इंजीनियर सहायक के पद से सहायक इंजीनियर के पद पर अपनी पदोन्नति होने के परिणामस्वरूप श्री पी० डी० मक्सेना, मुख्य इंजीनियर (उत्तरी क्षेत्र) ने आकाशवाणी नई दिल्ली के कार्यालय में 25-5-1983 (अपराह्न) से सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 25 जून 1983

सं० 10/14/62-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री हरजीतसिंह को आकाशवाणी, जयपुर में दिनांक 14-6-1983 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 1/15/83-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री टी० एन० मिया, को आकाशवाणी चिनसुरा में दिनांक 13-6-83 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

वाई० बर्मा,
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1983

सं० 4/2/83-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० एस० कस्तूरिया, अन्वेषक राजभाषा, विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को 650-30-740-द० रो०-810-द० रो० 880-40-1000-द० रो०-1200 रूपए के वेतनमान में प्रतिनियुक्त पर केन्द्र, निदेशक, आकाशवाणी जयपुर के कार्यालय में 9 जून, 1983 की पूर्वाह्न से हिन्दी अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

रुक्मणी दास गुप्ता
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय।

फरीदाबाद, दिनांक 27 जून 1983

सं० ए-19024/1/81-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति (बर्ग 'ब') की संस्तुति के अनुसार श्री आर० डी० गुप्ता को दिनांक 7-4-1983 से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियमित रूप से पदोन्नत और उसी स्तेष्ठन अर्थात् केन्द्रीय ऐग्रमार्ग प्रयोगशाला में नैनात किया गया है।

गोपाल शरण शुक्ल
कृषि विषयन सलाहकार
भारत सरकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

वम्बई-500 085, दिनांक 15 जून 1983

संदर्भ पी००५०/७९(4)/८०-आर-III—नियन्त्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री नामदेव भीवाजी धुले, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (न० ६५०-९६०) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में १२-५-१९८३ (पूर्वाह्न) से १०-६-१९८३ (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जून 1983

संदर्भ : प०००/१७९८—नियन्त्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री दादाराव पिलाजी निकासे, सहायक सुरक्षा अधिकारी, तारापुर परमाणु बिजलीघर को सुरक्षा अधिकारी पद पर इसी अनुसंधान केन्द्र में १ जून, 1983 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

म० द० गाडगिल
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग

वम्बई-५, दिनांक 8 जून 1983

सं० : विपअप्र/३(२८२)/८३-स्थापना-I/८५७९—निदेशक, विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, वम्बई एतद्वारा इस प्रभाग की स्थायी सहायक लेखा अधिकारी कुमारी एन० एम० मर्चेट को जून १, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में लेखा अधिकारी-II के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० जी० मेनन
सामान्य प्रशासन अधिकारी

वम्बई-५, दिनांक 10 मई 1983

सं० विपअप्र/३(२६२)/८३-स्थापना-I/८६४७—निदेशक, विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, वम्बई एतद्वारा इस प्रभाग के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० जी० मेनन को २६ अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में सामान्य प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सामान्य प्रशासन अधिकारी श्री आर० तिंड० बाजपेयी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें प्रशासन अधिकारी, के० ए० पी० जी० के रूप में पदोन्नति दी है।

दिनांक 30 मई 1983

सं० विपअप्र/३(२६२)/८३-स्थापना-I/८६४०—निदेशक, विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, वम्बई एतद्वारा इस प्रभाग के आशुलिपिक (वरिष्ठ) श्री जी० जी० कुलकर्णी को मई 27, 1983 के पूर्वाह्न से जून 28, 1983 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी

रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री जी० प० कौलगढ़ के स्थान पर की जा रही है जो छट्टी पर चले गए हैं।

दिनांक 21 जून 1983

सं० बिपअप्र/३(२६२)/८३-स्थापना-१/८६४२—निदेशक, विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई प्रतद्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च कोटि लिपिक तथा स्थानापन्न प्रबरण कोटि लिपिक श्री एच० एच० शहा को अप्रैल 26, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० जी० मेनत के स्थान पर की जा रही है जिसकी सामान्य प्रशासन अधिकारी के रूप में पदोन्नति हई है।

ब० वि० थसे
प्रशासन अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

न० प० प० कालोनी, दिनांक 23 जून 1983

क्र० न० प० वि० प० /प्रशा०/भ०/२६(१)/८३/एस०/६५२४—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, भारी पानी परियोजना (कोटा) के सेमी परमानेट उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तलचर) में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री एस० एल० वर्मा को दिनांक मई 27, 1983 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए ह० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० र०-३०-४०-९६०/ के वेतनमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एस० राव
मुख्य प्रशासन अधिकारी

क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-४०० ००१, दिनांक 18 जून, 1983

सं० डी० पी० एस०/४१/१/८३/प्रशा०/२०५३१—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने सहायक क्रय अधिकारी, श्री के० पी० एस० पिलै की छट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी क्रय सहायक, श्री के० एन० एस० नायर को रूपा ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० र०-३५-८८०-४०-१०००-८० र०-३०-१२०० के वेतनमान में तारीख २९-४-१९८३ (पूर्वाह्न) से ४-६-१९८३ (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से महायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जून 1983

संदर्भ सं० डी० पी० एस०/२/१/(११)/८३-प्रशा०/२०७५६— परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री जगन्नाथ रामचन्द्र प्रभु को रूपा ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० र०-३५-८८०-४०-१०००-

र०-३०-४०-१२०० के वेतनमान में तारीख १४-४-१९८३ (पूर्वाह्न) से १-६-१९८३ (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से महायक भण्डार अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 22 जून 1983

सं० शी० पी० एस०/४१/१/८३-प्रशा०/२०९०७—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने सहायक क्रय अधिकारी श्री आई० रामकृष्णन की छट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी क्रय सहायक श्री पी० एन० उन्नीकृष्णन नायर को रूपा ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० र०-३५-८८०-४०-१०००-८० र०-३०-१२०० के वेतनमान में तारीख ९-५-१९८३ (पूर्वाह्न) से १०-६-१९८३ (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-१६, दिनांक 26 जून 1983

सं० प० ख० प०-१/२५/८२-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक इस कार्यालय की दिनांक ५ मार्च, 1983 की समसंब्धिक अधिसूचना द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग में श्री पी० बी० श्रीनिवास की वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता घेड “एस० बी०” के पद पर हई नियुक्ति को प्रतद्वारा रद्द करते हैं।

टी० डी० घाउगे
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-४०० ००८, दिनांक 22 जून 1983

मं० ०५०१२/आर०-१/स्था० पश्च०/२०९०—भारी पानी परियोजना के प्रमुख कार्यालयी, श्री कोच्चुंडडल थोमस, थोमस, भारी पानी परियोजना (मू० का०) के स्थायी प्रबर श्रेणी लिपिक को उसी कार्यालय में, श्रीमती के० पी० कल्याणीकुम्ही, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी-III नियुक्त की गई है, के स्थान पर मई 2, 1983 (पूर्वाह्न) से जून 4, 1983 (अप०) तक के लिए अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० सी० कोटियानकर
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 17 जून 1983

सं० टी० ए० पी० एस०/१/१९(२)/७६-आर०—मुख्य अधिकारी तारापुर परमाणु बिजलीघर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थायी सहायक लेखापाल और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न

लेखा अधिकारी-II श्रीमती के० सतीरम्भ को दिनांक 5 मई 1983 की पूर्वान्त्र से अगले आदेशों तक लिए तारापुर परमाणु विजलीघर में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

द० वि० मरकल
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

डाकघर टी ए पीपी, दिनांक 18 जून 1983

सं० ई० ए० पी० एस०/१/२०/(१)/७६-आर०—मुख्य अधिकारी, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, तारापुर परमाणु विजलीघर में स्थायी सहायक अधिकारी श्री ए० पी० पटिल को दिनांक- 16-३-१९८३ से १९-४-१९८३ तक के लिए तदर्थ आधार पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो०-४०-९६० के वेतनक्रम में सुरक्षा अधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं यह नियुक्ति सुरक्षा अधिकारी श्री डी० डी बनर्जी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें तदर्थ आधार पर पदोन्नति दी गई है।

एस० लंबंधकनाथ
प्रशासनिक अधिकारी-III

अंतरिक्ष विभाग
विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनन्तपुरम-६९५०२२, दिनांक 15 जून 1983

सं० बी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/१) (१७)—निदेशक, बी० एस० एस० सी० अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस० बी०” के पद पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो० ४०-१२०० के ग्रेड में 15 जून, 1983 के पूर्वान्त्र से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	प्रभाग/परियोजना
1.	श्री एस० बाबू राजेन्द्र कुरुप	एम० डी० डी०/एम०ई०जी०
2.	श्री एल० के० आनन्द कुमार	पी० ई० सी०
3.	श्री एम० जी जेम्स	ए० एस० एल० बी०
4.	श्री आर० नटराजन	आर० पी० सी०
5.	श्री एन० नारायणन कुमारी	पी० ई० डी०
6.	श्री बी० ए० तोमस	

के० पी० आर० मेनन
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)
कृत निदेशक, बी० एस० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

सं० ए० ३२०१४/३/८३-ई० एस०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री अमृतलाल, भंडार महायक को दिनांक २५-५-८३ से ६ मास की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, भंडार अधिकारी (समूह “ब” पद) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

जे० सी० गर्ग
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-६६, दिनांक 23 जून 1983

सं० ए०-१९०१२/९८५/८२-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एस० एम० गुफरानू पर्यवेक्षक को पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमात्र में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियन्ता के पद पर १७ फरवरी, १९८२ अपराह्न से एक वर्ष तक के लिए या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

२. उपरोक्त अधिकारी की पदोन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित १९८० के सिविल नियम संख्या १०८२३ (डब्ल्यू) के निर्णय के अध्यधीन है।

टी० एन० फोतेवार
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1982

विषय :—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियम, १९६५ के नियम ५ के उपनियम (१) के परन्तुके अन्तर्गत सेवा समाप्ति आदेश।

सं० १५(३०७)/८२/दि० के० वि० परि०-७/ई०-१/४२७४-७७—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियम, १९६५ के नियम ५ के उपनियम (१) के परन्तुके अनुसरण में, श्री एस० के० विपाठी, कनिष्ठ इंजीनियर जो कि दिल्ली केन्द्रीय विद्युत मण्डल-९, के० ल०० नि० वि०, नई दिल्ली में तीनात था, की सेवा तत्काल समाप्त करता हूं और यह निर्देश देता हूं कि श्री एस० के० विपाठी, कनिष्ठ इंजीनियर नोटिस की अवधि के लिये, वेतन तथा भर्ते उसी दर पर लेने का हक्कदार होगा जोकि वह सेवा समाप्ति के सुरक्त पहले ले रहा था या जैसा

भी हो उस अधिनियम के लिए जिससे ऐसा नोटिस एक माह से कम पड़े ।

वी० ए० छौ० कुट्टी
अधीक्षक इंजीनियर
दिल्ली केन्द्रीय विद्युत परिमण्डल-7
के० लो० नि० वि०, आर० के० पुरम्,
नई दिल्ली ।

सेवा में,

1. श्री एस० के० त्रिपाठी,
कनिष्ठ इंजीनियर (वि०)
मार्फत श्री एस० एन० त्रिपाठी
आर०-74, वाणी विहार,
उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
2. श्री एस० के० त्रिपाठी,
गांव व डाकघर सोहागौरा
जिला गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

बम्बई-400002, दिनांक 24 जून 1983

सं० 4409/ लिकिव०—यतः मुवर्ण फिल्म्स डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 125 मिडोज स्ट्रीट बम्बई का समापन किया जा रहा है ।

और अतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विष्वास करने को उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है ।

समापक और यह कि कम्पनी के कार्यकालाप का पूर्णतया परिसमापन हो गया है समापक बारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियां (विवरणियां छै कमवर्ती मास का अवधि की नहीं दी गई है) ।

यतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर मुवर्ण फिल्म्स डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किये जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, और उक्त कम्पनी को विघटित कर दिया जाएगा ।

ओ० पी० जैन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 पन्द्रहपाक द्याल भाग
स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 22 जून 1983

सं० 140/टी० प० III/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पन्द्रहपाक द्याल भाग स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 शिलपा केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 24 जून 1983

सं० 1934/टी० प० III/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर शिलपा केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

वी० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
आनंद प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास इंजीनियरिंग एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

सं० 1484/560/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मद्रास इंजीनियरिंग एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पार्णियन फार्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

सं० डी० एन०/2008/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पार्णियन फार्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यूनाइटेड इण्डस्ट्रीज
(पुढ़कोठे) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

सं० फ०० एन०/३११०/८२—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यूनाइटेड इण्डस्ट्रीज (पुढ़कोठे) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आगमा कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

सं० 7214/560/82--6523 अंगतिरम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आगमा कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० के० रमणी
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

प्रस्तुप् आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/37ई०/10-82/

10—अतः मुझे, नरेन्द्र चिह्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 209, 11/10 है तथा जो पूसा रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंत-
रिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्रीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्कीपर्स टावर्स प्राइवेट लिंग,
1106, अशोका हस्टेट,
भारताभ्यासा रोड,
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री सुनिल मणि,
मिवासी एफ-3,
बाली नगर,
नई दिल्ली-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ये पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइसेन्स :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पर्सन का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 209, 11/10 पूसा रोड, नई दिल्ली इरिया
950 वर्ग फीट।

नरेन्द्र चिह्न

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति द्वारा—टी. एन. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/37ई०/10-82/
9—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जी-6, 11/10 है तथा जो पूसा रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ति :—

(1) स्कीपर टावर्स प्रा० लि०,
1106, अशोका इस्टेट,
बाराबम्भा रोड,
नई दिल्ली ।

(2) श्रीमती ऊषा रानी पली
श्री के० के० गुलाटी,
एफ-3, बाली नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पारमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० जी-6, 11/10, पूसा रोड, नई दिल्ली,
एसिया 1460 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिक्षांक 6 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७८८/१०-८२/८

—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 108, प्लाट नं० 11/10 है तथा जो
पूसा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

थह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्कीपर टावर्स प्रा० न्य०,
1106, अशोका इस्टेट,
बाराखम्भा रोड,
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाश मगन पत्नी
श्री के० एल० मगन,
एफ-3, बाली नगर,
नई दिल्ली-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उक्त के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उक्त के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 108, 11/10 पूसा रोड, नई दिल्ली-8,
ऐसिया 600 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/37ई/10-82/
7—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जसकी मं० 2, ब्लाक 'एम' है तथा जो कनाट सर्कम,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण स्पष्ट ने बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भागतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंको यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल में, एक इस्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्गत) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावेवत में कमी करने या उससे बचन में संविधा
के लिए और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्रा रामेश्वर प्रसाद
(एच यू.एफ.),
100, बाबर गेड,
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलचन्द्र कौर
(50 प्रतिशत 7/21 स्पष्ट नगर, दिल्ली ।
मास्टर अंगुल सिध्गल द्वारा
उसके पिता एवं सही अभिभावक—
श्री आनन्द प्रकाश सिध्गल,
निवासी के-39, हौज खास,
नई दिल्ली
मास्टर विजय कुमार सिध्गल द्वारा
उसके पिता एवं सही अभिभावक—
श्री ओमप्रकाश सिध्गल,
निवासी के-39, हौज खास,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
र्थ है।

अनूसूची

कमशियल बिल्डिंग, 'योगेश्वर' का भाग नं० 2, ब्लाक
नं० एस, कनाट सर्कम, नई दिल्ली, प्लाट नं० 401 और
402, 3 मंजिल, एरिया-1150 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं. आई० ए० सी० /एक्य०/1/37६६/10-82/

6—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा
269-घ के अधीन सधार्पणाधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1101/7 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरीक्ती
(अंतरीक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतीत-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हाई किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर 'देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; जारी/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था हिए था, छिपाने में
दृष्टिकोण के लिए;

(1) अंसल प्रोपरटी एण्ड इन्डस्ट्रीज
प्राइवेट लिमिटेड,
116 अंसल भवन,
16, केंद्र जी० मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसवन्त बंगा और
श्रीमती दीपिन्दर बीड़ी,
मार्फत लेफ० जेन० एच० एस० बंगा
अशोक लेय लैंड लिमिटेड,
एम० आई० ए०,
अलवर-301030

(अन्तरीक्त)

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बातें :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1101/7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, एरिया
301 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—

प्र० अ० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राज्यकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/37ई०/10-82/
५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 126 है तथा जो 22 कर्जन रोड, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्व अन्सूची में और पूर्ण स्वप्न
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी भरने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारतः :—

3-156 GI/83

(1) श्री य० एस० सचेवा,
श्री एस० एम० जेरथ और
श्री दामोदर वत्ता,
(एच - य० - एफ०),
ई-98, प्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती हरपाल कौर पत्नी
एस० अजीत सिंह,
निवासी ९-ए/२ डब्ल्यू-ई-ए-
करोल बाग, नई दिल्ली ।
2. श्रीमती हरबन कौर पत्नी
एस० जमवन्त सिंह,
निवासी—२१२, प्रेटर कैलाश-१,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणीय के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 126, बिल्डिंग नं० 22 कर्जन रोड, नई दिल्ली,
एसिया 210 वर्ग फीट ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983

सोहर :

प्राप्ति आदृ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/37ई०/10-82/

3—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 805/38 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुग्रही में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), अंतर्भूत अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली में भागीव आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1982 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से की गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्राप्ती एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० न्य०,
115, अंसल भवन,
16, कें० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कानू चढ़ा मार्फत
श्री विनोद चढ़ा,
एफ-11, एन० डी० पू० ई० भाग-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसृती

प्लाट नं० 805/38, नेहरू प्लेस नई दिल्ली, एरिया
तादादी 360 वर्ग फीट ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रक्रम प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/ए क्यू०/१/३८६६/१०-८२/

2—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 1107/7 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-I, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-रेज अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अटूटवर, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रौति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मैं अंमल प्राप्ती एण्ड
डिस्ट्रीब्र प्रा० लि०,
115, अंमल भवन,
के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रविन्द्र कौर,
निवासी डी-९५९,
न्यू फ्रेंस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोंख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बावध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1107/7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, एरीमा
सादादी 323 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983

गोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृप धार्द० दी० एच० एच०—

प्रायकर प्रिविवेत, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) से प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 जून 1983.

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्ट०/१/३७८८/१०-८२/१

—अस्तः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1106/7 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रिविवेत, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर प्रिविवेत, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं प्रस्तुरित हारा प्रकठ नहीं किया
वया या या किया जाना आहिए वा, छिंगांमें में
सुविधा के लिए;

(1) अंसल प्रापर्डीज एण्ड
इंडस्ट्रीज प्रा० लि०,
115, अंसल भवन,
16-के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० जेम इण्डिया,
1007, आकाश वीप,
26-ए, बाराखम्भा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1106/7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, एरीया
258 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

अतः यदि, उक्त प्रिविवेत की बारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त प्रिविवेत की बारा 239-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रख्य. आई. टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एन००/१/एस० आर०-३
10-८२/१०८९--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्यास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छत्तेपुर
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विव्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्त)
और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित दबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस० पी० सिंह,
पत्नी श्री एम० पी० सिंह,
डी-48, हैज़ खास,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अत्तर सिंह सुपुत्र
चौ० करन सिंह,
निवासी करनपुरी,
गिलावटी,
जिला बुलन्दशहर (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 16 बिघे, खसरा नं
1280, ग्राम छत्तेपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निवेश में आहू. ए० सी०/एश्यू०/१/एम० आर०-३/
10-८२/१०८३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्च त उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-प के
अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. म अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
आंख पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भावित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डालू, कानी धनी तथा
श्री तेजा सुपुत्रगण श्री राम लाल,
निवासी ग्राम भाटी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय चन्द्रा और संजय चन्द्रा सुपुत्रगण
श्री रमेशचन्द्रा,
निवासी सी-42,
मेयकेयर गार्डेन,
हौज़ खास इनकलेब,
नई दिल्ली (माइनर)
द्वारा उनके पिता रमेश चन्द्रा।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 18 बीघे और 12 बिश्वे, खसरा
नं० 971, स्थापित ग्राम भाटी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----- .

(1) श्रो वरिंदर बजाज सुपुत्र
श्रो मोहन लाल बजाज,
निवासी 4/69,
पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० आर०-३/
१०-८२/१०८०—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ को अधीन गढ़ाया गया था कि, उन विधान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० २६/७ ए है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोलबाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्रो अशोक कुमार सुपुत्र
श्रो बुधराज और कमलेश कुमारी भाना,
पत्नी श्रो अशोक कुमार,
निवासी ४/६, डब्ल्यू० ई० ए०,
करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिधिधिया तत्सम्बन्धी व्यविधायों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के ने परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

द्वाई मंजिला मकान, प्लाट नं० 26, ब्लाक नं० 7-ए,
तादादी 181.67 वर्ग गज, स्थापित डब्ल्यू० ई० ए० करोल
बाग, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्र० आर्द्ध, टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/1/एस० आर०-3/
 10-82/1063—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-घ
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 28,000/-
 ह० से अधिक है

और जिसकी सं. बी-15-बी है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह ग्रन्तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाल उक्त
 अधिनियम के अल्ला कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उक्तसे बचाने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाले अन्तरिती हाए प्रकट महीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री सुभाषचन्द्र अरोड़ा मुपुन
 श्री सीताराम अरोड़ा,
 निवासी ए-55,
 मालवीय नगर,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धर्मदेवी शर्मा पत्नी
 स्व० श्री सत्यदेव शर्मा,
 बी-15-बी, कालकाजी,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोड़ा के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों द्वारा दारा हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की
 तापीक दे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोगस्थानी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

प्र० नं० बी-15-बी, तादादी 100 वर्ग गज, स्थापित
 कालका जी, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रसूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश मं० आई० ए० सी०/एस्य०/1/एस० आर०-3/

10-82/1062—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-1/4 है तथा जो मालवीय नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप की थी कि यह गया है:-

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमत्यों
के जिह्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना था, क्षिप्रतः में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुग्रहण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित आकितरों, अर्थात् ---

4—156G1/83

(1) कुमारी युमाला अनुसुया (टी० अनुसुया),
सुपुत्री स्व० डा० युमाला कादनला पानी नायडु,
निवासी/69/3, मी० पी० डब्ल्यू० डी० क्वार्टर,
पुष्प बिहार,
साकेत, एम० बी० रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण सिंह सुपुत्र
श्री अमर सिंह,
निवासी एफ-1/4,
मालवीय नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ-1/4, तारीख 126 वर्ग गज, एरिया
मालवीय नगर, नई दिल्ली ;

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

सोहर :

प्रस्तुत बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं. आई० ए० सी०/ग्रक्य०/१/एस० आर०-३/
10-८२/१०३९—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
प्रिसी (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत,, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रकाशो पत्नी
श्री रणजीत सिंह,
निवासी—ग्राम डेरा मंडी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा जैन पत्नी
डा० मुरेश चन्द्र जैन,
निवासी—बी-14,
एन० डी० एस० ई०-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मृत्युक्ति

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 16 बिंधे, एम०
नं. 36, किला नं. 6, ग्राम-डेरा मंडी, तहसील महरौली
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निवेश सं० आई.ए० सी०/एक्य०/१/एस आर-३/१०-८२/

1034—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर,
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव ग्रन्थि विवरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(ब) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ओ० एम० पी० बिल्डर्स,
12-रीगल बिल्डिंग,
कॉर्नोट प्लेस, नई दिल्ली
द्वारा भारीदार:
श्री डी० एस० पाल,
श्री श्री० पी० मलहोत्रा,
और ओ० पी० ओबराय।

(अन्तरक)

(2) श्री सत प्रकाश शर्मा मुपुत्र
श्री चंगा मल,
निवासी 32, उदय पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे और 9 बिंधे, खसरा नं०
41/1(0-13), 63(4-16), ग्राम गदाईपुर तहसील
महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली ।

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
10-८२/१०२४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह्।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छत्तरपुर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यस्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्दिरा रानी हरदाई
पत्नी श्री हरदयाल सिंह हरदाई,
निवासी 57, आनन्द नोक,
नई दिल्ली द्वारा अटारी
श्री संतोष कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री हरकिशन उत्तम मुपुल
स्व० श्री एच० पी० उत्तम,
निवासी 15, बीरबल रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पृष्ठ भूमि तादादी 8 बीघे और 13 बिंधे, खसरा नं०
1685/2(3-17) 1684(4-16), के साथ फार्म हाऊस,
चार दीवारी, द्यूब-बैल तथा अन्य लगे हुए सामान, ग्राम-
छत्तर पुर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली- 110002

तारीख : 4-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
10-८२/११४९—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विज्वाशन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचव्यंग प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अंतरण निम्न में वास्तविक
रूप रूपों को दर्शाया गया है—

(क) अस्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं किया; एवं/एवं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) ने उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पदोंजतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूर्चिग के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री गोपाल सिंह सुपुत्र
श्री देवी सिंह,
निवासी ग्राम-विज्वाशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं नरेन्द्र कन्स्ट्रक्शन एण्ड
इंस्टेंट्र प्रा० लि०,
115 अंसल भवन,
16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अन्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 20 बोधे और 2 बिश्वे, रेक्टेंगल नं०
44, किला नं० 17(3-14), 18(4-16), 22 ईस्ट
(2-00), 23(4-16) और 24(4-16), स्थापित-ग्राम-
विज्वाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-6-1983

मांहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शिव नाथ सिंह,
निवासी 20, प्रीतम रोड,
देहरादून ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-३/
10-८२/११४६—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-10 है तथा जो महारानी बाग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
माया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धारित्व में कभी करने या उससे बचने में हानिभा
के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काँह भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी-10, महारानी बाग, नई दिल्ली, तादादी
2735 वर्ग फीट ।

नरेन्द्र सिंह
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-6-1983
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
10-८२/११३४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/3552 है तथा जो रेहगरपुरा, करोल बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को प्रदर्शित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुदेश रानी वर्मा पत्नी
श्री राजिन्द्र पाल वर्मा द्वारा
अटारी श्री कुलभूषण जैन मुपुत्र
श्री एल० फिरोजी लाल जैन,
निवासी ए/पी-76,
गालीभार बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री नन्द किशोर, पूरन चन्द,
मोहन लाल और मुन्दर लाल सुपुत्रगण
श्री गनपत राय,
निवासी 56/4422, रेहगरपुरा,
करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रदर्शित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आशेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर प्रदर्शित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी०/एस० हाऊस नं० 16/3552 खेवट नं० 1, खतौनी
नं० 1893 खसरा नं० 1884-49, तादादी 100/वर्ग गज,
ब्लाक-एल, गली नं० 7-8, रेहगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोदूर :

प्रसूप आई. टी. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निम्नेण सं० आई० ए० सी०/ प्र००००/१/एस० आर०-३/

10-82-1130—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए-99/1 है तथा जो ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम व दृष्ट्यान्त प्रतिफल के नियंत्रणरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया मध्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण रिचिर से ताप्तिक हा ते रखिए नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के अधिनियम, के अधीन वर्ते के अन्तरक के अधिनियम, या बम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती दलजीत बत्ता पत्नी
पुस्त दलजीत सिंह बबा,
निवासी 8/16,
कालकाजी एक्टेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मनोज प्लास्टिक प्रा० लि०,
ए-99/1, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया,
फेस-II, नई दिल्ली
द्वारा डायरेक्टर
श्रीमती दलजीत बत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्थाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० ए-99/1, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया, भाग-2,
नई दिल्ली-110020, नावादो 643, 3 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह
संकेत प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति आई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ईन-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एस्प०/।/एस० आर०-३/
10-८२/११२८—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 76 है तथा जो पश्चिमी मार्ग वसन्त विहार
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वानुसार सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम फे
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पवृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और
भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
उन अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उन्हाँ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियत
वहाँ लिखा बथा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—156GI/83

(1) श्री एस० चक्रवर्ती 74-ए,
अशोक एवन्यू कलकत्ता,
श्रीमती अमला चक्रवर्ती
निवासी-403, कर्जन रोड,
अपार्टमेंट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक मेठी, कुण्ड के ० सेठी,
श्रीमती पायल सेठी और
श्रीमती रीता सेठी,
निवासी 14/बी,
गंगाराम हास्पिटल,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त मम्पति के प्रभेत्र न मम्पन्ध में कोई भी आश्रेत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर नम्पति में द्वितीय किसी
प्रध व्यक्ति द्वारा, प्रधानमंत्री के पाय लिंगिन
में किए जा सकेंगे।

प्रधानोऽरण :—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया जाया है।

अनुसूची

76 पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली भूमि
तादादी 6522 बर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट धार्द, टी. एस. एस.-----

(1) गोपो चन्द्र सुपुत्र
श्री तुला
निवासी ग्राम डेरा मंडी
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निवेश मं. आई० ए० सी०/एक्य०/1/एम० आर०-३/
१०-८२/१११—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्ट्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भास्तीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाये प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

(2) श्री शश चन्द्र जैन मुपुल
श्री गिरधारी लाल जैन,
निवासी श्री-6,
कासिन्दी कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में स्थापत होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 11 बीघे और 10 बिश्वे, मुस्तातील
नं० 88, किला नं० 4(4-2), 5(4-16) मुस्तातील नं०
87, किला नं० 2(2-12), ग्राम डेरा मंडी, तहसील
महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

ज्ञात: आम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-6-1983
माहूर :

प्रस्तुत माई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्टू०/१/एस० आर०-३/
 १०-८२/११२०—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-१४९ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-२,
 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

16) के अधीन' तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 द्वन्द्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बावजूद, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुभाष सचदेवा सुपुत्र
 श्री एम० एल० सचदेवा,
 निवासी 258, डी/एस०,
 न्यू राजिन्दर नगर,
 नई दिल्ली :

(अन्तरक)

(2) मै० मोवीका इण्टरप्राइसेस प्रा० लि०,
 ई-४४०, ग्रेटर कैलाश-२,
 नई दिल्ली द्वारा
 एम० डी० श्री के० मोहन दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू०-१४९, तारीखी 400 वर्ग गज,
 ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
१०-८२-१११२—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी
तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
वास्तविक रूप से अंतरक के
वायिक रूप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
वे निम्न बातें/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

(1) श्री गोपी चन्द्र सुपुत्र श्री तुला
निवासी ग्राम डेरा मंडी
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शरद अनंद जैन सुपुत्र
श्री गिरधारी लाल जैन
निवासी—डी-६,
कालिन्दी कालोनी
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हुई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 बीघे और 8 बिश्वे, मुस्ताकील
नं० 75, किला नं० 11(4-16), 20(4-16), 21(3-
16) ग्रोम डेरा मंडी तहसील महरीलो, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/ एक्य०/१/एस० आर०-३/

१०-८२/१११५—अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4616 है तथा जो पहाड़ गंज, शोरा कोठी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चूम्ही लाल मुपुत्र
श्री हरीचन्द,
निवासी 4616, शोरा कोठी,
पहाड़ गंज,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम बाबू मुपुत्र
श्री गिरीराज प्रसाद, रमेश चन्द,
महाबीर प्रसाद, बूजमोहन,
हरी चन्द सुपुत्रगण
श्री गिरी राज प्रसाद,
निवासी 303, मन्टोला,
पहाड़ गंज,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान छाई मंजिला पुलादारी बस्त बम्य तहत
आराजी लगभग 110.50 वर्ग गज, प्रौ० नं० 4616 शोरा
कोठी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

माहर :

मुख्य वाइ.टी.एस.,-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मात्रक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 4 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
१०-८२/११०१—अतः, मझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जौनापुर, महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय की किसी धन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-काइ अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के ब्राह्मणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बादले सुपुत्र स्व० श्री जुगला,
निवासी ग्राम जौनापुर,
महरौली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी कुकरेजा परनी
श्री मोहन लाल कुकरेजा,
निवासी ई-26,
न० डी० एस० ई० भाग-1
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
क्या है।

अनूत्तरी

कृषि भूमि तादादी 8 बीघे, ग्राम जौनापुर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रूफ आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं० ऑई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
10-८२/१०९४—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छत्तरपुर, महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम को अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पर्मीला सिंह पत्नी
श्री के० के० सिंह,
निवासी—बी-११,
जिफ़ैस कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुशीला नागपाल पत्नी
श्री एस० सी० नागपाल,
निवासी बी-१/४,
हौज खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी ३ बीघे और १९ बिश्वे खसरा नं०
१८३३/२ (०-१०), १८३३/३ (०-१२), १८३३/४/२
(१-३), १८३५/५/२ (०-१०), १८३३/६/२ (१-४), ग्राम
छत्तर पुर, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं० आई० प० सी०/एक्यू०/१/एस० आर०-३/
१०-८२/१०९३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम छत्तरपुर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और
पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्रीमती पमीला चिह्न
पत्नी श्री के० के० चिह्न,
निवासी बी-११,
डिकेंस कालोवी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सिरी चन्द नागपाल सुपुत्र
श्री ज्ञान चन्द नागपाल,
निवासी बी-१/४,
हौस खास,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी व पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

अनुसूची

कृपि भूमि तादादी 4 बीघे और 16 बिश्वे, खसरा नं०
1834/1(2-16), 1834/2(2-0), ग्राम छत्तरपुर, तहसील
महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र चिह्न

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं. आई.टी.ए.सी.०/एक्यू.०/एस.० आर.०/३/१०-८२/

1091—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आम सुलतानपुर, महरौली, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्छूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय को बावस.. उत्ता
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रबल नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः —

6—156GI/83

(1) श्री डी० आर० गुप्ता सुपुत्र
श्री बलबन्त राय,
निवासी ए०-१५५,
पंचशील पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ललोधन सिंह सुपुत्र
एस० नाथ सिंह आनन्द और
श्रीमती नरिन्द्र कौर आनन्द
पत्नी एस० त्रिलोचन सिंह,
निवासी ए-३,
कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुण्डि भूमि तादादी 6 झीचे और 10 बिश्वे, खसरा नं.
754, आम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली, साथ में
एक कमरा और टग्गूब-वैल ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रश्न बाईं, अर्द्धे, एवं एवं—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
१०-८२/१०९२—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कौपित् गई किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमिलयों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती गगन माला जैन पत्नी
श्री सुभीश जैन,
निवासी ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एस० तरलोचन सिंह सुपुत्र
एस० नाथ सिंह आनन्द,
श्रीमती नरिन्दर कौर आनन्द पत्नी
एस० तरलोचन सिंह,
निवासी ए-3,
कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारंभ करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्तकी

कृषि भूमि तादादी 7 बीघे और 2 बिंधे, खसरा नं० 752(4-16), 750 मिन (2-6), ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति वाईटी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतान पुर,
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बाष्ठ, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हेतु के अन्तरक के
दावितव से कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भने या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—(1) श्रीमती सर्वती देवी पत्नी
श्री राम सरन वास,
निवासी विक्रम विहार,
लाजपत नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) तरलोचन सिंह सुपुत्र
एस० नाथा सिंह आनन्द,
श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी
एस० तिरलोचन सिंह ।
निवासी ए-३,
कैलाल कालोती,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें;स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे और 18 बिरये, खसरा नं०
751(3-12), 753(3-6), स्थापित ग्राम—सुलतान पुर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बुल्लेटिन्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
१०-८२/३३३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आय
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 249 है तथा जो करावल नगर,
शाहदरा, विली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, एसे इथमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकरण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भा०-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी टंडन पत्नी
श्री एस० एस० टंडन,
5008, सिरकी बालान,
लाल कुआ,
दिल्ली-6

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनू गुप्ता पत्नी
श्री लक्ष्मी नारायण,
निवासी 2367,
छठा शाहजी, चावड़ी बाजार,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहीत्वस्थाप्ती के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० खसरा नं० 249, तादादी 300 वर्ग गज स्थापित
करावल नगर, शाहदरा, दिल्ली-32 ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्य०/२/एस० आर०-२/
१०-८२/९७२३—अंतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विंशे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5006-८/भाग ५ हमदर्द मार्ग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उल्लेख ये उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इन किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के दावत में कठी करने वा उसके बचने में सुनिश्चि त है लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चि त है;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्भात् ५—

(1) जयसव समिति (रजि०),

८-ए/१, एवरेस्ट हाउस, (रजि० आफिस),
४६ सी, चौरंगी रोड,
कलकत्ता (हेड आफिस 5008
सिरकी बालान,
दिल्ली-६)।

(अन्तरक)

(2) दिल्ली रजिस्टर्ड स्टाक होल्डर्स

एसोसिएशन लिमिटेड,
रजि० आफिस हौज काजी, दिल्ली ।
मै० सत्याशील गुप्ता
(एच० य० एफ०),
और मै० उदित प्रापर्टी कम्पनी,
जयसव प्लेस,
हमदर्द मार्ग,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृद्धि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ तिलित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० म्युनिसिपल नं० 5006-८/भाग-४ और 5006-८/
भाग-५, वार्ड नं० ७, हमदर्द मार्ग, दिल्ली तालाबी 250 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत काहौं दी एवं एषः-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एन० आर०-१/
१०-८२/९६९९—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18, ब्लाक 'ए' है तथा जो डा० मुखर्जी
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुगृही
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित ब्लॉकर मूल्य से कदम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
को छिपें बाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० राजिन्द्र एडवर्डाइजर्स, 315,
धीरपुर, दिल्ली-९,
द्वारा उसके भागीदार :
श्री राजिन्द्र कुमार बोहरा,
श्री नरेश बोहरा सुपुत्रगण
स्व० श्री अविनासी राम बोहरा,
निवासी 2/53, निरंकारी कालोनी,
दिल्ली-९।

(अन्तरक)

(2) मैं० युनिवर्सल इन्जीनियर्स,
डी-१ (जी०-एफ०),
विराज भवन,
कर्मशियल कम्प्लेक्स,
डा० मुखर्जी नगर,
दिल्ली-९ द्वारा भागीदार:
श्री गोपाल दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूदिती

प्लाट नं० 18, ब्लाक-ए (ए/18), तादादी 101.44 वर्ग
मीटर, स्थापित कम्प्लेक्स सेन्टर किंग्सवे कैम्प नार्थ, डा०
मुखर्जी नगर, दिल्ली।

मुखीर चन्द्रा

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1983

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/
१०-८२/९६९६—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकारा प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5552 से 5559 है तथा जो प्लाट नं. २७,
बस्ती हरफूल सिंह, विल्ली-६ में स्थित है (और इसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरित के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रत्नी देवी सेठीया पत्नी
श्रीमती माल चन्द्र सेठीया पत्नी
श्री हनुमान मल सेठीया,
निवासी 29, शेक्सपीयर सरानी,
कलकत्ता, वर्तमान पता :—
10872, ज्ञानेवालान,
नवी करीम, दिल्ली-६।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शानवती जिदल पत्नी
श्री शिव कुमार जिदल,
निवासी प्लाट नं. २७,
बस्ती हरफूल सिंह,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंग्रेजीकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मसूदी

अविभाजित आधार भाग वो मंजिला मकान नं. 5552
में 5559, प्लाट नं. २७, नादादी २३३.३ वर्ग गज, जिसका
विका द्वारा ११७ वर्ग गज है स्थापित-बस्ती हरफूल सिंह,
दिल्ली-६।

सुधीर चन्द्रा

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली-110002

तारीख : 7-6-1983

मोद्दुर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1083

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
10-८२/९७००—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5552 से 5559 है तथा जो प्लाट नं०
27, बस्ती हरफूल सिंह, दिल्ली-6 में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1982

को धूर्धीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मैना देवी सेठीया पत्नी
श्री सोहन लाल सेठीया,
श्री संपत मल सेठीया सुपुत्र
श्री सोहन लाल सेठीया,
निवासी सी-31, घोटाला,
कलकत्ता-17,
अब निवासी 10872,
झंडेवालान रोड,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मानवती जिन्दल पत्नी
श्री शिव कुमार जिन्दल,
निवासी प्लाट नं० 27,
बस्ती हरफूल सिंह,
दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयांकरता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित-
वद्ध तिक्सी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० 5552 से 5559
प्लाट नं० 27, बस्ती हरफूल सिंह, दिल्ली-6, एरिया 233.3
वर्ग गज।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-6-1983

तेहर :

प्रस्तुत आई.टी.क्ल.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/

10-८२/९६९१—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 274 है तथा नया जो नं० 461
हमिल्टन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली-६ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथ्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे रथ्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितात्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-56GT/83

(1) श्री उपिन्द्र नाथ कपूर सुपुत्र
श्री ठकर दास कपूर,
निवासी 461, गली नं० जीनत बारी,
हिमल्टन रोड,
काश्मीरी गेट,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा अग्रवाल पत्नी
श्री कमल किशोर,
निवासी के-2/11,
माडल टाउन, दिल्ली ।
भास्टर संजय नागपाल
अभिभावक श्री तरविन्दर कुमार सुपुत्र
श्री बोध राज,
निवासी 3489, निकलशन रोड,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 अविभाजित हिस्मे प्रो० नं० 274 (ओल्ड) और
461 (न्यू) हमिल्टन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्रधान मंत्री, टी.एस., एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 जून 1083

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/२/एस० आर०-१/
१०-८२/१७१९—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 274 (पुराना) 461 (नया नं०) है तथा जो
हमिल्टन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हृदै जिसी आय की वापसी, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे उक्त अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजिन्द्र नाथ कपूर सुपुत्र
श्री ठकर दास कपूर,
निवासी 638,
डा० मुखर्जी नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा अग्रवाल पत्नी
श्री कमल किशोर,
निवासी के-2/11,
माझल टाउन,
दिल्ली।
भास्टर संजय नागपाल अभिभावक :
श्री तरविन्दर कुमार सुपुत्र
श्री बोधराम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोचन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

1/3 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० 274 (ओल्ड) तथा
नया नं० 461, हमिल्टन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 जून 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/
10-८२/९६७०—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एम-९ है तथा जो सघोरा कलां अबादी
सत्यवती, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाएँ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बजाने में सुविधा के लिए।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, हिन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विश्वनाथ सुपूर्ण
श्री खुशी राम,
निवासी बी-2/21,
आर० पी० बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रमेश चन्द्र और
सुभाष चन्द्र मल्होत्रा सुपूर्णगण
स्व० श्री सोहन लाल,
निवासी ८/३, 'सिंह सभा रोड',
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुधीर चन्द्रा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट शाहौ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/

१०-८२/९७१४—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-१, शाप नं० ४, ५ है तथा जो बाली
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्खे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित में कभी कहने या उक्त सूचने में सूचिता
के लिए; औड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सूचिता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेदप्रकाश तुधा सुपुत्र
श्री शामा राम दुआ और
श्रीमती देवी बाई पत्नी
श्री तुलसी दास चावला,
निवासी ई-५६,
कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन गोपाल मेहता सुपुत्र
श्री भाला नाथ मेहता,
निवासी सी-२९,
बाली नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवृप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी भी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षर्यः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
पड़ा है।

अनुसूची

बना हुआ भाग शाप नं० ४ और ५ प्रा० नं० ई-१,
बाली नगर, नई दिल्ली, भूमि तावादी 100 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख : 10-6-1983

माहूर :

प्रस्तुत आर्द्ध. टी. एन. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निदेश सं० अर्द्ध० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/
10-८२/१९६८—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30/22 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरिक्षा का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृद्धि था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, सौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मित्र सिंह सुपुत्र
स्व० श्री सुन्दर सिंह,
निवासी-53,
मिन्टो रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बाली बी० रजनी ।
2. श्री दौलत राम बी० रजनी और
3. श्री कुमार बी० रजनी,
सभी निवासी-30/22,
ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

जनुसूची

2-1/2 मंजिला प्रो० नं० 50/22, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली तावादी 200 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली-110002

तारीख : 9-6-83

मोहर

प्र० प्र० 25 टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०- I/
10-82/9701—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाया है); को धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, त्रिवला उचित बाजार मूल्य 25,000/- स० से अधिक है।

और जिसकी सं० 81 वी है तथा जो ग्राम राजपुर, छावनी ओल्ड गुप्ता कारोनी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्वर प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य है प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्वरकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छट्टेश्वर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तराल के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रस्तुतण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1) के क्षेत्र, निम्नलिखित अवस्थाएँ ग्रहीत :-

(2) श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी
श्री जगजीत सिंह,
निवासी 6/3,
विजय नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रणजीत कौर पत्नी
श्री सतवन्त सिंह,
निवासी ए/156,
गुजरत वाला टाउन,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए मैं नोट भो आजेप।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्दी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी प्रत्येक अवक्ति द्वारा, प्रधोहस्त्वाकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वावोकरण—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पद्धों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में वरिप्रावित हैं, वही पर्यंत होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सुधीर चन्द्रा

प्र० नं० 81/बी, खसरा नं० 224/2, ग्राम राजपुर
छावनी, ओल्ड गुप्ता कारोनी, दिल्ली, भूमि तावादी 144
वर्ग गज।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली

तारीख : 10-6-1983
मोहुड़ ३

प्रस्तुप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/

10-82/9707—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-115 है तथा जो राजोरीगार्डेन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री ओ० पी० बर्मा सुपुत्र
श्री खुशी राम,
निवासी जे-173,
राजोरी गार्डेन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० खोसला सुपुत्र
श्री कृष्ण खोसला,
निवासी एल-19,
राजोरी गार्डेन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के व्यायाम 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्यायाम
दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० जे-173, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली
एरिया तादावी 301 बांग गज, ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए क्य०/२/एस० आर-१/
१०-८२/९६६३—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 864 से 868 (पुराना) है तथा जो मेन
बाजार, चितली कबर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापेक्षत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बीतारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी भर या अन्य आस्तियों
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः :—

(1) श्री मुस्ताक मोहम्मद जहान,
बेगम सुपुत्री स्वर्गीय सैयद जुल्फीकार,
अली धर्मपत्नी
अब्दुल खलील,
निवासी 1419,
गली मदरसा इनायतुल्ला,
गली कासीम गूज,
बाजार, बल्लीमारान,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुस्ताक जहीद बाई
धर्मपत्नी श्री तजुदीन
निवासी 1503,
पहाड़ी राजान बाजार,
चितली कबर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी लाभेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिंगित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग म्युनिसिपल नं० 864 से 868 (पुराना)
1463/1 (न्यू) और 1468 से 1471 (न्यू) बाँड नं० 9,
मेन बाजार, चितली कबर, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/
१०-८२/९७१७—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 61, ब्लाक आई० है तथा जो किर्ती नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में की करने या उससे अथवा में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-156 GI/83

(1) श्री सत्यपाल रहेजा,
निवासी आई-67,
किर्ती नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेश चन्द्रा सेठ,
निवासी ४, साउथ पटेल नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 61, ब्लाक नं० आई, किर्ती नगर, नई दिल्ली,
तारामी 200 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा
सन्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 1-6-1983

माहौर :

प्रकृष्ट भाष्ट. दी. एन. एच. ——————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक मायकर आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/२/एस० आर०-२/
10-82/8096—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बमनवली,
तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधि
अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सारीख अक्टूबर, 1982
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पौद्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वापत, उक्त
वायिवद के अधीन कर देने के कानूनक वा
व्यापित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाते में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री रसन सिंह सुपुत्र
श्री लालिया, दयानन्द
सुपुत्र श्री लालिया,
निवासी ग्राम बमनवली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बासुदेव पाहवा सुपुत्र
श्री टी० एन० पाहवा,
श्रीमती जितनंदर पाहवा पत्नी
श्री बासुदेव पाहवा,
निवासी ३/२०,
ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पूरे
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहूँ
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकरी जैसे पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राचीन का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 17 बिल्डे, खसरा नं०
245 मिन ईस्ट (2-8), 248 ईस्ट (1-5), 249 ईस्ट
(1-4) स्थापित ग्राम बमनवली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर ऑफिस (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1983
मोहर :-

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/२/एस० आर०-२/

10-८२/८०९५—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बमनावली, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16). अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पंचहूं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन सिंह और दमनन्द
सुपुत्र श्री सालिया,
निवासी ग्राम बमनवली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव पाहवा सुपुत्र
श्री टी० एन० पाहवा,
श्रीपती जितेन्द्र पाहवा, पत्नी
श्री वासुदेव पाहवा,
सभी निवासी 3/20, १^१
ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महत्वपूर्ण

कृषि भूमि ताबादी 3 बीघे और 14 बिघे, खसरा नं०
237 ईस्ट (1-6), 240मिन ईस्ट (2-8), ग्राम बमनवली;
तहसील महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारीख : 9-8-1983

मोहर :

प्रस्तुप्. आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निदेश सं. आई. ए. सी.०/एक्यू.०/२/एस० आर०-२/
१०-८२/८०९७—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
• 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो बमनवली, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कोष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरे प्रतिफल से, ऐसे दूसरे प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन सिंह सुपुत्र
श्री लालिया, दयानन्द
सुपुत्र श्री लालिया,
निवासी ग्राम बमनवली,
नई दिल्ली ।

(अंतरक)

(2) श्री वासुदेव पाहवा सुपुत्र
श्री ई० एन० पाहवा,
श्रीमती जीतनंदर पाहवा,
पत्नी श्री वासुदेव पाहवा,
सभी निवासी 3/20,
ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तालादी 4 बीघे और 16 विश्वे, खसरा नं०.
241 मिन ईस्ट (2-8), 244 मिन ईस्ट (2-8), ग्राम
बमनवली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

आइट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 83

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एफ्य०/२/एल०आर० २/१०-

८२/८०३७—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ए
के अधीन संक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जे-11/33, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली में स्थित है और इससे उपावढ़ अन्यूनी में और पूर्ण मूल्य से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन शिनांक अन्तर्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

१. श्री छोराती रामसुपुत्र श्री चुनी लाल चावला,
निवासी—जे-7/74, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली-27।

(अन्तरक)

२. श्रीमती जगजीत कार पत्नी श्री जसवत चिह्न,
श्री हरभजन सिंह सुपुत्र एस० सरवारा सिंह,
निवासी—जे-11/33, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूछाकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृत्संची

प्र०न० जे-11/33 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, भूमि तादादी
160 वर्गगज,

सुधीर चन्द्रा
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 10-6-83

मोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

**जामिन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

निर्वेश सं० आई.ए.सी०/एक्य०/2/एस०आर०-8/10-82/
8074—अतः मझे, सुधीर चत्वारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि तथा जो ग्राम-मुन्डका, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि इथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसे किसी आय या किसी इन या अन्य अंस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वरा: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आत्मा राम ज्ञानचन्द्रानी सुपुत्र श्री लख राज,
नवासी—सी० 84, न्यू मुलतान नगर, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री सत्येश सिंह सुपुत्र श्री राम करन,
नवासी—617-बी, मंदिर भार्ग,
नांगलोई, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उचित राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सुधीर चत्वारा

भूमि का एरिया 3 बीघे 3-1/2, विस्ते, खसरा नं० 67/8,
ग्राम-मुन्डका, दिल्ली।

सुधीर चत्वारा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 9-6-83

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 9 जून, 1983

निर्देश सं. आई०ए०सी०/एक्यू०/२/एस०आर०-२/१०-८२/
 ८०७२—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-प के अधीन सधारन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मुन्डका, दिल्ली में
 स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भवे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरात के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिन्न में रुचिधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आसमाराम राम ज्ञानचन्द्रानी सुपुत्र श्री लखराज,
 निवासी सी-84, न्यू मुलतान नगर,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभा पत्नी स्व० श्री कैपटेन गजराज सिंह,
 निवासी-ग्राम-ब्राह्मी, जिरा-रोहतक,
 हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 3 बीचे 3-1/2, बिष्टे, खसरा नं. 67/8,
 ग्राम-मुन्डका, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
 निम्नलिखित व्यक्तियों
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक 9-6-83

मोहर :

प्रस्तुप जाइ.टी.एन.एड.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-ब (1) के अधीन सूचना

आपकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आपकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 जून 1983

तिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस आर-२/
१०-८२/८०७३,—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मुद्दका, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपांचढ़ अनुमूल्यी में पूर्व रूप से वर्णित है),
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने
का कारण है कि अध्याप्तोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का
वहाँ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हाँ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पायित में कभी कुनै या उक्तसे बचने में सुविधा
नहीं दिए; और/या

मुद्दका

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दुष्कृति नहीं दिए।

भूमि तादादी 4 विस्त्रे छापर नं० 413/1, स्थापित
मुद्दका, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आपकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 6-6-82

मोहृष्ट :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 83

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य०/ 2 एस० आर०-2/
10-82/8035,—अतः मझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सभ्या ईजी-100, है तथा जो इन्दरपुरी एरीया
ग्राम नारायणा, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपायद्वा
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 82,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
वारे अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जीत :—
9—156GT/83

(1) श्री किशन दास बुनानी मुपुत्र श्री बखत राम,
निवासी 29, गोयंका मार्केट, मोती बाजार, अमृतसर
झारा, उसके जी० ए० श्री कुन्दन जाल वेहन,
मुपुत्र श्री सीताराम वेहन, निवासी ई-जी-100
इन्दरपुरी, नारायण, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सोहन देवी पर्मी श्री कुन्दल लाल वेहन,
निवासी ई-जी-100 इन्दरपुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि थाएँ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बना हुआ प्लाट नं० ई-जी-100, इन्दरपुरी
एरीया नारायणा, नई दिल्ली तादादी- 128 वर्गगज,

सुधीर चन्द्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली - 110002

तारीख :— 7-6-83

मोहर :-

प्रधन आई टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 जून 83

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एसआर-२/१०
८२/८०२७, —अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 13/12/1, है तथा जो ग्राम
सामपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 82,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विवरास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए रुप पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्दरक के
दायित्व में करने या उक्तसे बनने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्करणों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्रां द्वारा इकट्ठ भहाँ किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री किरपाल सिंह सुपुत्र श्री सामा सिंह, निवासी
8/8वी-41, मिह सभा रोड, दिल्ली ,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिला सिंघल पत्नी श्री आर० के० सिंघल
निवासी डी- 22, अशोक विहार, फेस- 1, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सामाजिक होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
वांकाया दे से इसमें व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर इकल राष्ट्रीय सम्पत्ति में हि०-
वद्ध चिरां लाल दंदन उचारा, आंहारा जीरी
के पास लिखित गं किए जा सकते ।

लक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भागित है, वहां उथ हागा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

मानुषी

फैक्टरी बने हुए भूमि तादादी 250 वर्गगज, खसरा नं०
13/12/1, लाल डोरा, ग्राम सामपुर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली -110002

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
परे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रृष्ठ आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती उमा ओहरी पत्नी श्री एस० एस० ओहरी
निवासी-22ई, एन० पो० एल० क्वाटर नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री राम निवास गर्ग सुपुत्र श्री कुरा राम गर्ग
निवासी-एफ-41, जे० जे० कालोनी, इन्दरपुरी,
नई दिल्ली-12।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

निर्देश संख्या आई० ए० सी० /एस्य०/2/ एस० आर० 2/
10-82/8071,—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7 (डब्ल्युजेड-248,) है तथा जो ग्राम
नारायणा आबादी इन्दरपुरी एक्स०, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर 82,

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एस० दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में
प्रासादिक रूप से कथित नहीं करा याया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सामिल हो करी बदल देना या उक्त सम्बन्ध में सूचिभा के लिए गौरवा

(ख) एस० किसी आय या किसी धन का बन्ध आलिंगन की, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्ने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

के मह सूचना भारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्य गाँव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त गाँवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7 (डब्ल्यु जेड-248) तालादी 200 वर्गगज, खसरा नं० 1599, स्थापित ग्राम नारायणा, अबादी इन्दरपुरी एक्सटेनशन, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1983

निर्देश संख्या आई. ए. सी. ०/एक्यू. ०/२/एस.आर.२/

10-82/8091,—अतः मृष्टि, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 9, रोड नं. 4, है तथा जो कलास-सी
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उच्चमान प्रतिफल से, एसे स्थायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसे किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व थे कहीं कहने वा उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बद्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल, श्रीजग मोहन लाल, हृबंस लाल,
और पन्ना लाल सुपुत्रगण स्व० श्री सर्व दयाल,
निवासी-59/38-39, रोहतक रोड, करोलबाग
नई दिल्ली ।
(अन्तरिक)

(2) श्री विनोद कुमार सपरा, श्री दोपक सपरा, और
श्री सुरिन्दर सपरा, सुपुत्रगण श्री राम लूभाया
निवासी मकाननं० 1666 बहादुर गढ़ रोड,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुद्रूसूची

प्लाट नं० 9, रोड नं० 4, कलास-सी, तादाबी 555.55
वर्गगज, स्थापित, — पंजाबी बाग, एरीया ग्राम शकुरपुर,
दिल्ली राज्य, दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, -110002

तारीख : 1-6-83

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 83.

नदेश सं० आई० ए० सी० /एस्य०/2/एस० आर-2/
10-82/8026,—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 13/12/1 है तथा जो लाल
डोरा, ग्राम—सामपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तर्यों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरं
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किरपाल सिंह सुपुत्र श्री सोभा सिंह,
निवासी 8/8 बी-4 सिलू सभा रोड, विल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार सिंह सुपुत्र श्री हिंदू राय
सिंघल, निवासी -डी-22, अषोक विहार,
भाग-1, विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिसर्पित
हैं, नहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सुधीर चन्द्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एफ्य०/2/एस-आर-2
10-82/8067—अतः मझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—अकबरपुर
माजरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1982,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास-
करने का कारण है कि व्यापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उठाने उठाने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
काम, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना भावहीन था, छिपाने वाले सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री हंस राज, निवासी
बी-129 अशोक विहार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बृज दुआ पत्नी श्री सुरज दुआ,
निवासी-एन-2, किर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्ह करके पूर्वोक्त त्रैमात्रा के अर्जन के स्थिति
कार्यवाहीमात्रा करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
निवारण के अधिकारी द्वारा अन्तराल के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय के दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 विधे 17 विस्ते, खसरा नं०
30/19(4-5), 30/20/2 (4-12), 30/21 2(4-12),
30/22 (4-5), ग्राम-अकबरपुर माजरा, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रसूप बाई. टी. एन. एस. - - - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/१०-८२/

8066—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी माल्या कृपि भूमि है, तथा जो अकबरपुर माजरा, दिल्ली
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेखों से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधित्त
में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्या
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता :—

(1) श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री हसं राज,
निवासी-वी-129, अशोक विहार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामा छाना पत्नी श्री मंतोश छाना,
निवासी 25/42 पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त कान्वों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 विवे 17 विवे, खसरा नं० 36/1/2
(4-12), 36/2(4-5), 36/9(4-5), और 36/10/2
(4-12),—स्थापित-ग्राम अकबरपुर माजरा, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली -110002

तारीख 10-6-83

मोहर

प्ररूप आई. टो. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 3 दिनांक 10 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/2/एस आर-२/
10-८२/८०६८,—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अकबरपुर
माजरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 82,

फो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धारा कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री हंस राज,
निवासी-घी-129, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनिता दुआ पत्नी श्री अरुण दुआ,
निवासी-एन-2, किरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयमां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 विधे 17 विधे, खसरा नं०
30/19/(4-5), 30/20/2(4-12), 30/21/2(4-12),
और 30/22(4-5), ग्राम अकबरपुर माजरा, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 10-6-83

गोहुड़ ॥

प्रस्तुत बाहौदी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य००/२/एस-आर-२/
१०-८२/८०९४,—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बगनवाली,
तहसील-महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 8
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल के
पूर्वोक्त प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घदेश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करु बने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-156GT/83

(1) भौं रत्न चिह्न शुभ श्री लालिवा, द्वा भव सुपुत्र
श्री लालिवा, निवासी ग्राम बगनवाली, नई दिल्ली,
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश पाहवा सुपुत्र श्री टी० एन० पाहवा,
श्रीमती प्रभा पाहवा, पत्नी श्री सुरेश पाहवा,
निवासी 3/20 इस्ट पटेल नगर नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

सूचना

कृषि भूमि तदादी 3 विचे और 15 विचे, खसरा नं०
237 मिन (वेस्ट) (1-7), 240 मिन (वेस्ट) (2-8),
ग्राम बगनवाली, नई दिल्ली

सुधीर चन्द्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली -110002

तारीख : 9-6-83

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक, 10 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एड्यू/२/एस-आर-२/
१०-८२/८०६५—अतःमुझे लुधीर चन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञा कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अकबर
पुर माजरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित) है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 82,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तर्ती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारि :—

(1) श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री हंस राज,
निवासी—बी-129, अशोक विहार, दिल्ली
(अन्तरिती)

(2) श्री हरिश चन्द्र छात्रा सुपुत्र श्री छृश्चन लाल
छात्रा निवासी -25/42 पंजाबी बाग दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्सवंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में विद्या गया है।

मदृग्मी

कृषि भूमि तादादी 8 बिंदे 17 बिंदे, खसरा न०
36/1/2(4-12), 36/2(4-5), 36/9(4; 5) और
36/10/2(4-12), ग्राम अकबरपुर माजरा दिल्ली

सुधीर चन्दा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2 नई दिल्ली - 110002

तारीख 10-6-83

मोहर :

प्रस्तुप्. आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस-आर -2/

10-82/8080—अतः मुझे, सूधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर -82,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि रक्ष्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य
उसके रक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे रक्ष्यमान प्रतिफल का पत्तह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के बन्तरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धनी बाई बिघवा पत्नी श्री रिधा राम,
सेल्फ और जी० ए० श्री जगन नाथ, हरिश
चन्द्र सुपुत्रगण श्री रिधा राम, श्रीमती दयाली
बाई सुपुत्री रिधा राम सभी निवासी ग्राम अलीपुर-
दिल्ली ठकरी बाई सुपुत्री रिधा राम, निवासी
38 ए०, सेक्टर 1, एन० आई० टी० फरीधाबाद,
हरियाणा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चेला देवी, पत्नी श्री ओम प्रकाश,
निवासी-ग्राम- अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, वधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

भूमि तादादी 8 विधे 1 विधा बासरानं० 458 (4-16),
450 (3-5), ग्राम- अलीपुर, दिल्ली !

सुधीर चन्द्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर अद्यक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली - 110002

सारीख : 9-6-83

मोहर :

प्रकाश बाई, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/२/ए म०आर०-२/१०-८२/
८०८।—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संभाया कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 82,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती बाई बिधा पत्नी श्री रिधा राम
सेल्फ और जी० ए० श्री जगत नाथ हरीश चन्द्र
सुपुत्र श्री रिधा राम, श्रीमती दयाली बाई सुपुत्र
रिधा राम सभी निवासी ग्राम — अलीपुर दिल्ली,
ठकरी बाई सुपुत्री श्री रिधा राम, निवासी — ३८-ए
सेक्टर-१, एन० आई० टी० फरीदाबाद, हरियाणा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चेला रानी पत्नी श्री ओम प्रकाश,
निवासी— ५२८, अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

सुधीर चन्द्रा

भूमि 6 विंचे 6 विंचे खसरा नं० 454/2 और 455/2,
ग्राम—अलीपुर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख : ९-६-८३

मोहर :

प्रधान बाई, टी. एन. एड्स, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत दूरध्वार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस- आर-२/
10-८२/८११८,--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने के
कारण है कि इषावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 146/2/137, है तथा जो लाल डोरा,
ग्राम नांगली पूना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 82,
के प्रयोक्ता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है वार में यह विषयास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पश्चात
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक के
दायित्व में करी करने या उससे बदने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आस या किसी घन या अन्य पारितयों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या अन्कर प्रति-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार
प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपाय (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कपूर अस्द और रामचन्द्र सुप्रब लालालूहु राम,
निवासी ग्राम सराय पीपल भाला विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी पल्ली श्री तुलसी राम,
ग्रून कुमार सुप्रब श्री तुलसी राम, निवासी
16 सीलवर पार्क, पटपड़ गज, दिल्ली, श्रीमती
आशा गोयल, पल्ली श्री विजय कुमार, निवासी
1743 नई बस्ती, नया बाजार, दिल्ली
(अन्तरिती)

वे वह सूचना बारी करके प्राप्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय सूचना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ज्ञाहें भी जारी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाल
सिविल में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, तो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित
है, वहाँ वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
जाया है।

मनुसूची

प्रो० नं० 146/2/137 खसरा नं० 52, चालाई 1700
दर्गगज, लाल डोरा, ग्राम नांगली पूना दिल्ली

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-6-83

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस-आर-२/

10-८२/८०१०,--असः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संलग्न जे-3/148 है तथा जो राजोरी गाड़ेन ग्राम ततारपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, अक्टूबर 82, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(1) श्री कुमार चन्द्र सुपुत्र श्री एल० मथरा वास, निवासी जे 3/148, राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली, (अन्तरक)

(2) श्री कस्तूरी लाल भाटिया सुपुत्र श्री माया दास भाटिया, निवासी-ई-३८, बाली नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

मन्त्रसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रो० नं० जे० 3/148, तादादी 160 वर्गगज, स्थापित राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली, एरीया ग्राम ततारपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

सुधीर चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-6-83

मोहर :

बतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के बद्दल अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रस्तुत वार्ष. टी. एन. पर्स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं. आई. ए. सी. ० /एक्यू.०/२/एसआर-२/
१०-८२/८०३८,—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 82,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और उसके यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके अवधार प्रतिफल से, ऐसे अवधार प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण की तिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रणोदनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) डा० गंगाधर डल्ला सुपुत्र श्री दिल्ला राम डल्ला
निवासी युद्धालान, बिल, मुकाविल चितली कवर,
दिल्ली द्वारा श्री देवेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सन्तोष
सिंह, 18/16 ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री बलदीर सिंह सुपुत्र श्री नत्यराम उपनाम श्री
नत्यसिंह निवासी— 485 ग्राम— अलीपुर, दिल्ली,
प्रशासन दिल्ली।
(अन्तरिती)

कड़े यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की साथील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 22 विघे और 4 विघे, ग्राम अलीपुर
दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-6-83

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं, दी. एवं एवं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

साउद व्युक्ति

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस-आर/-२/
१०-८२/८१०४—अतः मृम्मे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतके पश्चात् 'बचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी० 64 है तथा जो ग्राम नरायणा
आबादी इन्दूपुरी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 82,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का
पाइছ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, जिससिरिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापत्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार
अन्तरिती इचारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया आहिए था तिथाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत हूँ—

(1) मैं श्रीमिथा विस्कुट प्रा० लि० नं० 10,
दरिया गंज, दिल्ली-6,
द्वारा श्री सी०बी० पटेल मुपुत्र श्री डी०ए० पटेल
निवासी-7/31, दरिया गंज, दिल्ली-6

(अंतरक)

(2) श्री अशोक कुमार मुपुत्र श्री बाबू राम गुप्ता,
निवासी-नं० ए-105, इन्दूपुरी, कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकतम द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वहूँ फिसी अन्य अधिकतम द्वारा, अधोहस्ताभुती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृम्मे

प्रो० नं० बी०-64, तारीख 306-7/8 बर्गगज बसरा
नं० 1606, 1607, 1608, 1610 स्थापित ग्राम-
नरायणा आबादी इन्दूपुरी कालोनी, नई दिल्ली।

मृम्मे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक अधिकर अध्यक्ष (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एल-आर-२/

10-८२/८०९९—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. रो अधिक है
और जिसकी माल्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बमनवली
नई दिल्ली महरौली, में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इधरमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इधरमान प्रतिफल से, एसे इधरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए यथा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से दर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—
11-156GI/83

(1) श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री लालिया दयानन्द,
सुपुत्र श्री लालिया; निवासी ग्राम- बमनवली,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश पाहवा सुपुत्र श्री टी० एम० पाहवा,
और श्रीमती प्रभा पाहवा पत्नी श्री सुरेश पाहवा,
निवासी-३/२०, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 विधे, खसरा नं० 241 मिन
वेस्ट (2-8), 244 मिन वेस्ट (2-8), ग्राम - बमनवली,
तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली -110002

तारीख : 9-6-83

माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्ह०/२/एस आ०-२

10-82/8098,—अतः मुझे, मुझीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बमनवली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसपे उपावद्ध अनुमूली में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्ट बार 82,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री रहन सिंह सुपुत्र श्री लालिया, दयानन्द सुपुत्र
श्री लालि या निवासी ग्राम-बमनवली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण पाहवा सुपुत्र श्री दी० एन० पाहवा
श्रीमती प्रभा पाहवा, पत्नी श्री सुरेण पाहवा
निवासी 3/20, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सर्वाधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से होई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) प्रोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11)- या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

कृषि भूमि तादादी 4 विधे 17 विद्वे खसरा नं० 425
वेस्ट (2-8), 248 वेस्ट (1-4), 249 वेस्ट (1-5)
स्थापित ग्राम बमनवली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली -110002

तारीख : 9-6-83

मोहर :

अतः अप्र० उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपशाय(1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 जून 83

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/10-82/8017--

अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3360 है तथा जो राजीरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रस्तेद्वारा अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन विनांक अक्टूबर 82,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कदम सिंह सुपुत्र श्री यादराम निवासी
डब्ल्यू जेड-3356 राजीरी गार्डन नई दिल्ली
द्वारा जनरल अटोरनी श्री माम चर्च सुपुत्र श्री
विहारी निवासी डब्ल्यू जेड 3360, राजीरी
गार्डन नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी धर्मपत्नी श्री कदम सिंह
निवासी डब्ल्यू जेड-3356, राजीरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

प्रापर्टी नं० डब्ल्यू जेड-3360, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-6-83

मोहर :

प्रूफ-जाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० IIएस० आर०-II/

10-82/8013 अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव अलीपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(1) श्री चन्द्रीराम सुप्रत श्री मोहन लाल निवासी
गांव अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र सुप्रत श्री प्यारे लाल निवासी
अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादाद 35 विधे 16 विधे, खसरा नं०
411 (4-17), 415(4-16), 442/2/2 (6-17),
445(0-6), 440(4-15), 477(4-16), 448(0-16)
462/1(0-1), 462/3(3-18), 463/1(12-18),
463/3(2-1), स्थापित ग्राम अलीपुर, दिल्ली

सुधीर चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली -110002

तारीख : 9-6-83

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभिति :—

प्रधान प्रभारी, रो. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

मिदश सं० आई०ए०सी०/एश्य०/2/37 ई०/10-82/1—
अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-3/ए/12-13 है, तथा जो डा० मुखर्जी
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमूली में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त व्यक्तियों
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिसे अन्तरित आयकृत अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खाताय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत—:

1. अंसल हाउसिंग एण्ड एस्टेट्स प्रा० लि०
115 अंसल भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० एवरलास्ट आटो इन्डस्ट्रीज,
1636 एस० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करुता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी वारोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
उक्त अन्तरण में विस्तृत व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्युभ
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
निस्तित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:- हाँ यद्यपि अन्तरण शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याद 10-क में परिभ्राषित है,
वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी-3, बिल्डिंग नं० ए/12-13, डा० मुखर्जी नगर
दिल्ली, तादादी 348 घर्ग फ्लॉर।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली।
नई दिल्ली-110002।

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

1. अंसम प्रोपर्टीज एण्ड होटेल्स लिं.

115 अंसले भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाइत सुदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/2/37 ई०/10-82/2--
अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 107/ए-4/2 है तथा जो नाईवाला बाग,
आजादपुर, गली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1908
(1908 का 16) में, के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त रूपांतर का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर हने के अन्तरक के द्वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

मूसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—फ्लेट नं० 107/ए-4/2, नाईवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली
भूमि तावादी 472 बर्ग फीट,सुधीर चन्द्रा
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

110002

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रस्तुप आई० बी० एन० एक०—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 जून, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक०—२/३७ ई०/१०-८२/८३—
अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या बी०-4, है तथा जो बिल्डिंग नं० ए/१२-१३,
डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-२, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961,
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवाहास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिक्रिया से भिन्न है और प्रमुख (प्रमुखकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में व्यासायिक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से है जिसी बाये द्वे उक्त उच्च
अधिनियम के द्वारा उक्त द्वे के प्रमुखके वायिक
में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी छन वा तथा आदियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
प्रमुख अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अंसल ब्राउसिंग एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि०
115 अंसल भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० एवरलास्ट आटो इन्डस्ट्रीज,
1636 एस० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली-६।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उक्त सम्पत्ति पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, वी भी
श्रवण शब्द से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ष) इस नुवन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश्य शब्दों आंद पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० बी०-4, बिल्डिंग नं० ए/१२-१३, डा० मुखर्जी नगर
दिल्ली, तावादी 513 वर्ग फीट।

सुधीर चन्द्रा
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख : 10-6-83

मोहन

प्रस्तुत थाई, टी. एन. एस. —
 आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सुन्धन
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 9 जून 1983

निवेश सं० ए०पी०नं० 4372—अस: मुझे, जे० ए० ए० गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की धारा
 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह अन्तरण अन्तरण का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो बस्ती शेख
 जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
 में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 अकृत्तर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार
 मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 द्वायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: मध्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तु ८—

१. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गजन सिंह वासी
 बस्ती शेख जालन्धर। (अन्तरक)

२. (1) श्रीमती फूल कौर पत्नी निरंजन सिंह
 वासी एस० एन०-६१ शास्त्री नगर जालन्धर।
 (2) राधे श्याम मलहांडा पुत्र लोक नाथ
 वासी मुहूला सावन नगर नजदीक
 न्यू ग्रेन भार्किट जालन्धर।

(३) डा० मनजीत सिंह पुत्र दविन्द्र सिंह और

(४) श्रीमती जसविन्दर कौर पत्नी
 डा० मनजीत सिंह वासी ५०४ माइल ग्राम
 लूधियाना।

(५) हरजीत कौर पत्नी दविन्द्र सिंह वासी डब्ल्यू० एफ०-
 २१८ अली मोहल्ला जालन्धर।

(६) राजरानी पत्नी अमर सिंह वासी
 डब्ल्यू० एफ० २१८ अली मोहल्ला जालन्धर।

(७) अमर कौर पत्नी जरैल सिंह वासी
 बैंक साइड १८-ए, माइल हाऊस, जालन्धर।

(अन्तरिती)

३. जैसा कि उपर नं. २ में लिखा है
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकारी)
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना आगे करने पूर्वी सम्पत्ति के व्यवस्था के लिए
 कार्यान्वयिता शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्यवस्था के सम्बन्ध में कोई श्री श्रावेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
 दिन की अवधि या तात्प्रदन्ती व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित
 हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन ४ कनाल ३ मरले जो बस्ती शेख
 जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० ४५६६ दिनांक अक्टूबर
 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० ए० ए० गिरधर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : ९-६-१९८३
 मोहर :

प्रस्तु प्राइंटी एवं एड़—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जून 1983

निकेश सं० ए०पी० नं० 4373—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन सभी श्रायकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
प्राप्ति है।

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो गांव किगरां
में स्थित है (और इसमें, उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यालय में कभी
करने या उक्त बचन में सुविधा के लिए: घोरगा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे प्रलग्नितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

12—156 GI/83

1. श्री गुरतेग सिंह पुत्र भोग सिंह वासी
गांव किगरां तहसील जालन्धर द्वारा
जी० ग० मनजीन सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह पुत्र बचन सिंह वासी
गांव श्रीगंगाल जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिक्षी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानना है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके इकिन सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में बढ़ाए जाए तो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 5 मरले जो गांव किगरां
में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 4591 दिनांक अक्टूबर 1982
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर

सभी प्राधिकारी

सहायक श्रायकर अपूर्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

इकाय पाई १० दी ० दर ० एस ०-

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं ० ए ० पी ० नं ० 4377—यतः मुझे, जे० ए०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाषा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मोड मन्डी
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबो में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी बाद की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय मा किसी भत या अन्य अधिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधान
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-व अे, अनुसूची
में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

1. श्रीमती बचनों पुत्री पंजाब कौर विधवा
श्री मीन सिंह द्वारा चानन सिंह पुत्र जीरा सिंह
वाही मोड खुरद तहसील तलवंडी साबो ।

(अंतरक)

2. श्री वलैती राम पुत्र बनारसी दास, मोड मन्डी
श्रीमती कमलेण रानी पत्नी डा० जनक राज, मोड मन्डी,
विनोद कुमार पुत्र जसपाल, बागा पुराना
बलदेव सिंह दर्शन सिंह पुत्र करताल सिंह वासी
वि भाई श्रो फिरंजी नाल पुत्र राम कुण्ड
मोड मन्डी कुण्ड रानी पत्नी देश राज,
मोड मन्डी, देवकी देवी पत्नी तरसेम घन्द,
मोड मन्डी, दरशन कुमार पुत्र बीरबल दास और
जनक राज पुत्र बीरबल दास मार्कंत, तुलसी राम बीरबल
दास मोड मन्डी तहसील तलवंडी साबो,

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपर्कित है)

4. जो व्यक्ति सम्पर्कित में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपर्कित में हितबद्ध है)

वह यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पर्कित के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पर्कित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2130 दिनांक
अक्टूबर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी साबो में
लिखा है ।

जे० ए० गिरधर

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज. जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 13 जून 1983

निवेश सं० ए०पी० नं० 4378—यतः मुझे, जे० ए० ए० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोड़-
मन्डी में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंडी
साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विवास
करने का कारण है कि यथोपर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृदयमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य वासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यांकन के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धाति:—

1. गंगा सिंह उर्फ गंगा राम पुत्र हृषीदत्त सिंह
वासी रमन पती, मोड़ मन्डी, तहसील तलवंडी साबो।
(अन्तरक)

2. (1) भाग सिंह पुत्र बहिल सिंह मार्फत ई० ओ०,
म्युनिसिपल कमेटी मोड़ मन्डी तहसील तलवंडी साबो।
(2) बलराज पुत्र बाबू राम, आटा चक्की, मोड़
मण्डी। (3) कोशल्या रानी पत्नी पवन कुमार मोड़-मन्डी
(4) द्वया रानी पत्नी वर्षन कुमार। (5) ऊधम सिंह,
मौशर सिंह हिम्मत सिंह पुत्र हमीर सिंह वासी
मोड़-मन्डी तहसील तलवंडी साबो।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबुद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि चिलेक नं० 2139 दिनांक
अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी साबो में
लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत व्यापार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4379—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोड मन्डी
में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तालबंडी साबो में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केवल कृष्ण पुत्र हंसराज वासी मोड मन्डी
तहसील तलबंडी साबो ।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन लाल, जनक राज पुत्र बीरबल दास
मार्फत तुलसी राम बीरबल दास, मोड मन्डी,
तहसील तलबंडी साबो ।

(अंतरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पन्न तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2195 दिनांक
अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलबंडी साबो में
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

मृक्ष वार्ड टी.एल.एस.

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1983

निदेश मं० ए० पी० नं० 4380—यत; मुझे, ज० ए०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'चक्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मूल्य, विश्वास लिखित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मोड मन्डी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवंडी साबो में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रस को गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जिला राम पुत्र कुन्दन लाल वासी
मोड मन्डी तहसील तलवंडी साबो।

(अन्तरक)

2. श्री देसराज, तरंगेम चन्द्र पुत्र बीरबल दास मार्फत
तुलसी राम बीरबल दास, मोड मन्डी
तलवंडी साबो।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानकारी है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव:—

(क) इस सूचना के उपरान्त में द्रक्षयन की तारीख से
45 दिन की वृद्धि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वृद्धि वाले में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हितही व्यक्ति इषाएः।

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वर्ध व्यक्ति इषाएः अधोहस्ताक्षरी के पास
मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, कही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2199 दिनांक
अक्टूबर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी साबो में
लिखा है।

ज० ए० ए० गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 13-6-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत रत्नाल

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून, 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4381—यतः, मुझे, जे० ए८०
गिरधर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वि-
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, जो धा०
269-ब के अधीन वास्तव प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो फगवाड़ा में
स्थित है (और इसमें उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त अपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिकोण परीक्षण में, उक्त उचित अपत्ति का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय के कामों द्वारा की अन्य वास्तियों
को, जिन्हें प्रायतीय आयकर अधिनियम, 1925
(1925 का 11) या नवा अधिनियम, शः अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) प्र-
प्रदोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सरूप पुन भगत राम
मुहल्लातमाखु कोटा, भेहली गेट, फगवाड़ा।
(अन्तरक)
2. श्री हरभजन मिह पुन श्री मेहना सिंह गांव रहाल जटा,
तहसील भगवाड़ा।
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वार्ता व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 1715 दिनांक अक्टूबर,
1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

जे० ए८० गिरधर
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1983

निवेश नं० ए० पी० नं० 4382—यतः, मुझे, जे० ए८०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव मकान सूद पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तारकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ते हुई किसी आय की आवत्, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तारक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
आदृया

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनमत्तण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व ऊ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलबीर गिंह पुत्र श्री बंता राम, जी० ए०

गुरबचन कार पत्नी श्री चननसिंह वामी, चक जिन्दा,
तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री रघुबीर सिंह व नछन्तर सिंह पुत्र मरवन सिंह,
वासी मकान सूद पुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचित रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मुख्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4642 दिनांक
अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० ए८० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-6-1983

माहूर :

प्ररूप बाहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं. ए. पी. नं. 4383—यतः, मुझे, जे. ए. ल. ०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मक्सूदपुर
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर,

1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलबीर सिंह पुत्र बंता सिंह मुख्तियार आम श्रीमति
गुरबचन कौर पत्नी चाननसिंह, वासी
चक जिन्दा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी सरबन सिंह व सरबन सिंह
पुत्र जीवन सिंह, वासी मक्सूदपुर, तहसील
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में शक्ति रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी)
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मनुसंचार

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4586 दिनांक
अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे. ए. ल. ० गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रसूप आइ. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती सवित्री देवी पत्नी श्री ईश्वर चन्द्र
बासी आनंद आश्रम, बसंत गली,
खड़ खड़ी, हरिद्वार।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर दास पुत्र किशोरी चन्द्र
गली नं० 1, जैन नगरी, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में दृचित रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, औं भी
अवधि बाद में समाप्त होती हूँ, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का; जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्ततीति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2063 विनाक
अक्तूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

जै० एस० गिरधर
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आलन्धर

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई, टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 जून 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 5384—८९—यतः, मुझे, जे०
एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
नागरा में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और जन्तरक (अन्तरकर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाष्ठ, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसूच
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः :—

1. श्रीमती नसीब कौर पूर्णी श्री विशन सिंह वासी
गांव नागरा, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी जालन्धर प्रोप्रेसिव को० हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लिमिटेड जालन्धर द्वारा श्री सतीश कुमार
बोपड़ा को० लक्ष्मी स्टोर, क्लाश मर्केन्ट्स जाऊरा गेट,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी)
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो गांव नागरा में स्थित हैं। जैसा कि
विलेख नं० 4557, 4522, 4660, 4593, 4705, 4690
दिनांक अक्टूबर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-6-1983

मोहर :

प्रेस्प्र बाहौद. टी. एन. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 जुलाई 83

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4390 से 5502 तक —
यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके उपकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में दिया है तथा जो गांव नागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उक्त सम्पत्ति की गण्ड है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का उन्हें प्रतिष्ठित से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंतारी (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याता गया इति-फल निम्नालिखित सूचनाएँ से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी भन या वस्तु जास्तीयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के विषेषनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाला चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज जालन्धर

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र किशन सिंह वासी गांव नागरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) दी जालन्धर प्रोप्रैसिव कोओपरेटिव हाउस बिल्डिंग सक्योरिटी लि० जालन्धर द्वारा श्री सतीश कुमार चौपड़ा सक्रेटरी आफ दी सक्योरिटी को० सक्षी स्कोर, बलाथ मर्चेन्ट जाऊरा गेट जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरै करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रदत्त सब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 4556 दिनांक अक्टूबर 1982 7165 दिनांक फरवरी, 1983 और 4900, 4881, 4855, 4842, 4789, 4594, 4793, 4706, 4689 4659 दिनांक अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 14-6-83

मोहृ०

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 83

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4400 और 4410 —अतः
मुझे ज० ए८० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव नागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सत्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है कि किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गियान कीर विधवा हरनाम सिंह वासी
गांव नागरा तहसील जालन्धर
(अन्तरक)

(2) दी यूनिक कोपरेटिव हाऊस बिलिंडिंग स्कोरटी लिमिटेड
जालन्धर द्वारा श्री कमलजीत सिंह, प्रधन माक
दी स्कोयटी ईन्शोरेन्स आफिस, पटेल चौक
जालन्धर ।

(3) जैसा कि ऊपर नं० में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(5) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करसका हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो 'उस अध्याय में' दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो गांव नागरा में स्थित है जैसा
कि विलेख नं० 4497 अक्टूबर 1982 और 5628 दिनांक
नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा गया है ।

ज० ए८० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 14-6-83

मोहर ३

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 83

निर्देश सं. ए.पी. 4411—अतः मुझे जे.एल.०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मरहमालू में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के किए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजैब सिह गुरवीप सिह पुत्र सोहन सिह वासी
मरहमालू, तहसील, मुक्तसर

(अन्तरक)

(2) श्री मखन सिह पुत्र अर्जन सिह वासी कोटली
तहसील मुक्तसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(5) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोइ आक्षेप, यदि हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2237 दिनांक
अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने
लिखा है।

जे.ए.ल.० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख : 14-6-83

मोहर :

प्रसूच आई. डी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 83

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4412 —यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, अक्टूबर 1982

को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में किसी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; आरूप्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुखदेव चिह्न पुत्र जोगिन्द्र चिह्न वासी मकान नं० 2716, पत्ती पुजारीआ, मुक्तसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी प्रकाश व देव कुमार हंस राज पुत्र हुक्म चन्द्र वासी, मलोर,

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

बन्धुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख: नं० 2319 दिनांक अक्टूबर- 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 14-6-83

मोहुड़ :

प्रकृष्ट प्राइ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-बं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं० ए० पो० नं० 4413—अतः मुझे ज०
एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-बं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार है तथा
जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 82

के पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-बं के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-बं की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित मोहन भला पुत्र अमर दास मुख्तयार
मुरेश कुमार पुत्र ललित मोहन जौ-56 पी०
सज्ज टी० कालोनी जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) जगदीश चन्द्र पुत्र सोहन लाल वासी डब्ल्यू
अल० 309 बस्ती भुजां जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखः नं० 4908
दिनांक अक्टूबर 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा है।

• ज० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख : 15-6-83

माहर :

प्रस्तुप बाहौद. टी. एम. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 83

निर्देश सं. ए० पी० नं. 4414 —अतः मुझे जे०
ए० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर समाप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है और जिसकी

और जिसकी सं. निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार है तथा
जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1982
को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भी र
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद, उक्त
प्रधिनियम के अधीन बार बेने के अन्तरण के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
है लिए। प्रोटोटोपा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रम्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती तरा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उप-भारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ४-व

1. श्री ललित मोहन भल्ला पुत्र अमर दास
मुख्यार सुरेश कुमार पुत्र ललित मोहन
जी ५६, प्री० ए० ए० कालोनी, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल पुत्र सोहन लाल
वासी इव्हय० ए० ३०९, बस्ती गुजरात,
जालन्धर।
(अन्तरिती)

जैसा मं. २ में लिखा है।
जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्णीकृत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाद्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृतवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही ग्रंथ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वार्तालाली

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4909 दिनांक
अक्टूबर 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० ए० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप् आइ० टी. एन. एस. - - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4415—यतः मुझे, जे० ए० ल० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या निम्नलिखित अनुमूल्य के अनुसार है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी भन् या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-156 GI/83

1. श्री राम सरूप चानना पुत्र करतार सिंह वासी
सहदेव मार्केट जालन्धर
मुख्यारे खास श्री हरनाम सिंह पुत्र बूर सिंह
(अन्तरक)
2. श्रीमती दर्शन चानना पत्नी राम स्वरूप चानना
वासी सहदेव मार्केट जालन्धर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 विन् की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4982 दिनांक
अक्टूबर 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० ए० ल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 जून, 1983

मोहर

प्रूप आई. टी. एन. एस.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4416 —यतः मुझे, ज० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम आधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार हैं तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाद्वय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और बन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इकती भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भीतः :—

1. कुमारी राजवंश कौर पुनी आई जबरजंग सिंह
वासी मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्री संवीप सिंह अमन दीप सिंह पुन गुरमेल सिंह
और जगमोहन सिंह अमृत पाल सिंह स्पुत्र करनल
सिंह वासी कत्तन वाला तहसील मुक्तसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० में लिखा है
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2363
दिनांक अक्टूबर 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर
में लिखा ।

ज० एल० गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख 15-6-83

मोहर ॥

प्रस्तुत भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जून 83

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4417 —पतः मुझे, जै०
एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-से के अधीन संधार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और उस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी [—]

(1) श्री सतिन्द्र पाल पुत्र भाई जब्बर जेल सिंह
वासी मुक्तसर

(अन्तरक)

(2) श्री सन्दीप सिंह अमन दीप सिंह सुपुत्र गुरमेल
सिंह वासी कत्तनवाला तहसील मुक्तसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जातना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2364 दिनांक
अक्टूबर 1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

जै० एल० गिरधर
सम्म अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 15-6-83

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० ६० एस० आर/83-84/45—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह, आई आर एस
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ६० एक जायदाद है तथा जो तुंग बाला अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तिलक राज पुत्र इश दास पवन नगर
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनिन्दर जीत कौर पत्नी टिका नरिदर
सिंह 421 प्रेम नगर गुरदासपुर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक जायदाद जो तुंग बाला अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं० 11216/18-10-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख : 13-6-83
माहेन्द्र :

प्रकृति आई० ठी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जून 1983

निवेश नं० ए० आर एस० /83-84/46—यतः मुझे
हरदयाल सिंह आई आर एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधीक है

और जिसकी मं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कश्मीर
एवन्यू अमृतसर में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भभते यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपरि:—

(1) श्री मदन लाल पुत्र गुरदियाल मल पवन नगर
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिंदर सिंह पुत्र हरी सिंह टांगरा तहसील
वजिल अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो कश्मीरी एवन्यू अमृतसर में
है जैसा सेल डील नं० 11632 /28-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :— 10-6-83

मोहर []

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं. ए० एस० आर०/83-84/47—यतः मुझे
हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं.एक भूमि का प्लाट कश्मीर एवन्यू अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाम लाल पुत्र गुरदयाल मल पवन नगर
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुषपा रानी पत्नी अशोक कुमार शिवाला
रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं. 2 में कोई किराएवार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
किया गया है।

भूमि

एक भूमि का प्लाट जो टी० पी० सक्रीम नं० 53
कश्मीर एवन्यू अमृतसर में है जैसा ऐल डीड नं० 10927/2
7-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83

मोहर :

प्रकृष्ट वाहू, टी. पट., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जून 1983

निर्देश नं० ए० एस० आर०/८३-८४/४८—यतः मुझे,
हरद्याल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्रास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के द्वारा जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरजीत चंद पुन्र किशन चंद वासी तहसील
पुरा अमृतसर नीलम कांता पत्नी विजे कुमार
वासी 164 गरीफपुरा अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरजिन्दर कोर परित श्री दर्पन सिंह
पुन्र हीरा सिंह वासी भिखी विड जिला अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो मजीठा रोड अमृतसर में है
जैसा सेल डील नं० 11265/19-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में वर्ज है ।

हरद्याल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 1-6-83

मातृदूष

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जून 1983

निर्देश सं ए० एस० आर/83-84/49—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को प्रवर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री सुरजीत चंद पुत्र किशन चंद वासी तहसील
पुरा अमृतसर नीलाम कांता पत्ती बिजय कुमार
वासी 164 शरीपपुरा अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री दरशन सिंह पुत्र हीरा सिंह वासी भिखी विड
जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जसा उपर सं ० २ में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्वेक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त संबंधों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो मजीठा रोड अमृतसर में है
जैसा सेल डीड नं० 11264/19-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-6-83

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं० ८० एस० आर०/८३-८४/५०—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह, आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ८० एक जायदाद है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री सुरजीत चंद पुत्र किशन चंद वासी तस्सील
पुरा अमृतसर और नीलम कांता पत्नी विजय
कुमार वासी शरीमपुरा अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवंत कौर पत्नी सविर सिंह वासी
खोमकरन तहसील पटी जिला अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
अधिकारी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनसूची

एक भूमि प्लाट जो मजीठा रोड अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 11253/18-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83

मोहर :-

प्रकृष्ट प्राइंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/51—यतः भूजे,
हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक जायदाद है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अमुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के
अधीन तारीख अक्टूबर 82
को 'पूर्वोक्त' सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि वहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तर्लो) अ-
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत विविध में
वाईश्विक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी बात की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री सुरजीत चंद्र पुत्र किशन चंद्र वासी तहसील
पुरा अमृतसर और नीलम कांता पत्नी विजय
कुमार वासी शरीफपुरा अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री सविंदर सिंह पुत्र गुरबक्षण सिंह खोम
करन तहसील पटी जिला अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारा रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अन्तस्तूची

एक भूमि का प्लाट जो मजीठा रोड अमृतसर में है
जैसा मेल डीड नं० 11254/18-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83
मोहर ॥

श्रीमति नीलम कांता पत्नी चिजय कुमार वासी
दासी शरीफुरा अमृतसर और सुरजीत चंद
तहसीलपरा अमृतसर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 83

निर्देश नं० ए० इस० आर०/84-83/52—यतः सुन्धे
हरव्याल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
शुल्को पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की आय 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :--

(1) श्रीमति नीलम कांता पत्नी चिजय कुमार वासी
दासी शरीफुरा अमृतसर और सुरजीत चंद
तहसीलपरा अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति महिंदर कौर पत्नी हरदीप सिंह चौहान
कोट भगत सिंह अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विविध तर्जे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसर

एक जायदाद जो मजीठा रोड अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 11255/ 18-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

हरव्याल सिंह आई आर एस
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83

माहेश

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं. ए० एस० आर०/83-84/53—यतः मझे
हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
काइण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मजीठा रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूच्छी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्राप्ति:—

(1) श्रीमती नीलम कांता पत्नी विजय कुमार वासी
शरीफपुरा अमृतसर और सुरजीत चंद पुत्र
किशन चंद तहसीलपरा अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री हरदयाल सिंह चौहान पुत्र गुरबक्ष सिंह कोट
भगत सिंह अमृतसर

(अन्तर्ती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई कराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ओर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वार बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक जायदाद जो मजीठा रोड अमृतसर में है जैसा
सेल डोड नं० 11258/18-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है

हरदयाल सिंह आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 13-6-83

मोहृष्ट ॥

श्रृंग आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 3 जून 83

निर्देश नं० ए० एम० आर०/८३-८४/५४—यतः मुझे
हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो शास्तरी
नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में
और पूर्ण रूप है में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हैरू किसी आप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायित्व में कसी कल्पना या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री विजय सेन पुत्र बलवंत राय 32 रेस कोर्स
रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र शाम दास, रेशे कुमार
पुत्र बंसी लाल किला भंगियां अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है॥

अनुमूली

एक भूमि का प्लाट जो शास्तरी नगर अमृतसर में है
जैसा सेल डीड नं० 11523/25-10-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

हरदयाल सिंह आई आर एस
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : ३-६-८३

मोहर ॥

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जून 83

निर्देश नं० ए० एस० आर०/83-84/55—यतः मझे
हरदयाल सिंह आई आर एस
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो शासतरी
नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक
कर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारे:—

(1) श्री विजय सेम पुत्र बलवंत राय
32 रेस कोरस रोड अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री शाम दास बंसी लाल पुत्र कपोर चंद
किला भंगीया अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई कराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो शासतरी नगर अमृतसर में
है जैसा डीड नं० 11524/25-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है

हरदयाल सिंह आई आर० एस०

सभम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-6-82

मोहर :

प्रद्युम शाहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शाहू दुर्लाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जून 83

निर्देश सं० ए० एस० आर/83-84/56—यतः मुझे
हरदयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो गांव हेर
तहसील अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूमि
में और सूर्ण स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक, अक्टूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्त
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित
में वास्तविक छप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जाहू/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री गरमुख सिंह पुत्र बूर सिंह गांव हेर तहसील/
जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केमर कौर पत्नी चरन सिंह पुत्र दीदार
सिंह भरकुलर रोड मेटल हस्पताल अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मैं यह सूचना आती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूक्त छव्डों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 18 कनाट 13 मरले जो गांव हेर
तहसील/जिला अमृतसर में है जैसा सेल डीउ नं० 11327/
20-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह आई आर एस
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-6-83

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं० ए० प्र० आर/83-84/57—यतः मुझे हरवाल सिंह आई० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू परताप नगर अमृतसर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और नन्तारिती (नन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों को जिस्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपारे में सुविधा के लिए;

यतः वद उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरबंस सिंह पुत्र करतार सिंह वासी अजीत नगर अमृतसर सोहन लाल पुत्र रत्नजीत सिंह परताप नगर अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कुमारी पत्नी लखबीर सिंह, लखबीर सिंह पुत्र मोहन सिंह 95 ए न्यू तहसीलपुरा अमृतसर

(अत्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे [1]

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू परताप [नगर सुलतानपुर] अमृतसर में है जैसा की डीड नं० 11526/ 25-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

हरदयाल सिंह आई आर एस
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सत्ताधार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, हिन्दूनगर 13 जून 1983

निर्देश सं० एस० एस० आर०/83-84/58—यतः, मुझे,
हरदयाल सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कोट
खालसा अमृतसर में स्थित है (और हस्त उपायद्वारा अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं०, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरक (अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
बाट/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधासि :—

16—156GT/83

(1) श्री दीवान चंद कपूर पुत्र मुलख राज कपूर
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चंद पुत्र पुरन चंद वासी बेरका तहसील
व जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्वित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहें का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो कोई खालसा अमृतसर में है जैसा
सील डीड नं० 11636/28-10-82, रजिस्ट्रेशन अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83

मोहर :

मुक्त आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं. ए० एस० आर०/83-84/59—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति चिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कोई खालसा
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अक्तूबर 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्ष संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा प्राया शाया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम को जीने कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री दीवान चंद कपूर पुत्र मुलख राज कपूर
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बिशन चंद पुत्र सेवा राम
बोहका तहसील फाजिलका जिला फिरोजपुर
(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अर्धोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विवादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो कोट खालसा अमृतसर में है जैसा
से लड्डी नं. 11637/ 28-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में वर्ज है ,

हरदयाल सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीखः 13-6-83

मोहरः

प्रस्तुत आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. ए० एस० आर /83-84/60—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक जायदाद कोट खालसा अमृतसर
है तथा जो कोट खालसा अमृतसर में स्थित है (और इसे
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अक्टूबर
82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तराको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से काफित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्द निम्नलिखित आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कठी करने या उक्त संघर्ष में सुविधा
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ वन्त्रिती ब्वारा शक्त नहीं किया
जाय था या किया जाना जारीहै था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सोम नाथ पुत्र शंभू नाथ मोहनी पार्क सामने
खालसा कालेज अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी चरनजीत सिंह वासी
कूचा कबो बाग जलियां अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जेसा उपर सं. 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानका है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में यह ही खालेज

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वाले
स्थिति में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कोट खालसा कालेज अमृतसर में है
जैसा सेल डीड नं. 11638/29-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

हरदयाल सिंह, आई आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं० एस० आर० /83-84/61—यतः मुझे,
हरदयाल सिंह, आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो सुंग बाला
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमन कुमार पुत्र विद्वा प्रकाश
416 हृकम सिंह रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल सिंह पुत्र करतार सिंह गोपाल नगर
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएवार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

के भूमि का प्लाट जो सुंग बाला अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 11470 /22-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-83
मोहर :—

प्रेसप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं० ए०ग्र०आ०/८३-८४/६२—ग्रन्त: मुझे, हरदयाल
सिंह आइ० आर० ग्र०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रकाशन 'इकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर भैरवीत, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संभास एक भूमि का प्लाट है, तथा जो ईस्ट मोहन नगर
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर, 1982

को प्रबोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि इथाप्रबोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर रखने के अन्तरक और
धारायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ल) गंसी किसी भाव या किसी भत या अन्य वास्तवियाँ
या जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या इकत अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री सरवन सिंह पुत्र जगत सिंह
प्रितपाल सिंह पुत्र सवरन सिंह
286 ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वाँ यह सूचना आरी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर इकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 11309/20-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आइ आर एस
संशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13 जून 1983

मोहर :

प्रस्तुति, आइ. टी. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज., अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जन 1983

निर्देश नं. ए० एस० आर०/८३-८४/६३—यतःम्, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
व्यक्ति को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है

और जिसकी संभावा एक जायदाद है तथा जो तुंगबाला
अमृतसर में स्थित है (और इस से उपावद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1982
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रति-
फल के लिये अन्तरिक्ष की गई है प्रौरुषे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वकता पृथमान ना उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और घटारक (प्रस्तारकों) प्रौरुषे घटारिती (अन्तरिक्षियों)
के द्वीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिये तय प्रमाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरिक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरिक्ष ने ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में
कभी करने या ससंबंधित में सुविधा के लिए।
प्रौरुषे

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरिक्ष
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र गुरदयाल मल पवन नगर
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री देश राज पुत्र लालचन्द गांव हरदो झन्डे
तहसील बठाला, जिला गुरदासपुर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं. 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोइस्ताक्षरों
जानकारी है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जों के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जों के सम्बन्ध में कोई भी व्यापार :—

(क) इस सूचना के राजवादे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजवादे प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरों के पास
निवित में लिए जा सकें।

स्थावरण :—इस प्रमुख शब्दों प्रौरुषों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याय होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक जायदाद जो तुंग बाला अमृतसर में है जैसा सैल
डीड नं. 11695/29-10-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह आइ. आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. अमृतसर

तारीख : 13-6-83

मोहर :

सूक्ष्म वाहन दीप्ति एवं एवं

(1) श्री राम बुध निवेदी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री शिव प्रसाद जायसवाल
श्री देवी प्रसाद जायसवाल ।

भाग 269-ग (1) के विवर सूचना

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एस०-262—अतः
मुझे, ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या आराजी भूमिधारी नं० १ एम० है तथा जो
मौजा मुस्तकाबाद मुनक्समा उपरहार परगना चायल, इलाहाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 15 अक्टूबर, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(३) अन्तरण से हटा किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के विवर कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उक्त संबंध में सूचित
के लिए; और/वा

अनुसूची

(४) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचित के लिए;आरजी भूमिधारी नं० १ एम० पैमाईश 211.35
स्केयर मीटर, मौजा मुस्तकाबाद, मुनक्समा उपरहार, परगना
चायल, जिला इलाहाबाद में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण
सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 6338/82 में वर्णित है जिसका
पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, इलाहाबाद के कार्यालय में किया
जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधारू :—

तारीख : 3-6-1983

मोद्दर :

प्रस्तुप मार्फ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1983

निवेश सं० ए० आर० 2/37-ई०-2/82-83--अतः
मुझे, एम० एच० अब्बास अविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 4, जूह प्रिसेस को-आप० जूह, चौपाटी
के सामने स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु :—

(1) 1. श्री एम० इकबाल अजीज

2. कु० हफीजा हशम।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अलाउद्दीन चौधरी

2. श्रीमती अलमाबी अलाउद्दीन चौधरी।

(अन्तरिती)

(3) जे० के० केटरर्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपर्क है)

(4) जे० के० केटरर्स।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी)
जानता है कि वह संपत्ति में हितदृढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
तिथित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 4 जूह प्रिसेप की-आप० हाऊसिंग सोसायटी
लिमिटेड, जूह चौपाटी के सामने, बम्बई-400049।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका श० 2-6-82-83
और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-82
को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एच० अब्बास अविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-6-1983

मोहर :

प्रसूत आर्फ़. टी. एन. एस.

(1) मैसर्स रिक्षदी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) बोंद्रा निकोलस को-आपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड
अन्तरिती के सोसायटी के सदस्य ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1983

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

निवेश सं० ए० आर० /2-3446/82-83—अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्बिदी,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० एस० नं० 282, सी० टी० एस० नं० सी०/
1287 है तथा जो बांद्रा में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एस० इस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मू-
षास्त्राविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ल) इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यांकन के लिए।

जैसा कि विलेख सं० 533 और जो उप-रजिस्ट्रार,
बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-82 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

एस० एच० अब्बास अब्बिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री गोपाल दाम संवत्सर मेहरा और अन्य ।
 (अन्तरक)

(2) गोपाल विजय को—आपरेटिव द्वारा असिंग
 सोमार्टी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 8 जून 1983

निदेश सं० ए० आर०-2/3396/82-83—अतः मुझे,
 एस० एच० अब्बास अब्दी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1168, एस० नं० 18-ग, है
 तथा जो कांदीबली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन, तारीख 11 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अंतरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
 सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-1927/80 और
 जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-82 को
 रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी
 संक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-6-1983
 मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० ए० आर०-2/3395/82-83—अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट नं० 468 है तथा जो बांद्रा में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11 अक्टूबर, 1982.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्दू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में व्यास्तिक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब; उक्त अधिनियम की भारा 269-व (1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वीना कल्ट्स्ट्रक्शन कं०।

(अन्तरक)

(2) नव-चिक्कूट अपार्टमेंट्स को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोष्यताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम न अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० आर०-4513/72 और
जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-82 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना ,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई .

बम्बई, दिनांक 7 जून 1983

निवेदण सं० ए० आर०-1/4777/83-84—अतः मुझे,
आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० ए० सं० नं० 1359 आंफ गिरगांव डिवीजन
है तथा जो सरदार बलभाई पटेल रोड, में स्थित
है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता था ही था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. लीलावन्ती एल० भक्त
- 2. मान सिंह एल० भक्त
- 3. नन्द कुमार एल० भक्त
- 4. रमिला एम० भक्त
- 5. रसिक लाल एन० भक्त
- 6. मनीष एन० भक्त
- 7. आषीष एल० भक्त ।

(अन्तरक)

- (2) 1. प्रदीप जे० जब्हेरी
- 2. पंकज जे० जब्हेरी
- 3. परेश जे० जब्हेरी
- 4. समीर जे० जब्हेरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील हो 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई/2040/80 और जो उप—
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 7-10-82 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

(1) सैफिटनेट कर्नेल बी० जे० आनन्द,
पृष्ठ० सी० सी०,
ग्रुप एच० ब्यू० 93 डी०,
साकेत, मेरठ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० चण्डी०/१६७/८२-८३—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लाट नं० 1232, सैक्टर 34 सी है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अक्टूबर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल के
पांद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दावित में कभी क्रमे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र
श्री करतार सिंह व
श्रीमति कमलजीत कौर पत्नी
श्री भूपिन्दर सिंह,
वासी 1439, सैक्टर 22 डी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू
करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हुतबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 1232, सैक्टर 34 सी, चण्डीगढ़ में
है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय विलेख संख्या 1069, अक्टूबर, 1982 में दर्ज
है।)सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आईटी.एन.एस. -----

आमंत्रण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत खरड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून 1983

निवेश सं० खरड़/26/82-83--अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आमंत्रण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 864 फेज-III-बी२ मोहाली है
तथा जो मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (लंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदादेश्य से उत्तर अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कभी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था और किया जाना चाहिए था लिखने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ता है—

(1) श्रीमती जे० के० निजाबन पत्नी
श्री एस० के० निजाबन,
मकान नं० 108,
फेज 2, मोहाली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कौर चौधरी
पत्नी श्री जगमोहन सिंह बकील,
वासी बस्ती पठारना,
तहसील सरहिंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजल के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजल के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

पृष्ठोंकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं,
वर्ती अर्थ लोग जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 864, फेज-III-बी२, मोहाली में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 3389, अक्टूबर 1982 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 13-6-1983

माहूर

प्रस्तुप बाहू, टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० चण्डी०/168ए/82-83—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1396, सैक्टर 34 सी है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः पृ. उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
करण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों घर्षतः:—

(1) श्री कमर नरिन्दर सिंह
पुत्र कमर शमशेर सिंह व
श्रीमती चरननरिन्दर सिंह पत्नी
कमर नरिन्दर सिंह,
वासी 1573 सैक्टर 33 डी,
चण्डीगढ़ मार्फत अटारी
श्री बलविन्दर सिंह बराड़ पुत्र
श्री सरवन सिंह,
वासी 3072, सैक्टर 22 डी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह पुत्र
श्री आशा सिंह व
श्रीमती परमजीत कौर पत्नी
श्री करनैल सिंह,
वासी 34 लिडर रोड,
नेथौलड मिस,
लन्दन (प्र० के०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में लिखा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1396, सैक्टर 34सी, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख सं० 1075, अक्टूबर, 1982 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-6-1983

माहूर :

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

आदेश सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं. चण्डी०/173-बी/82-83—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस० सी० ओ० प्लाट नं. 183 है तथा जो
सैक्टर 37सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री नैनिहाल सिंह पुत्र
श्री हरी सिंह, मुरिन्दरपाल सिंह पुत्र
श्री चनन सिंह, कुपाल सिंह पुत्र
श्री चरणजीत सिंह,
जसपाल सिंह व
श्री हरिन्दर पाल सिंह पुत्रान
श्री नैनिहाल सिंह,
वासी मकान नं० 447,
सैक्टर 37, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) ले० कर्नल अमृतपाल सिंह ग्रेवाल व
मेजर गजिन्द्रपाल सिंह ग्रेवाल,
पुत्रान श्री पृथ्वीपाल सिंह ग्रेवाल,
वासी मकान नं० 3141,
सैक्टर 21-डी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय, विलेख सं. 991, अक्तूबर, में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) वे प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० खरड़/29/82-83—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 825 (जिसका क्षेत्रफल 500
वर्ग गज) है तथा जो फेंज III, बी-1, मोहली, तहसील खरड़
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—156GI/83

1. श्रीमती प्रीतम कौर पल्ली
श्री दलजीत सिंह मान, वासी
1072, सैकटर 43, चण्डीगढ़,
मारफत अटारनी श्रीमती नरेंजन कौर पल्ली
श्री सुरिन्द्रसाल सिंह, पुत्र
श्री गुरबचन सिंह, वासी
3000 फेंज 7, मोहली तहसील खरड़।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र पाल सिंह सोही पुत्र
श्री गुरबचन सिंह, वासी
3000 फेंज 7, मोहली तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
मर्या है।

अनुसूची

प्लाट नं. 825 फेंज 3, बी-1, मोहली तहसील खरड़ में
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के
कार्यालय के लिए तथा धन-कर अधिनियम, 1957 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) 1. श्री अनिल डे

2. श्री अरुण डे वलदान

स्व० विशेषवर डे,

निवासी नवीन कोठी,

अशोक राज पथ,

चौहटा, थाना पिरवहोर,

पटना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 जून 1983

निदेश सं० 111/768/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1216, सीट नं० 81, 82,
म्यूनिसिपल हो० सं० 48 (नया) 44 डी०, सक्किल नं० 25
है तथा जो चौहटा, अशोक राजपथ, पटना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) 1. श्रीमती उमिला देवी पुत्री

स्व० पन्ना लाल सिन्हा,

निवासी विहारी साव लेन,

मुराद पुर, थाना पिरवहोर,

पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 17 1/2 धुर साथ में मकान जो
मोहल्ला चौहटा, अशोक राज पथ, थाना पिरवहोर, शहर
पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 9507
दिनांक 20-10-82 में वर्णित है तथा जिसका निवंधन
जिला अवर निवंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न
हुआ है ।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 14-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति आदृ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 जून 1983

निवेश सं० 111/767/अर्जन/83-84—अतः मुझे,

प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एवाट नं० 1216, सीट नं० 81, 82
म्युनिसिपल हो० सं० 48 (नया) / 44 डी, सर्किल नं० 25 है
तथा जो चौहटा, असांक राजपथ, पटना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

19-10-1982
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य मासितयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अनिल डे,
(2) श्री अरुण डे वल्लान—
स्व. विशेषवर डे, निवासी—
'नवीन कोठी', अशोक राज पथ,
चौहटा, थाना पिरबहोर,
पटना।

(अन्तरक)

- (2) मौ० रेशमा देवी जौजे
स्व० क्षुमन साव,
निवासी/मोहल्ला बनियापट्टी,
थाना मोतीहारी,
शहर मोतीहारी,
जिला पूर्वी घम्पारण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के द्विष
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

ल्पणीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

जमीन जिसका 17 1/2 धुर साथ में मकान जो मोहल्ला
चौहटा, अशोक राज पथ, थाना पिरबहोर, शहर पटना,
जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं०
9463 विनांक 19-10-82 में वर्णित है तथा जिसका
निवंधन जिला अवर निवंधक प्रदायिकारी, पटना के द्वारा
संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 14-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री० एन० एस०
आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० III/765/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सत्रम विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 62 ब्लाक नं० 4 बी, थाना नं० 4
वार्ड नं० 12 है तथा जो राजेन्द्र नगर रोड नं० 8 बी,
पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप
से विभिन्न है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर, 1982

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तरक (प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिए के अन्तरक के दायित्व में
कमी करन या उसने बचने में सुविधा के लिए;
जौरपूर्य

(ख) इसी किसी ग्राम या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने
में सुविधा के लिए ;—

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मिरिगेद्र समादार वल्द
स्व० माखन लाल समादार,
मोहल्ला थाना कदमकुंआ,
शहर पटना, जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार अग्रवाल वल्द
श्री नरसिंह दास,
मोहल्ला राजेन्द्र नगर रोड,
नं० 8 बी, थाना कदमकुंआ,
शहर पटना,
जिला पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के बीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

संबोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वह
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 137 1/4 स्क्वेयर यार्ड साथ में
मकान जो मोहल्ला राजेन्द्र नगर, रोड नं० 8वीं, थाना कदम
कुंआ शहर पटना, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण
रूप से वसिका सं० 8915 दिनांक 4-10-82 में वर्णित है
तथा जिसका निवंधन जिला निवंधक पदाधिकारी, पटना द्वारा
संपन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रसूत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 जून 1983

निदेश सं० 111/766/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार द्वाबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन लक्ष्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 128, सीट सं० 3, हो० सं०
11/18 सर्किल नं० 5, वार्ड नं० 1 है तथा जो म्यूजियम रोड
के पौछे पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 20 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित कीं गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् ५—

(1) श्रीमती अंजली बोस जौजे
ले० कर्नल आर० एन० बोस
निवासी ई-5/6, पूर्वसा
पोस्ट मानिक टोला,
थाना मानिक टोला,
मेन रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती देवी जौजे
श्री महेश्वर प्रसाद सिंह,
श्री मुरारीजी पिता
श्री महेश्वर प्रसाद सिंह,
ग्राम खाशपुर पोस्ट सदिशोपुर,
थाना नौवत पुर,
जिला पटना
वर्तमान पता : प्लाट नं० 8,
सहदेव महतो मार्ग,
श्री कृष्णा पुरी, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वार्ट भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 2 कट्ठा 17 धुर और 18 धुरकी
की साथ में पक्का दो मंजिला मकान जो म्यूजियम रोड के पीछे
है शहर पटना, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वेसिका
सं० 9526 दिनांक 20-10-82 में वर्णित है तथा जिसका
निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी पटना द्वारा संपन्न
हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वाबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.डी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कर्व रोड पुणे-411004

पुना-411004#, दिनांक 27 मई 1983

निदेश सं० सी० ए०-५/८७१ एन० आर० हवेली/
४३-४४—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गट नं० 112, सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 1, गोप्टे बुद्रुक तालुका हवेली तथा जिला पुना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्घम निवंधक हवेली, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ले दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री विनायक घोड़े देण पांडे
2/98, मुकुंद नगर,
पुना-37।
- 2. श्री लुकाराम शंकर भेट,
101 शनिवार पेठ,
पुना-30।
- 3. श्री विद्याधर वासुदेव जोशी,
188/2 शनिवार पेठ,
पुना-30।

(अन्तरक)

- (2) नलन सहकारी क्रषि फलांत्पादक संस्था (नियोजित),
चीफ प्रमोटर :
श्री हसमुख शिव भाई पटेल,
34 आदित्य, 501 रास्ता पेठ,
पुना-11।

(अन्तरक)

मेरे मह सूचना धारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

बर्बन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षपेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृत-बद्ध किसी भन्द व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गट नं० 112, (सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 1, सब हिस्सा नं० 3) आउट पोस्ट गोप्टे बुद्रुक तालुका हवेली, जिला पुना। जिसका क्षेत्र 1 हेक्टेयर .4 आर है।

(जिसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख अम 4876 जो अक्टूबर, 1982 को दुर्घम निवंधक हवेली-। पुना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पुना

तारीख : 27-5-83]

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 मई 1983

निवेदण सं. सी० ए०-५/८६९ एम० आर० हृष्टेली/
४३-४४—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संवेदन नं. 65, पोस्ट खड़कवासला तालुका
हृष्टेली है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दुर्घम निबंधक हृष्टेली-1, पूना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट निरीक्षण की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य अस्तित्वों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगिनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती विद्या विनायक देशपांडे
2/98, मुकुन्द नगर,
पूना-37।

(अन्तरक)

(2) नन्दनवन महाकारी कृष्ण
फलोत्पादक संस्था (नियोजित)
चीफ प्रमोटर :
श्री हंसमुख शिवभाई पटेल,
34, आदित्य 501,
रास्ता पेठ, पूना -11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भौं हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि संवेदन नं. 65 पोस्ट खड़कवासला, तालुका हृष्टेली,
जिला पूना जिसका क्षेत्रफल 74.87 है। आर० है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4620 तारीख
अक्टूबर, 1982 को दुर्घम निबंधक हृष्टेली-1, पूना के
दफ्तर में लिखा है)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 27-5-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना-411004

पुना, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० सी० ए०-५/८९ ३/एस० आर०/८३-८४—

अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मीजे ऐनसपूर, गट नं० 125, तालुका
श्री रामपूर है तथा जो जिला अहमद नगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्यम निबंधक, श्रीरामपूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे है दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चवांशी प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जानुर वजीर शेख

2. महिदू जानुर शेख

3. श्रीमती ए० बी० शेख

4. शहजादी साहेबअली शेख

नं० 1, 2 और ४ का पता :

ऐनत पूर, तालुका श्रीरामपूर,

जिला अहमद नगर।

नं० 3 का पता :

शहर श्रीरामपूर,

भेदार बस्ती,

जिला अहमद नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री महंत प्रसाद राम निहोर यादव,

वार्ड नं० 6,

शहर श्रीराम पूर,

जिला अहमद नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भागेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मीजे ऐनत पूर, सेल जमीन गट नं० 125 तालुका
श्रीरामपूर, जिला अहमद नगर।

जिसका क्षेत्रफल 2-59 रें 0 आर० है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम 1741 अक्टूबर,
1982 को दुर्यम निबंधक श्रीरामपूर के दफतर में लिखा
है।)

शशिकांत कुलकर्णी
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 31-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयदल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना, दिनांक 3 जून 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/1983-84/128—
अतः मुझे, शिक्षिकांत कुलकर्णी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, पहला माला सं० नं० 291
हिस्सा नं० 3, फ्लैट नं० 14, क्षेत्र 600 स्क्वे० फीट है,
तथा जो जिना थाणा में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नं० 222 तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अत्तरक (अन्तरण) और अन्तरिती
(अन्तरीरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाणा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से ह्रास किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1007 ता 27) को
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—156GI/83

(1) मैं० दिल्ली कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
5-6, राधा सदन टिक्क रोड,
घाट कोपर,
बम्बई-77।

(2) श्री प्रबोध गजानन, पाटणकर,
16, लक्ष्मी निवास नं० 2।

(अन्तरक)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के सिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102 पहला माला रुम नं० 291 हिस्सा नं०
3, फ्लैट नं० 14, क्षेत्र 600 स्क्वे० फीट।
(ठाकुरी गांव ना० कल्याण जिला थाणा।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विनेख मं० 222 ता० अक्टूबर,
1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना.

तारीख : 3-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 मई 1983

निदेश सं० सी० ए०-५/३७ ई०/८३-८४/१२५—अस्तः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है
कि इवावर सम्पत्ति, त्रिवक्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट-नं० 301, विलिंग नं० 1, सी० सं०
नं० 1/डी, बी० जे० रोड, कैप, पूना-1 है तथा जो पूना-1
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नं० 262 तारीख 30 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) भीर
प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नस्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रारूप्या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसूचण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति ८—

(1) लैंड मार्क कन्स्ट्रक्शन कंपनी,
सुरेखा अपार्टमेंट्स,
सतारा रोड,
पूना-9।

(अन्तरक)

(2) 1. शंकर जी० मिरपुरी
2. परमेश्वर जी मिरपुरी,
दोनों का पता :
713, भवानी पेठ,
पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आझेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरकरण:—इमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्यंत होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 301, विलिंग नं० 1 सी० सं० नं० 1/डी,
बी० जे० रोड, कैप, पूना-1।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 262 ता० अक्टूबर 1982
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना
के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-5-1983

मोहृषि ४

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. ——————

(1) श्रीमती महारानी साहिता प्रभाराश्यसंश्मी
महाराजा लोकेन्द्र सिंह साहित्य
रत्नाम राज्य लोकेन्द्र भवन,
रत्नाम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

(2) मैसर्स माधोप्रसाद कावज एण्ड क०,
स्टेशन रोड,
रत्नाम ।

(अन्तरिक्षी)

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3642—अतः

मुझे, देवप्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
‘25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नम्बर 181/2/2 है तथा जो
ओसी गांव, रत्नाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्ष्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपथारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भासूची

भूमि हस्का नं० 22, खसरा नं० 181/2/2, ओसी गांव,
रत्नाम में स्थित है।

देवप्रिय पत्त
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री निलेश्वर, और्ध्वी मंजिल,
टी.टी. नगर, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप ब्राह्म. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1983

निवेश सं० आई० प० सी०/अर्जन/भोपाल/3643—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 7 है तथा जो नादिर कालोनी,
शिमला कोठी, श्यामला हिल, भोपाल में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनसूची में और पुणे रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हार्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री साहिवजादा यावर रणीद पिता
रशीदुज्जफर।
- 2. वेगम मुरेया रणीद पत्नी
श्री रशीदुज्जफर।
- 3. साहिवजादी महाबानों पुत्री
रशीदुज्जफर।
- 4. नादिर रणीद पुत्र
श्री रशीदुज्जफर।
- 5. साहिवजादी नीलोफर पुत्री
श्री रशीदुज्जफर।
निवासी समस्त शिमला कोठी,
भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) श्री शमसुल हमन आरिफ पिता
श्री हकीम एस० कस्मलहसन,
निवासी नदीम रोड,
भोपाल।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाहियां करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उदत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अपौर्वकाक्षरी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 7, नादिर कालोनी, शिमला कोठी (शिमला
हिल्स) भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल.

गंगोत्री बिल्डिंग, बौधी मंजिल,
टी. टी. टपर, भोपाल

तारीख : 30-5-1983
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. - - - - -

माध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मई 1983

निवेश सं. आई. ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3644—अतः

मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 23 है तथा जो नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में गिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्टूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता :—

(1) श्री साहिबजादा याघर रणीद

पिता स्व० नबाबजादा रणीदुरुजकर खान
स्वयं एवं मु० आम वास्ते बेगम सुरेया रणीद,
साहिबजादी महबानों,
नादिर रणीद व नीलोकर,
निवासी श्यामला हिल्स,
भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुभाष चन्द्र लालवानी
पिता एस० एम० ललवानी,
निवासी चौक, भोपाल ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि प्लाट नं. 23, नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है ।

देवप्रिय पत्त

सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, जैथी मंजिल,
टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 31-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3645—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 है तथा जो नांदिर कालोनी,
श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबंध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साहिब जाशा याचर रशीद पिता

नबाबजादा।

रणजितुर्जफर खुद व मुख्तार आम :

1. सुरेया रशीद

2. महबूबानी

3. नादिर रशीद

4. नीलोफर

निवासी शिमला कोडी,
भोपाल।

(अंतरक)

(2) श्री जै० एस० वालिया पिता

श्री मनजीत सिंह वालिया,

निवासी ईदगाह हिल्स,

भोपाल।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नंबर 17, नांदिर कालोनी, शिमला
हिल्स, भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पत्न

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 30-5-1983

मोहर :

श्रेष्ठ वाहौदी.एन.एस.

ग्रामकर प्रबिलियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 31 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3646—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इहके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड क्रमांक 16 है तथा जो नादिर कालोनी,
श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
क्षम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, की अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साहिबजादा यावर रशीद पिता
स्व० नवाबजादा रशीदुज्जफर खान साहिब
स्वयं एवं मु० आमबास्ते
बेगम सुरेया रशीद साहिबजादी महाशानों पुत्री
स्व० नवाबजादा रशीदुज्जफर साहिबजादा
नादिर रशीद पुत्र स्व० नवाबजादा खां रशीदुज्जफरखां
साहिबजादी नीलोफर पुत्री
स्व० नवाबजादा रशीदुज्जफर खां ।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द कुमार ललवानी
पिता एस० ललवानी,
निवासी चौक, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वै पाल
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड क्रमांक 16, नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स,
भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी.टी. नगर, भोपाल

तारीख : 31-5-1983

मोहर :

प्रृष्ठा आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3647—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 124 पर बना हुआ मकान है
कथा जो गांधी नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पंशु
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वर लाल पिता
वर्यमलजी झामरानी,
निवासी-124 सी,
स्पेशल गांधी नगर,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती गंगाबाई पति
श्री लक्ष्मी नारायण वर्मा,
2. श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा पिता
श्री मार्गीलाल जी वर्मा,
निवासी म० गा० मार्ग,
देवालपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि व प्लाट नं० 124 पर बना हुआ मकान, स्पेशल
सी श्रेणी, गांधी नगर, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध. टी. एन्. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री रामचन्द्र राव बल्द
श्री गोपाल राव,
निवासी—सुन्दर नगर,
रायपुर बंगलौर।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश नं० आई० ग० सी०/अर्जन/भोपाल/3648—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० जमीन ख० नं० 282 का भाग है तथा जो
नमांडीह, रायपुर में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापवाक्त मंदिर का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की गई है :—

(क) अन्तरण से हूँ रुपये किसी आय को बांधते, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—156GJ/83

(2) श्री मानक लाल बांटिया व
चम्पा लाल बांटिया,
निवासी—सिविल लाइन,
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि ख० नं० 282, नमांडीह हूँ० नं० 113, मंडल
रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित है।

अनुसूची

देवप्रिय पत्त
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं । आई ० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/३६४९—अतः

मझे, देवप्रिय पत्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं । भूमि है तथा जो शंकर नगर, रायपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कन्दैया लाल
वल्द श्री फिरतू सतनामी,
निवासी—मौजा शंकर नगर,
तहसील व जिला—रायपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अनंदकुमार वल्द भगवान दास
2. सेवकराम वल्द जसाराम
3. मुधरमल वल्द हीरानन्द
4. लाजवन्ती बाई जौजे
भागचन्द गुरनानी,
निवासी तेलीबंधा,
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

भूमि, जो मौजा शंकर नगर प० ह० न० 110 रा०
नि० म० रायपुर, तहसील व जिला—रायपुर में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित कार्य न० 37-जी में निहित है।

देवप्रिय पत्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 2-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस. -----

(1) श्री राजकुमार वल्द
श्री बुलाको दास नरथानी,
निवासी सदर बाजार,
रायपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1983

(2) श्री गौरी शंकर वल्द
श्री बालचन्द्र चाहंक,
निवासी—सदर बाजार,
रायपुर।

(अन्तरिती)

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3650—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० परिवर्तित भूमि सं० ख० न० 340/1 है तथा जो
रामसागर पारा वाड़, रायपुर में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अंतरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आकोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

परिवर्तित भूमि ख० न० 340/1, रामसागरपारा वाड़
रायपुर में स्थित है।

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3651—अन्तर्क्रिया के देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 35/1, 36, 35/2 है तथा जो ग्राम बरहरी, तहसील महू में स्थित है (और इससे उपादेश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री टीकमचन्द पिता सुवालाल जी
2. दाऊद
3. हुसेन अली पिता गुलाम अब्बास अली
4. मुरज्जसाद पिता मोती लाल जी
- निवासी—मुराई भोहला,
संयोगिता गंज,
इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती नन्दिवाई पति
बालाराम जी मुकाती,
निवासी—खजराना,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० न० 35/1, 36, 35/2, ग्राम बरहरी, तह० महू में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-5-1983

मोहर :

प्रकृष्ट बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3652--

अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 33, 35/1, 37 और 38 है
तथा जो ग्राम बरहरी तहसील महू में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हंडीरमें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11 अक्टूबर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री टीकम चन्द पिता सुवालाल जी
2. दाउद पिता दलजी
3. हुसैन अली पिता गुलाम अबास अली
4. सुरज प्रसाद पिता मोती लाल जी
निवासी—मरारी मोहल्ला
संघोगिता गंज
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमाकुमारी बाई पति
हरी नारायण जी मुकाती
निवासी—खजराना
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 33, 35/1, 37 और 38, ग्राम—बरहरी
तहसील—महू में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 30-5-1983

मोहर ॥

प्रस्तुप. नाई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री जमशेदजी अल्लावेलो,
निवासी—फरेडन 1/8,
पारसी मोहल्ला,
इंदौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं. आई. ए. सी०/अर्जन/भोपाल/3656--

अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन व उस पर बना हुआ मकान है तथा
जो आगरा-बाम्बे रोड, संयोगिता गंज, इंदौर में स्थित है
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
19 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त सम्पत्ति
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे छचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री महेश सार्वजनिक ट्रस्ट संयोगिता गंज,
इंदौर
तरफे अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गिलड़ा
पिता ओंकार लाल जी
निवासी—स्लैह नगर,
इंदौर -

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि मूलनियिपल क्र० 2 जो पारसी मोहल्ला संयोगिता
गंज आगरा, बाम्बई रोड, इंदौर में स्थित है। तथा उस
पर निर्मित मकान इत्यादि। यह वह स्थावर संपत्ति है
जिसका विवरण अन्तरिक्ती द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37-जी
में निहित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज; भोपाल

तारीख : 30-5-1983

मोहर :

इस्तम्भ नामः डॉ. एड. पटे।
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की।
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत वरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल
 भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3657—अतः
 मुझे, देवघिय पत्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है।

जिसकी सं० प्लाट नं० ख० नं० 502 एवं कक्षा मकान
 म्यूनिसिपल नं० 71 एवं 69 है तथा जो मौजा कोलगंवा
 कवारी टोला वह० सतना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अक्टूबर, 1982
 को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रुश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उपलेख ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कानूनी नहीं किया जाता है।

(अ) अन्तरण वे हैं किसी बाद की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
 कही करने वा उक्त उक्त वरने में दृष्टिका के लिए;
 और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री लालचन्द पिंडा
 गढ़ मल, कोलगंवा
 निवासी—कवारीटोला,
 सतना।

(अन्तरक)

(2) श्री विलबाग मिह पिंडा
 बूटामिह मतना,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लाट, ख नं 502 एवं कक्षा मकान म्यूनिसिपल नं 71
 एवं 69 मौजा कोलगंवा कवारीटोला, सतना में स्थित
 है।

देवघिय पंत
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3658—अत
मुझे, देखप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान एवं मकान, जो ख० नं० 495/11 एवं
495/7 के हैं तथा जो क्वारी टोला, कोलगांव, सतना में स्थित
हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लालचन्द्र
- 2. श्री मंद्यामल दोनों पुत्र
दिल्लूमल,
निवासी—क्वारीटोला,
कोलगांव,
सतना।

(अन्तरक)

- (2) श्री दिलबाग सिंह तनय
श्री बूटा सिंह,
निवासी—सतना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान एवं मकान जो प्लाट ख० नं० 495/11 एवं
495/7क, मौजा क्वारीटोला, कोलगांव, सतना में स्थित
हैं। मकान नं० 72 है।

देखप्रिय पन्त
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

सोहर :

प्रधन श्री, दी. एन. एस. ---
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के संधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3659—अतः
 मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें डिजे रखा है 'उन्न प्रशिनियम' रहा गया है), की
 धारा 269-व के १००८० मध्य पासिकारी और, यह विश्वास करने
 का लाला है ति इथावर मध्यनि. विषयक उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि ख० नं० 829, 830 तथा 831
 है तथा जो सतीपारा, अम्बिकापुर में स्थित है (और इसमें
 उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी
 अधिकारी के कार्यालय, अम्बिकापुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23
 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथ्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे इथ्यमान प्रतिफल का
 अन्तर्गत प्रतिशत न हो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस
 में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिस धन या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 192
 (192 का 11) या उक्त आधारन्यम
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहा-
 किया गया था या किया जाना चाहा जा-
 यानी में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21-156GI/ 3

(1) श्री भगवत सिंह आत्मज
 स्व० श्री राम नरेश सिंह,
 निवासी—केदारपुर, थाना
 अम्बिकापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनिवास गर्ग आत्मज
 स्व० श्री राम गोपाल गर्ग,
 निवासी—ब्रह्मवार्द, थाना
 अम्बिकापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के भवध में कोह भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त इथावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
 पास लिंगित में किए जा सकते।

प्राप्तिकरण:—इसमें प्रमुकता शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही प्रदान किया जा दिया गया है

अनुसूची

खुली भूमि ख० नं० 829, 830 तथा 831, सतीपारा;
 अम्बिकापुर में स्थित है।

देवप्रिय पत्त
 संघर्ष प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निवेश सं० आई० प० सी०/अर्जन/भोपाल/3660—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); को 1961
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 149, 150, 151 एवं 336/
०, १७ है तथा जो ग्राम खेरा एवं ग्राम पंडरा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसरामा प्रतिफल से, ऐसे दूसरामा प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याथ गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
पैर वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) उक्तामा में हुई किसी आय की बादत उक्त प्रतिफल के अधीन भर देने के प्रत्यरूप के रूपायतः । या कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा । ३. निता,
पौड़ि/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-व के उक्तामा
में, या, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

(1) श्री हरसुमिरद सिंह तनय,
सरदार जोगेंद्र सिंह,
निवासी—पंडरा, तह०—हजूर,
जिला—रीवा।

(अन्तरक)

(2) मैं अनन्तपुर गृह निर्माण संकारो समिति
मर्यादित अनन्त पुर रीवा म० प्र० द्वारा
अध्यक्ष भागवत प्रभाद दुबे तनय
मुन्दर लाल दुबे,
निवासी—अनन्तपुर,
तह०—हजूर,
जिला—रीवा।

(अन्तरिती)

को मैं सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी आवित द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
हानि विद्युत व्याकृत द्वारा प्रधानमंत्रालयी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त हैं जो उस अन्य से दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 149, 150, 151 एवं 3360.17 ग्राम खेरा,
एवं ग्राम पंडरा, तह० हजूर, जिला रीवा में स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रधन आई० दी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० दी०/अर्जन/भोपाल/3661—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके ग्रामकर अधिनियम की धारा 269-व में
प्रधीन सूचना के अधिकारी को विश्वास करने
का कारण है तिथ्यावर दाया) जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० गे अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि नं० 459/0.24, 456/1.04,
466/0.07 है तथा जो ग्राम पंडरा तहसील हजूर, जिला
रीवा में स्थित है (और इसके उत्तरद्वारा प्रनुभुवों में और पूर्णचूप में
बगिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन, तारीख 5 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहाँका व्यवस्था अतिरिक्त अतिरिक्त रु०
उसके दृष्टिमान असुख से, ऐसे ग्राममा ग्रामकर का पंद्रह
व्यक्तिगत से अधिक है ग्राम अस्तरक (अस्तरकों) और
प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे ग्रामकर के नियंत्रण
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
स्थिति में बास्तविक रूप से किया गया है—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोग-की दर्जी हुए प्रकट नहीं किया गया
या यहाँ दर्जा चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, इन अधिनियमों की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्डिलिया उर्फ

देवप्रिया पत्नी
सरबूरा राम बांधा० सांधरा,
तहसील—हजूर,
जिला—रीवा।

(अन्तरक)

(2) मैं० अनन्त गुह० निर्माण सहकारी समिति
मध्यादित अनन्तपुर म० प्र० दारा भागवत
प्रसाद दुबे तनय
मुन्दर नाल दुबे,
निवासी—अनन्त पुर,
तहसील—हजूर,
जिला—रीवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के निए कार्य-
वाहियों शुरू करता हू०।

यह समाप्ति के अर्जुन के उपर्युक्त में रोहि पी आवेदनः—

(क) इस भूमि के राहा० मैं प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या नगमनव्याप्ति व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हिस्सी अर्थात् द्वारा;

(ख) इस भूमि के राहा० मैं प्रकाशन का तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-
पद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधिस्तानकरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

इत्यर्थी होता :—इसमें रपूतन जस्टों ग्रोर पटों का, जैसे उक्त
अधिनियम, के प्रधायाप 20-के अन्तर्गत है,
वही त्रिंश्चौमा जो इस यहाँ में लिए गया है

अनुसूची

भूमि नं० 459/0.24, 465/1.04, 466/0.07,
ग्राम—पंडरा, तहसील—हजूर, जिला—रीवा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

माहर :

प्रस्तुत श्री. डी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3662—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 131 का भाग, डी० एस० नंवर
155 डी है तथा जो मदन महल, हेल्थ कैप, राईट टाउन,
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन, तारीख 4 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भीरतीय आय-कर अधिकारी, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ना—
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ जन्तरीती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृपावती श्रीवास्तव उर्फ

श्रीमती दृष्णा देवी धर्मपत्नी
स्व० डी० पी० श्रीवास्तव बाराट्टला
द्वारा म० खास डा० आर० एम० वर्मा,
(राज मोहन वर्मा) बल्द
अम्बा प्रसाद वर्मा,
निवासी—226, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती छोटी बाई कोचर जौजे स्व० धेवर चन्द्र
कोचर, निवासी—नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रमाणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 131, डी० एस० नं०, 155 डी०, मदन
महल हेल्थ कैप, राईट टाउन, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

परम आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-म (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल
 भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निवेश में आई.टी.एन.एस./अर्जन/भोपाल/3663—अतः
 मैंने, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर मम्पात्स, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भौजा मोवा, रायपुर में
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख 8 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल के
 पश्चात् संपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिरी
 (अंतरिरियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मैं वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण नहीं किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मुन्द्रलाल बद्र चौबालाल जंधेल
 निवासी भौजा मोवा तहसील व जिला रायपुर।
 (अन्तरक)
 (2) भारत गृह निर्माण महकारी समिति मर्यादित
 रायपुर द्वारा अध्यक्ष राजकमल सिधानिया बस्त
 जीवन लाल सिधानिया, जवाहर नगर, रायपुर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताभारी के
 पास नियन्त्रण में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ प्रयोग जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमि भौजा मोवा, तहसील व जिला रायपुर में स्थित
 है।

देवप्रिय पन्त
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) की भारा

269-व (1) से प्रश्नीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निवेद सं० आई० प० सी०/अर्जन/भोपाल/3665—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की बाध 269-व के अधीन मजम्मा प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रतिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 21/336 है तथा जो पंचशील
नगर, रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और
पन्तरक (पन्तरां) और पन्तरिय (पन्तरियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक, ज्ञा न किया
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुद्दिष्ठ के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र वाचितयों
में, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुद्दिष्ठ के लिए;

अतः प्रब; उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रमुखण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० एन० नरसिंहाराव वल्द बेंकटराव
निवासी पंचशील नगर, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बटक कुमार सोमश्चया वल्द लवजीभाई,
निवासी बूडापारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नमन्दा में कोई भी व्यापेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधिया तक संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रबंधिया जो भी प्रबंधिया वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछे किसी
अथ व्यक्ति द्वारा, प्रशोदस्ताकारी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-व में परिचालित है, वहाँ
मूल्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21/336, हाउस नं० 7, पंचशील नगर,
रायपुर।

देवप्रिय पन्त
राज्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3665—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मौजा रोसरी, नरसिंहपुर
पुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नरसिंहपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती रामथारी देवी पत्नी श्री रामकिशन
अग्रवाल, निवासी आवदेव महाल, रोड, नागपुर।
(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री बद्री प्रसाद नेमा
2. सीता राम
3. राधे म्याम
4. श्री विजय कुमार पिसरात बद्री प्रसाद नेमा,
निवासी कंदेली, तहसील जिला नरसिंहपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पैर
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नगर पालिका नं० 70 का जो खसरा नं० 7/1 पर
स्थित है मकान, मौजा रोमरा, नरसिंहपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रम्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3666—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्तआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 380 का भाग है तथा जो
मौजा टिकारापारा, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अक्टूबर,
1982को पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
रिति (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
सारांश में अभी करन या उक्त अन्तरण में सुविधा
में लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भास्तीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री घनसाय वल्द नारद

2. श्री भुवं वल्द फेरू,

निवासी टिकारापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) राजीव सहकारी गृह निर्माण समिति ममर्यादित
रायपुर ग्राम अध्यक्ष डा० जे० बजाज वल्द जेठानन्द
बजाज, निवासी काटोरा नालाब, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संघित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वावधि अवधियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी भी किसी व्यापक क्रिया,(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संघित में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकर्ता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण द्वारा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 389 का भाग, मौजा टिकारापारा,
रायपुर में स्थित है।देवप्रिय पत्त
संघम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं. आई.० ए.० सी०/अर्जन/भोपाल/3667—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सर्वे नं. 99/5 है तथा जो ग्राम
सेजावता में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या
के लिए; और/या

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय्या
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
22—156 GI/83

(1) श्री डूगरसी वास देवी लाल सुरेका संयुक्त हिन्दू
परिवार के कर्ता श्री डूगरसी वास पिता बद्री
नारायण जी सुरेका, आंध्रप्रदेश चौक, रत्नाम।
(अन्तरक)

(2) श्रीविन लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड रजिस्टरेटर अफिस 95, मोहम्मद शाहीद मार्ग—बसवर्ड—400008
के डायरेक्टर श्री प्रेमचन्द्र जी गोधा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बृक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं. 99/5, ग्राम सेजावता तहूँ रत्नाम में
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983
मोहर

प्रकृप प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधोन सूचना

आइए चुकाओ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3668—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्ता

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन संक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि संवैं नं० 99/4, 99/6, है तथा जो
ग्राम सेजावता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित रु० गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि नि प्रायुर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान परिकल्पने पर से दृष्टमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं कर्या गया है :—

(क) अन्तरक से १५ दिनों प्राप्त हो बायों, उक्त
प्रधिनियम के प्रधोन पर देने के अन्तराल के
वायिक्त में कमी उन्ने या उनसे बचने में सुविधा
है जिए। और/या

(ख) ऐसी किसी पाया या नहीं भत या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके प्रधिनियम, या
अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डूगरसीदार देवीलाल सुरेका संयुक्त हिन्दू
परिवार के कर्ता श्री डूगरसीदास पिंडा बद्रा नारायण
जी सुरेका, चांदनी चौक, रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) श्री इफका लेबोरेटरी प्राइवेट लिंग, बम्बई रजिं
आफिस 48, कुनदेवीली इन्डस्ट्रील स्टेट, बम्बई के
डायरेक्टर श्री प्रेमचंद जी गोधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नमानि के प्रबन्धन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्धन के प्रबन्धन में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने न किये अवक्तु द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टटीतरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय-206 में परिभाषित हैं
यहीं प्रयुक्त होगा जो उन अध्याय में दिया जाये हैं।

अनुसूची

भूमि संवैं नं० 99/4, 99/6, ग्राम सेजावता, रत्नाम
में स्थित है।

देवप्रिय पत्ता
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983
मोहर :

प्रूप आर्द्ध. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3669—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है तथा जो सूरजपोल, पैलेस रोड, रत्नाम में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमन्त हिज हाईनेस महाराजाधिकार लोकेन्द्र सिंह जी साहब बहादुर आत्मज श्री सज्जन सिंह जी साहब बहादुर रत्नाम राज्य के मु० अम श्रीमंत महारानी साहिबा प्रभाराज्य लक्ष्मी पति श्री लोकेन्द्रसिंहजी संस्थान :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सिरेकुंवर पति हस्तीमल जी पटवा

2. अमृतनाल पिता श्री हस्तीमलजी पटवा,
निवासी ग्राम वेटलावद, जिला झावुआ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृङ्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रस्तावित प्लाट नं० 13, मोहल्ला सूरजपोल, पैलेस रोड, रत्नाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट बाइ'.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3670—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धा०
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खंडहरनमा खुली जमोन है तथा जो सूरजपोल,
रत्नाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्रीमंत महाराजा साहब श्री लोकेन्द्रसिंहजी पिता
मुज्जन सिंह जी महाब बहादुर मु० आम श्रीमती
प्रभाराज्यनक्षी महारानी साहिबा, रत्नाम।
(अन्तरक)

(2) श्री रत्न कुमार पिता पूनम चन्द्रजी गांधी,
निवासी न्यू रोड, रत्नाम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खंडहरनमा जनीन मोहल्ला सूरजपाल, रत्नाम में स्थित
है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन्. पट्टा-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राइवेट चरकार

कार्पोरेशन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3671—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 12 है तथा जो पैलेस रोड
रत्नाम में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और
पूर्ण रूप से श्रिंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 8 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमात्र प्रतिफल से, ऐसे द्वयमात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नोल्लंघन उद्दूक-रूप से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के लिए किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३...

(1) हिंज हाइनेस महाराजाधिराज मालवेन्द्र
हिंजहाइनेस लॉकेन्ड्र सिंहजी साहेब बहादुर आत्मज
स्व० महाराजा साहेब श्री सज्जनसिंह द्वारा
मुख्तार आम श्रीमती अखण्ड सौभाग्यवती हर
हाइनेस महारानी साहेबा प्रभाराज्य लक्ष्मी रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मोहनबाई पिता सुजानमलजी
2. ललिताबाई पिता चांदमलजी,
स्टेशन रोड, रत्नाम।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12, मोहल्ला पैलेस रोड, रत्नाम में स्थित
है।

देवप्रिय पन्त
संश्लेषण प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रृष्ठ पाइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3672—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. ग अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी० नं० 493 है,
तथा जो मेन रोड, हीरांगंज मालवीगंज वार्ड, कटनी में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृँ किसी आय की बाबत उक्त उक्त
मिशन के बीच कर हटने के अन्तरक के बायत्त में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रुमणी देवी पुत्री काशी प्रसाद
परनी दीर भद्र शाह,
निवासी मालवी गंज, कटनी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सतीश चन्द्र पिता ललू लाल जैन
2. श्री प्रमोद कुमार पिता मनोहर लाल जैन,
निवासी सावरकर वार्ड, कटनी द्वारा मैसर्स
हुक्म चन्द्र लाईम स्टोन, स्टेशन रोड, कटनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वांक सम्पत्ति के बारे में लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिं बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस मूल्यान्तर ग्रन्थवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट एन० बी० नं० 493, मेन रोड, हीरा गंज,
मालवी गंज, वार्ड कटनी में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रस्तुति वार्षि. टी. धन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत दूरकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० आई० सं० ए० /अर्जन/भोपाल/3673—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कटरा, वार्ड सागर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख
19 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचहूं
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करवने के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री शंकर लाल वल्द कुठदनलाल खट्टीक,
निं० चक्कटराधीष वार्ड, सागर ।
- 2. श्री राम प्रसाद वल्द गणेश प्रसाद कर्मी,
निं० बरदिया ।
- 3. श्री सतार वल्द मुत्तरातानि, केशवगंज,
सागर ।
- 4. श्री पुरनलाल पिंडा भैयालाल पटेल,
निवासी सदर बाजार, सागर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री द्वारथलाल वल्द लक्ष्मीनारायण केशववार्णी
निवासी—सदर बाजार, सागर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसूचनाकारी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट, कटरा वार्ड, सागर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-6-1983

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3674—असः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 174 है तथा जो मेजर शापिंग
सेन्टर, हबीब गंज, भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

((क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;
मौर/पा।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एन० आहुजा पिता के० एन० आहुजा,
निवासी सेठी संस, 8 पटेल मार्केट,
हमीदिया रोड, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री जिनेश कुमार पिता प्रसन्न कुमार
निवासी राजदेव कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सार्वज्ञता ने 30 दिन की अवधि, प्रा. भी अवैध
शाद में रामात् द्वारी हो, के भीतर पृष्ठिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भूपाल में हुए
मद्दत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहनाधारों व
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 174, मेजर शापिंग सेन्टर, हबीबगंज, भोपाल में
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1983

मोहर:

प्रस्तुप माइंटी. टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3675—अतः

मृश्व, वेविप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 11/2 है तथा जो करहोंद
कला, तहसील हजूर में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 10 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्व यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एंसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिन्न में सुविधा
के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्भात् :—

23—156GI/83

(1) श्री सौलत जंग कर्नल मोहम्मद नाहिर मिर्जा
पिता स्व० श्री अब्दास मिर्जा साहब निवासी महल
ग्राम-मिस्राह अहमदाबाद, झोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री सैफिया एजुकेशन सोसाइटी भोपाल द्वारा
मन्चिव, श्री फखरुद्दीन पिता स्व० श्री मुल्ला
सज्जाद हुसैन साहब, निवासी हमीदिया रोड,
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षणिक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

प्रमाणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनुसूची

भूमि असरा नं० 11/2, ग्राम करहोंद कला, तह० हजूर
जिला भोपाल में स्थित है।

देविप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रसूप: बाई० टी० एन॒ एस॒ -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1983.

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3676—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 10/2, 11/1 है तथा जो ग्राम
करहोंद, तह० हजूर में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 18 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरद्व दो
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारा शाहजादों नुसरत मुल्तान पुत्रों शाहजा
मुलतान अजोज लाल्हव,
निवासी महल-अन-मिसवाह अहमदाबाद शहर,
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) सेफिया एजूकेशन सोसाइटी भोपाल डारा
सचिव, फख रुद्दीन पिता मुल्ला सज्जाद हुसैन,
निवासी हमोदिया रोड, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 10/2, 11/1, ग्राम करहोंद, तहसील
हजूर जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-1983
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3677—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है तथा जो नाविर कालोनी,
श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुपूर्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नारीख 14 अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(अ) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (1) 1. श्री यावर रणीद
- 2. श्री नाविर रणीद पिता रशीदुज्जफर भा०
- 3. बेगम मुरेया रणीद पत्नी श्री रशीदुज्जर
साहब।
- 4. महबानों
- 5. नीलोफर पुत्री श्री रशीदुज्जफर नाहब
निवासी शिमला कोठी, भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) श्री जे० ए० वालिया पिता श्री मदनजीत सिंह
वालिया, निवासी 20, ईंगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमूसूची

एक किता प्लाट नं० 18, नाविर कालोनी, श्यामला हिल्स,
भोपाल में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

देवप्रिय पन्त
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1)
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

तारीख : 3-6-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.ए.ए.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3678—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 108/1 है तथा जो भवानीपुर कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उगम बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोभनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनन्त लक्षण राज, मंडल,
33/1, भवानीपुर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मानसिंह आर्य,
108/1, भवानीपुर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीकरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-हात किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 108/1, भवानीपुर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सकाम प्राधिकारी
हायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3679—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 56 है तथा जो अनूप नगर,
इंदौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, इंदौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित है वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को; जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकरे
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहित
के लिए;

(1) श्रीमती अम्बा पत्नी भालचन्द्र देवधर

2. श्री राजीव पिता भालचन्द्र देवधर,
निवासी ए-22, एम० आई० जी० कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश सोनी पिता स्व० श्री देसराज सोनी,
निवासी 6/11, यशवन्त निवास रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 56, अनूप नगर, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

तारीख : 9-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3680—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 3202 : 2 है तथा जो दतिया
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दतिया में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सप्तित का उचित बाजार मूल्य से कम एवं दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(ख) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी उमा पुत्री स्व० श्री महाराजा बलभद्रसिंह
जू देवा, निवासी गोविन्द निर्वास, दतिया।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एंग्री सोलेवन्ट प्रोडक्ट्स प्रा० लिमिटेड,
रजि० कार्यालय, दाल बाजार ग्वालियर (म० प्र०)
बारा सुरेश कालड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर, एंग्री
सोलेवन्ट प्रोडक्ट्स प्रा० लिमिटेड, दाल बाजार,
ग्वालियर-9 (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, आं भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 3202 : 2 दतिया में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 15 जून 1983

निवेश सं० आई० प० सी०/अर्जन/भोपाल/3681—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्वाटर नं० 57 है तथा जो खेरापति कालोनी,
लश्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (वन्तरिती)
(वन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में दक्षता अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण गं हूँ है किसी आय की आवह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान स्वरूप भट्टनागर आत्मज हरपतरायजी,
निवासी खेरापति कालोनी, लश्कर।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण स्वरूप आत्मज हरपतराय, निवासी
खेरापति कालोनी, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरंभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बंदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्वाटर नं० 57, खेरापति कालोनी, लश्कर, ग्वालियर में
स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रकाश बाहूदारी, एन.एस.पी.

आयोकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधार सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयोकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1983

निवेश सं. आई.ए.सी.ओ/अर्जन/भोपाल/3682—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयोकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भवन एक मंजिला म्यू.क्र. 36 है तथा
जो गांधी कालोनी, वार्ड क्रमांक 15, मुरैना में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरैना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित लद्दाहः गे उक्त अनुदान निम्न दो वार्षिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी बाय की बावत, उक्त
आयोकर अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शायित्र में कर्ता करने वा उसमें जरूर में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयोकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय बनाया द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी :—

(1) श्री द्वारिका प्रसाद पुत्र गणेशराम शिष्ठहरे,
तिवासी मोहन्ना गोगालमुरा, गांधी कालोनी
मुरैना।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश्वर प्रसाद

2. श्री छोटेलाल

3. श्री दिवेशचन्द्र आत्मज श्री रामविलास
अग्रवाल, वैश्य निवासी कस्ता बागचीनी, पो.
बागचीनी परगना और जिला मुरैना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
संखन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भवन एक मंजिला म्यू.क्र. 36 गांधी कालोनी वार्ड
क्रमांक 15 नगर मुरैना में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयोकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1983

(1) श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री श्यामलाल अवयस्क
संरक्षक पिता श्याम लाल पुत्र के बलिया स्वयं
निवासी ग्राम डबरा।

(अस्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह व राधबेन्द्र पुत्रगण श्री नन्हे सिंह
प्रदीप कुमार पुत्र श्री नरेन्द्र प्रसाद उर्फ नारयण
प्रसाद शर्मा निवासी 184 सिधी कालोनी
लश्कर ग्वालियर।

(अन्तरिती)

निवेश सं० आई० एल० अर्जन, भोपाल/36/83—यतः,
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 314/1 है तथा जो डबरा में स्थित
है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

अक्टूबर, 1982.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नतिथित उद्देश्य द्वे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिद्धि अविक्तियों, अधीन ८—

24—156G/83

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वै व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 314/1 ग्राम डबरा परगाना डबरा जिला
ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रसूप आर्द्धे, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 15 जून 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3684—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,00/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ए-१ मेंध बिल्डिंग है तथा जो
13/2 एम० जी० रोड इंदौर में स्थित है (और इससे
उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

वातः वात, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांति महायक भट्टाचार्य
निवासी 185, मत्य निकेतन नई दिल्ली-21।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रश्मी कुमारी आर० डफरिया
निवासी अहतुवन, राम बाग, रत्नाम।
(अन्तरिती)

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-१ मेंध बिल्डिंग, 13/2 एम० जी० रोड,
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/37ई०/10-82/

11—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वी-14 है तथा जो शीनपार्क एक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अमरक (अमरकों) और अमरिती (अमरितियों) के बीच ऐसे अमरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्थरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्टरिस्ट द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

(1) श्री परमजीत सिंह,

कर्ता—मै० परमजीत सिंह (एच-यू-एफ) 215,
सेक्टर-35ए,
चंडीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन कुमार सुपुत्र परसान मल जी,

निवासी सफदरजंग इन्क्लेव,
ए-1/63, नई दिल्ली,
श्रीमती मंजू श्री पत्नी श्री कनक मल,
निवासी एफ-80,
भगत सिंह मार्केट,
नई दिल्ली ।
श्री सायरचन्द छलानी सुपुत्र
श्री झूमर मल जी छलानी और
श्री जितेन्द्र जैन सुपुत्र
श्री परसान मल जी,
निवासी ए-1/63,
सफदरजंग इन्क्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(ग) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बारे में नमांज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उन प्रधायाय में दिया गया है ।

मनूसूची

1-1/2 मंजिला मकान नं० वी-14, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली एक्यू 667 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1983

माहूर ३

अतः अनु उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारण (1) के तौर पर, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः ५—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 6th June 1983

No. A. 35012/1/81-Admn. II.—Shri K. V. Janakiramanan, Audit Officer in the office of Joint Director of Audit, Defence Services, Western Command, Meerut Cantt, has been appointed, on deputation, as Finance and Budget Officer in the office of Union Public Service Commission for a period of 3 years w.e.f. the forenoon of 3rd June, 1983, or until further orders whichever is earlier.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st June 1983

No. A. 35014/2/80-Admn. II(ii).—In continuation of this office notification No. A. 35014/2/80-Admn. II, dated 31st

The 24th June, 1983

No. A-31016/13/81-AD.I(DPC).—In exercise of the powers conferred by Rule 9 (2) of the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following officers substantively to the post of Deputy Supdts., of Police in the CBI with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Present place of posting	Rank in which already permanent in CBI	Date from which appointed substantively to the post of DSP
S/Shri				
1. A. K. Majumdar		EOW Calcutta	—	1-1-78
2. R. Balasubramanian		Co-ordination	—	1-1-79
3. Rajinder Kumar Sharma		CIU-II	—	31-1-79
4. S. P. Singh		Lucknow	—	15-12-81
5. H.C. Singh		Bhubaneshwar (Rourkela Unit)	—	23-12-81
6. H. P. Singh		CIU(B)	Inspector	23-12-81
7. V.D. Maheswari		CIU (Ant)	Inspector	23-12-81
8. J.S. Waraiach		GOW Delhi	—	23-12-81

New Delhi, the 25th June 1983

No. K-71/66-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri Krishan Narain, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Dy. Legal Adviser in C.B.I. with effect from the forenoon of 15th June, 83.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110003, the 23rd June 1983

No. F.2/11/81-Estt (CRPF).—The President is pleased to confirm Shri A. K. Narula in the rank of Deputy Superintendent of Police in the C.R.P.F. w.e.f. 19-3-1981.

The 25th June 1983

No. O.II-402/69-Estt.—Shri Ram Rattan, Asst Comdt (IRLA-268) of 9 Bn CRPF has expired on 18-5-83 at 0400 hrs. He is struck off strength of the force from 19-5-83.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 8th June 1983

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On repatriation to State Cadre Shri S. K. Chatterjee, IPS (MT : 69) relinquished charge of

March, 1983, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur, Junior Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on ad hoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 1-6-1983 to 31-8-1983 or until further orders whichever is earlier.

I. C. KAMBOJ
Section Officer
for Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd June 1983

No. S-22/65-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Singhal, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Dy. Legal Adviser in C.B.I. with effect from the forenoon of 15th June, 1983.

The 24th June, 1983

No. A-31016/13/81-AD.I(DPC).—In exercise of the powers conferred by Rule 9 (2) of the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following officers substantively to the post of Deputy Supdts., of Police in the CBI with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Present place of posting	Rank in which already permanent in CBI	Date from which appointed substantively to the post of DSP
S/Shri				
1. A. K. Majumdar		EOW Calcutta	—	1-1-78
2. R. Balasubramanian		Co-ordination	—	1-1-79
3. Rajinder Kumar Sharma		CIU-II	—	31-1-79
4. S. P. Singh		Lucknow	—	15-12-81
5. H.C. Singh		Bhubaneshwar (Rourkela Unit)	—	23-12-81
6. H. P. Singh		CIU(B)	Inspector	23-12-81
7. V.D. Maheswari		CIU (Ant)	Inspector	23-12-81
8. J.S. Waraiach		GOW Delhi	—	23-12-81

the post of AIG (E/Zone) CISF Calcutta, with effect from the afternoon of 4th May, 1983.

The 9th June 1983

No. E-16013(1)/4/83-Pers.—On appointment on deputation, Shri Bajrang Lal, IPS (Raj : 53) assumed charge of the post of Inspector-General (HQ), Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the afternoon of 8th June, 1983.

SURENDRA NATH
Director-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 22nd June 1983

No. 11/53/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Muthuswami, an officer of the Tamil Nadu Cadre of I.A.S., presently working as Additional Secretary to the Government of Tamil Nadu, Public (Census) Department, as Director of Census Operations, Tamil Nadu in an ex-officio capacity, with effect from the forenoon of the 24th May, 1983, until further orders.

The 23rd June 1983

No. 11/102/79-Ad.I(2).—In continuation of this Office Notification of even number dated the 21st December 1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in States as mentioned against their names, on a purely temporary and

ad-hoc basis, for a further period upto the 31st August, 1983 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

Sl. No.	Name of Officers	Office in which working
1	2	3
1.	Shri C.D. Bhatt	Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad.
2.	Shri S.L. Bahl	Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.

The 24th June 1983

No. 11/10/76-Ad.I(Vol.11).—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri D. P. Khobragade, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Meghalaya, Shillong, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 31st May, 1983 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri D. P. Khobragade will be at Shillong.

No. 11/102/79-Ad.I(1).—In continuation of this office Notification of even number dated the 21st December, 1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors of Census Operations (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 31st August, 1983 or till the posts are filled in, on a regular basis,

whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

S. No.	Name of the Officers	Office in which working
1	2	3
1.	Shri O.P. Sharma	RGI, New Delhi.
2.	Shri M. Panchapakesan	DCO, Tamil Nadu, Madras.
3.	Shri S.P. Sharma	DCO, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair.
4.	Shri R.P. Tomar	DCO, Sikkim, Gangtok.
5.	Shri M.K. Ahuja	RGI, New Delhi.
6.	Shri V.P. Rustagi	RGI, New Delhi.
7.	Shri A.K. Biswas	RGI, New Delhi.
8.	Shri A. Pyrtuh	DCO, Arunachal Pradesh, Shillong.
9.	Shri Y.G. Krishnamurthy	DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.
10.	Shri R.K. Singh	DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
11.	Shri S.P. Grover	DCO, Kerala, Trivandrum.
12.	Shri Ram Singh	DCO, Maharashtra, Bombay.
13.	Shri D.N. Mahesh	DCO, Bihar, Patna.
14.	Shri S.C. Saxona	DCO, Bihar, Patna.
15.	Shri Ajit Singh	DCO, Punjab, Chandigarh.
16.	Shri M. Nagappan	DCO, Tamil Nadu, Madras.
17.	Shri Phool Singh	RG's Office, New Delhi.
18.	Shri R.K. Bhatia	RG's Office, New Delhi.
19.	Shri A.K. Dutta	DCO, West Bengal, Calcutta.
20.	Shri R.B. Singh	DCO, Orissa, Bhubaneswar.
21.	Shri H.L. Kalla	DCO, Jammu & Kashmir, Srinagar.
22.	Dr. K.S. Dey	DCO, West Bengal, Calcutta.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 23rd June 1983

No. CA.I/18-83.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Comml.) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further order:—

Sl. No.	Name of the officer	Office where working before promotion	Office where posted on promotion	Date of promotion as AO (Comml.)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	S.C. Wig	AG, Punjab	Accountant General, Punjab.	22-2-83
2.	Subhas Pal	AG II, West Bengal, Calcutta.	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta.	28-2-83
3.	S.M. Chinnana Chiappan	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Madras.	Member, Audit Board & Ex-Officio DCA, Bangalore.	30-3-83
4.	D.K. Aggarwal	AG, HP & Chandigarh, Simla.	AG, HP & Chandigarh, Simla.	25-2-83
5.	M.B. Gowdapannawar	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore.	MAB & Ex-Officio DCA, Bangalore.	19-2-83

1	2	3	4	5
6.	S.S. Rawat	A.G. II, Madhya Pradesh, Gwalior.	MAB Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bhopal.	27-2-83
7.	D.V.S. Rao	Accountant General-II, Andhra Pradesh.	Member, Audit Board & Ex-Officio DCA, Hyderabad.	28-2-83
8.	R.M. Sharma	Accountant General-II, Madhya Pradesh	MAB & Ex-Officio DCA, Bombay.	28-2-83
9.	Tarapada Guha	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta	Accountant General, Sikkim, Gangtok.	30-3-83
10.	R.P. Sharma	AG, Rajasthan	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bombay.	19-3-83
11.	K.K. Shukla	Accountant General-II, Mahdya Pradesh	Accountant General, Gujarat.	28-2-83
12.	G.C. Nagappa	Accountant General, Karnataka	Accountant General, Karnataka.	21-2-83
13.	R.S. Verma	MAB & Ex-Officio DCA, AG, HP & Chandigarh New Delhi,	AG, HP & Chandigarh Simla.	28-2-83
14.	K. Swaminathan	Accountant General (C), Tamil Nadu, Madras.	Accountant General-II, Andhra Pradesh.	14-3-83
15.	S.S. Mann	Accountant General, Punjab	Accountant General, HP & Chandigarh, Simla.	24-2-83
16.	R.V. Mamana Murthy	Accountant General-II, Andhra Pradesh	Accountant General-II, Orissa.	10-3-83
17.	S.K. Biswas	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta.	Accountant General-II, Bihar, Patna.	4-3-83
18.	B.D. Kuruvilla	Accountant General, Kerala.	MAB & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore.	27-2-83
19.	S. Joseph	Accountant General (Commil.), Tamil Nadu.	Accountant General-II Orissa.	8-4-83
20.	S.R. Garg	Accountant General, Punjab.	Accountant General-II, Bihar.	28-2-83
21.	A.K. Lodh	MAB & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Calcutta.	MAB & Ex-Officio Director of Commercial, Audit, Ranchi.	16-3-83

No. CA.I/39-83.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as

such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the date mentioned in Column 5 below until further orders :—

Sl. No.	Name of SOs (Commil.)	Office where working before promotion.	Office where posted on promotion as Audit Officers (Commil.)	Date of promotion as Audit Officer (Commercial)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	Murari Lal Sharma	Member, Audit Board & Ex-officio. Director of Commercial Audit, Bhopal.	Member, Audit Board & Ex-officio. Director of Commercial Audit, Bhopal.	24-2-83
2.	R. Sunder Singh	Accountant General -II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Member, Audit Board & Ex-officio. Director of Commercial Audit, Hyderabad.	28-2-83

1	2	3	4	5
3. R. D. Chopra		Accountant General, HP & Chandigarh, Simla.	Accountant General, Haryana.	28-2-83
4. Anil Kumar Bagchi		Member, Audit Board & E.O., Director of Commercial Audit, Ranchi.	Member, Audit Board & E.O., Director of Commercial Audit, Ranchi.	9-3-83
5. D. D. Gangopadhyay		Member, Audit Board & E.O., Director of Commercial Audit, Calcutta.	Accountant General-II, Bihar, Patna.	8-3-83
6. A. G. Madhava Rao		Accountant General, Karnataka	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore.	28-2-83
7. G. S. Reddy		Member, Audit Board & E.O., Director of Commercial Audit, Hyderabad.	Member, Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bangalore.	17-3-83
8. K. N. Murthy		Accountant General, Orissa.	Accountant General, Orissa.	26-2-83
9. K. Ganeshwara Rao		Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Member Audit Board & E.O., Director of Commercial Audit Bombay.	23-3-83
10. A. Ramanaiah		Accountant General-II, A.P., Hyderabad.	Accountant General-II, Bihar.	AN

M. A. SOMESWARA RAO,
Joint Director (Commercial)

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 6th June 1983

No. I-2/1498/Admn/83.—Further to the notification No. I-2/241/Admn/83 dated 27th January, 1983, the General Manager, India Government Mint, Bombay is pleased to extend the ad-hoc appointment of S/Shri K. R. Kunjappan and M. S. Chary against the post of Administrative Officer and Purchase Stores Officer (Group 'B' Posts) respectively upto 30-9-83 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

Sd/- ILLEGIBLE
General Manager

MINISTRY OF COMMERCE
DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 10th June 1983

No. 19001/30/83-DCH/Admn. I.—Consequent on his appointment as Director in the Department of Textiles, Shri U. P. Singh, relinquished charge of the post of Additional Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 31st May, 1983.

S. K. MISRA
Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 16th June 1983

No. 12/294/61-Admn.(G) Vol. III.—The President is pleased to permit Shri P. S. Mehta Director (Gr. II) (TP) in the

office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) to retire from Government service with effect from afternoon of 13-5-83, on completion of the period of extension of service granted to him beyond the date of his superannuation on 30-9-82.

No. A-19018/618/82-ADMN.(G).—The President is pleased to appoint Shri C. K. Viswanathan a permanent Assistant Foreman, Controllerate of Inspection Engineering Equipment Dighi, Pune as Assistant Director (Gr. I) (Mech.) at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 11-4-83 until further orders.

The 22nd June 1983

No. A-19018/587/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri V. A. Deshpande a permanent Assistant Foreman Directorate of Inspection Vehicles (DGI/VEH. 2) Pune as Assistant Director (Gr. I) (Met.) at Industrial Extension Centre, Kolhapur under Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 2-5-83 until further orders.

The 24th June 1983

No. A-19018 (456) /79-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Assistant Director in the National Sample Survey Organisation, Ministry of Planning, at D. P. Centre, Calcutta, Shri K. N. Dutta, relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) (EI) in the Office of the DC (SSI), New Delhi on the afternoon of 31-5-1983.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 9th June 1983

No. A-1/7(14) Vol. VII.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Puran Chand, who has been officiating as Assistant Director (S) (Gr. II) on ad hoc basis to officiate as such on regular basis with effect from 19-3-77.

2. Shri Puran Chand has successfully completed the probationary period of 2 years and has been allowed to continue to officiate as A. D. (S) (Gr. II) beyond 18-3-79 and until further orders.

S. BALASUBRAMANIAN
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd June 1983

No. A-19012(175)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri P. V. Purohit, Permanent Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Assistant Administrative Officer on ad hoc basis for a period of 6 months in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 9th June, 1983.

A. R. KASHAV
Senior Administrative Officer
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd June 1983

No. 10/170/82-SII.—Consequent upon his promotion from the post of Senior Engg. Assistant to the post of Assistant Engineer, Shri P. D. Saxena has assumed the charge of the post of Assistant Engineer at the Office of Chief Engineer (North Zone), All India Radio, New Delhi on the (AN) of 25-5-1983.

The 25th June 1983

No. 10/14/62-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. Harjit Singh, Acctt, AIR, Jalandhar to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis at AIR, Jaipur with effect from 14-6-83 (F.N.).

No. 1/15/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri T. N. Miya, Head Clerk, DDK, Sri-nagar to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Chinsurah with effect from 13-6-83 (Forenoon).

Y. VERMA
Deputy Director Administration
for Director General

New Delhi, the 22nd June 1983

No. 4/2/83/SSII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. S. Kasturia, Investigator, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, New Delhi as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-EB-810-EB-880-40-1000-EB-1200 on ad hoc basis with effect from the forenoon of 9th June 1983 in the office of Station Director, AIR, Jaipur.

RUKMINI DAS GUPTA
Deputy Director Administration
for Director General

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 27th June 1983

No. A. 19024/1/81-A-III.—On the recommendations of the D.P.C. (GROUP 'B') Shri R. D. Gupta, has been promoted to the post of Jr. Scientific Officer on regular basis w.e.f. 7-4-83 and posted at the same station i.e., Central Agmark Laboratory, Nagpur.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 15th June 1983

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Namdeo Bhiwaji Dhule, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 2-5-1983 (FN) to 10-6-1983 (AN).

The 16th June 1983

No. Ref. N. 1798.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Dadarao Pilaji Nikose, Asstt. Security Officer of Tarapur Atomic Power Station to officiate as Security Officer in this Research Centre at Tarapur with effect from the forenoon of June 1, 1983 until further orders.

M. D. GADGIL
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION)

Bombay-5, the 8th June 1983

No. PPED/3(282)/83-Estt.I.—Director Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Kum. N. M. Merchant, a permanent Assistant Accounts Officers as Accounts Officers-II in this Division in a temporary capacity on regular basis with effect from the forenoon of June 1, 1983, until further orders.

P. G. MENON
General Administrative Officer

Bombay-5, the 10th May 1983

No. PPED/3(262)/83-Estt.I.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. G. Menon, a permanent Assistant Personnel Officer of this Division as General Administrative Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 26, 1983 until further orders vice Shri R. V. Bajpai, General Administrative Officer promoted as Administrative Officer, KAPP.

No. PPED/3(262)/83-Estt.I.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H.H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 26, 1983 until further orders vice Shri P. G. Menon, Assistant Personnel Officer promoted as General Administrative Officer.

The 30th May 1983

No. PPED/3(262)/83-Estt.I.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri G. G. Kul-karni, Stenographer (Sr.) of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 27, 1983 to the afternoon of June 28, 1983 vice Shri G. A. Kaulgud, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTIP
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 23rd June 1983

No. NAPP/Adm/R26(1)/83/S/6524.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora, appoints Shri M. L. Varma, a semi permanent Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Kota) and an officiating Asstt. Personnel Officer in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assitt. Personnel Officer in the Narora Atomic Power Project in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 with effect from the forenoon of May 27, 1983 until further orders.

M.S. RAO
Chief Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 18th June 1983

No. DPS/41/1/83-Adm/20531.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. N. S. Nair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 29-4-1983 (FN) to 4-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri K. P. S. Pillai, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 21st June 1983

No. DPS/2/1(11)/83-Adm/20756.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Ramchandra Prabhu, a permanent Storekeeper to officiate as an assistant Stores Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 14-4-83(FN) to 1-6-1983(AN) in the same Directorate.

The 22nd June 1983

No. DPS/41/1/83-Adm/20907.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. N. Unnikrishnan Nair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 9-5-1983(FN) to 10-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri I. Ramakrishnan Assistant Purchase Officer granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 26th June 1983

No. AMD-1/25-82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby cancels the appointment of Shri P. V. Srinivas as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division made vide this office Gazette Notification of even number dated March 5, 1983.

T. D. GHADGE
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 22nd June 1983

No. 05012/R1/OP/2090.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundiyil Thomas Thomas, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad-hoc basis, from May 2, 1983 (FN) to June 4, 1983 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer-III.

R.C. KOTIANKAR
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401504, the 17th June 1983

No. TAPS/1/19(2)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Smt. K. Sathiratnam, a permanent Assistant Accountant and officiating Account Officer II on ad-hoc basis in Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Accounts Officer II on regular basis in Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of May, -5 1983, until further orders.

D.V. MARKALE
Chief Administrative Officer

Tarapur-401504, the 18th June 1983

No. TAPS/1/20(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy 25—156GI/83

appoints Shri A. P. Patil, a permanent Assistant Security Officer, Tarapur Atomic Power Station as Security Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis with effect from 16-3-1983 to 19-4-1983 vice Shri D. D. Banerjee, Security Officer promoted on ad-hoc basis.

S. THRIAMBAKNATH
Administrative Officer-III

DEPARTMENT OF SPACE

Trivandrum-695022, the 15th June 1983

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000/- with effect from the forenoon of April 1, 1983 and until further orders:

Sl. No.	Name	Division/Project
1.	Shri S. Babu Rajendra Kurup	MDD/MEG
2.	Shri LK Ananda Kumar	PEC
3.	Shri MG James	ASLV
4.	Shri R Natarajan	AVN
5.	Shri N Narayanan Kutty	RPC
6.	Shri VA Thomas	PED

KPR MENON
Administrative Officer-II (EST)
for Director-VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th June 1983

No. A.32014/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Amrit Lal, Store Assistant to the post of Store Officer (Group 'B' post) on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from 25-5-83 or till the post is filled on regular basis, which ever is earlier.

J. C. GARG
Asstt. Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 20th June 1983

No. A-19012/985/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. M. Ghulfran, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of the 17th February, 1982 for a period of one year or till the post is filled on regular basis.

2. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823(W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

T. N. FOTEDAR
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 5th August 1982

Subject :—Order of termination of service issued under the proviso to sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965.

No. 15(307)/82/DCEC VII/E-I/4274-77.—In Pursuance of the proviso to Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil

Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Sh. S. K. Tripathi, Junior Engineer (Electrical) attached to Electrical Division No. IX, C.P.W.D. New Delhi and direct that he shall be entitled to claim pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his services, or as the case may be, for the period by which such notice falls short of the month.

V.A.D. KUTTY

To
Superintending Engineer
Delhi Central Electrical Circle VII
C.P.W.D., R.K. Puram,
New Delhi.

1. Sh. S. K. Tripathi,
Junior Engineer (Electrical),
C/o Sh. S. N. Tripathi,
R-74, Vani Vihar,
Uttam Nagar, New Delhi-110059.
2. Sh. S. K. Tripathi,
Village & Post Office,
Sohagaura, Distt. Gorakhpur (U.P.).

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 24th June 1983

No. 4409/Liq.—Whereas Suvarna Film Distributors Limited, having its registered office at 125 Medous St. Bombay, is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that Statement of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Suvarna Film Distributors Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the Register and the Company will be dissolved.

O.P. JAIN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pandalapaka Dayalbagh Stores Private Limited*

Hyderabad, the 22nd June 1983

No. 140/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pandalapaka Dayalbagh Stores Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shilpa Chemicals Private Limited*
Hyderabad, the 24th June 1983

No. 1934/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shilpa Chemicals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Madras Engineering Agencies Private Limited*
Madras-600006, the 23rd June 1983

No. DN/148/Sec. 560/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Madras Engineering Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Pandyan Farms Private Limited*
Madras-600006, the 23rd June 1983

No. DN/2008/Sec. 560/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Pandyan Farms Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s United Industries (Pudukkottai) Private Limited*
Madras-600 006, the 23rd June 1983

No. DN/3110/Sec. 560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s United Industries (Pudukkottai) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Agama Consultants Private Limited*
Madras-600006, the 23rd June 1983

No. DN/7214/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Agama Consultants Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S/- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

FORM ITNS—

(1) Shri Parmjit Singh, Karta of
M/s Paramjit Singh,
H.U.F., 2/5 Sector 35A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Kumar s/o
Sh. Parsannal,
A-1/63, Safdarjang Encl., New Delhi
Smt. Manju Shree w/o Sh. Kanak Mal,
r/o F-80, Bhagat Singh Mkt., New Delhi
Sh. Sayar Chand Chhallani s/o
Sh. Jhumar Mal ji Challani and
Sh. Jitender Jain s/o Sh. Parsanmalji
r/o A-1/63 Safdarjang Encl.,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37 EE/10-82/XI.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
House No. V-14,
situated at Green Park Extn. New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed House No. V-14, Green Park Extn. New
Delhi.

Area 667 Sq. yds (553.61 sq. Mtrs. approx.).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 6-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Skipper Towers Private Limited,
1106, Ashoka Estate,
Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Magan,
F-3, Ball Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/X.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat No. 209 at 11/10,
situated at Pusa Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 209 at 11/10, Pusa Road, New Delhi.
Area 950 Sq. fts.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Skipper Towers Private Limited,
1106, Ashoka Estate, Barakhamba Road,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Rani w/o Shri K. K. Gulati,
F-3, Bali Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/IX.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. G-6, at 11/10, situated at Pusa Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G-6, at 11/10, Pusa Road, New Delhi.
Area 1460 Sq. fts.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Skipper Towers Pvt. Limited,
1106, Ashoka Estate,
Barakhamba Road,
New Delhi.

(2) Smt. Kailash Magan w/o Sh. K. L. Magan,
F-3, Bali Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/VIII.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

Flat No. 108 at 11/10, situated at Pusa Road, New Delhi-110008 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 108 at 11/10, Pusa Road, New Delhi.
Area 600 Sq. fts.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/VII.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, Block 'M' (Flat No. 401 & 402), situated at Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Chander Rameshwar Pershad HUF 100, Babar Road, New Delhi. (Transferor)
 (2) 1. Smt. Balwant Kaur, 7/21, Roop Nagar, Delhi.
 2. Master Anshul Singh through his father & Natural Guardian Sh. Anand Prakash Singh, K-39 Hauz Khas, New Delhi
 3. Master Vinay Kumar Singh through his father & Natural Guardian Sh. Om Prakash Singh, K-39, Hauz Khas, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Allotment of office space in Commercial building "YOGESHWAR" at part plot No. 2, Block 'M' Connaught Circus, New Delhi, Flat No 401. & 402 on third floor. Area 115 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 7-6-1983
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaswant Banga (Mrs. Deep Dhodh)
C/o Lt. Gen. H. S. Banga,
Ashok Leyland Ltd,
MTA Alwar-301030.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/VI.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1101/7,

situated at Tolstoy Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1101/7, Tolstoy Marg.
Area 301 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

Nw Delhi, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/V.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Space No. 126, in proposed bldg. No. 22,
situated at Curzon Road, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. U. S. Sachdeva,
Mr. S. M. Jerath,
Mr. Damodar Batra HUF,
r/o E-98, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Harpal Kaur w/o
S. Ajit Singh r/o
9A/2 WEA, Karol Bagh, New Delhi,
Mrs Harbans Kaur w/o
S. Jagwant Singh,
N-212, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 126, in Proposed Bldg, No. 22, Curzon Road,
New Delhi.
Area 210 sq. fts.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 6-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—156GI/83

FORM ITNS

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd,
115, Ansal Bhawan 16, K. G. Marg, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Kanu Chadha C/o Sh. Vinod Chadha
F-11, N. D. S. E-11, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37 EE/10-82/III.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F-11, situated at N.D.S.E. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq.I, New Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

805/38 Nehru Place, New Delhi.
Area 36 sq. fts.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd,
115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ravinder Kaur,
D-959, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/II.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1107/7,

situated at Tolstoy Marg, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1107/7, Tolstoy Marg, New Delhi.
Area 323 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd,
115, Ansal Bhawan,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gem India
1007, Akash Deep,
26-A, Bara Khamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/10-82/I.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1106/7, situated at Tolstoy Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. I, New Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1106/7, Tolstoy Road, New Delhi.
Area 258, Sq. fts.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) S. P. Singh w/o M. P. Singh,
r/o D-48, Hauz Khas,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Attar Singh s/o Ch. Karan Singh,
Karanpuri Gilaothi,
Distt. Bulan Shahar (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. RAC/Acq. I/SR. III/10-82/1089.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Village Chhattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas, Kh. No. 1280 Village Chhattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 4-6-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Daloo, Kani and Dhani and Teja s/o
Ram Lal,
r/o Bhati,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Ajay Chandra and Sanjay Chandra s/o
Ramesh Chandra,
r/o C-42, Mayfair Garden,
Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

Minors through father Ramesh Chandra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/10-82/1083.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Vill. Bhati, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 18 bighas and 12 biswas Kh. No. 971, Village Bhati, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Varinder Bajaj S/o Sh. Mohan Lal Bajaj
R/o 4/69, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Ashok Kumar S/o Sh. Bodh Raj and
Kamlesh Kumari Bhola W/o Ashok Kumar
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR.III/10-82/1080.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House built on plot No. 26, Block No. 7A situated at Karol Bagh, WEA New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2½ storeyed House built on lease hold plot No. 26, block No. 7A, measuring 181.67 sq. yds. situated at western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-83
Seal :

FORM ITNS

- (1) Subhash Chander Arora S/o Sita Arora
R/o Malviya Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dharam Devi Sharma W/o Late Satya
Dev Sharma R/o B-158, Kalkaji, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR.III/10-82/1063.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. B-15, B situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B.15.B, measuring 100 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Miss Thummala Anasuya (T. Anasuya)
D/o late Dr. Thummala Kodanapani Naidu
R/o 69/3, C.P.W. Qr.
Pushp Vihar (Saket), M.B. Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Lachman Singh S/o Sh. Amar Singh
R/o F-1/4, Malviya Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/AcqI/SR.III/10-82/1062.—Whereas, I,
NARINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. F1/4
situated at Malviya Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No F-1/4, measuring 126, sq. yds. Malviya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 4-6-83
Seal :

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—156GI/83

FORM ITNS

- (1) Smt. Parkasho W/o Sh. Ranjit Singh
R/o Village Dera Mandi, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. sha Jain W/o Dr. Suresh Chand Jain
R/o B-14, N.D.S.E.I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-82/1039.—Whereas, I,
NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at
Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas, M. No. 36, Killa No. 6, Village Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 4-6-83
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) O. M. P. Builders 12, Regal Building
Connaught Place New Delhi, through partners
Sh. D. S. Pal, O. P. Malhotra and O. P. Oberoi.
(Transferor)
- (2) Sat Parkash Sharma S/o Sh.
Changa Mal R/o 32, Udai Park, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-82/1034.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Gadaipur Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bighas and 9 biswas Kh. No. 41/1(0-13), 63 (4-16), Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq1/SR.III/10-82/1028.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Chhattarpur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indira Rani Hardy w/o Sh. Hardayal Singh Hardy r/o 57, Anand lok, New Delhi, through attorney Santosh Kumar, (Transferor)
- (2) Shri Har Kishan Uttam s/o late H. P. Uttam r/o 15, Birbal road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 bighas and 13 biswas Kh. No.1685/2 (3-17), 1684 (4-16), with farm house boundary wall, tubewell, furnitures, fittings and fixtures, Vill. Chhattarpur, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Gopal Singh s/o Sh. Devi Singh R/o Vill.
Bijwasan, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Suraj Construction & Estates (P) Ltd. 115
Ansals Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/10-82/1149.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at New Delhi on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 20 bighas and 2 biswas comprised in Rectangle No. 44, Killa Nos. 17(3-14) 18(4-16), 22 East (2-00), 23 (4-16) and 24 (4-16), situated in the Revenue Estate of Vill. Bijwasan Teh. Mehrauli, Union Territory of Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Shiv Naubh Singh r/o 20, Pritam Road,
Dehradun.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Puspawati Khanna,
2. Smt. Krishana Rani Khanna,
3. Smt. Viney Kumari Khanna,
r/o C-10, Maharani Bagh, New Delhi,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/10-82/1146.—Whereas, I,
NARINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. C-10, Maharani Bagh, New Delhi situated at
Maharani Bagh, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot. No. C-10, Maharani Bagh, New Delhi.
North :—by road 30' wide
South :—by coured Lane
East :—by plot No. C-9,
West :—by road 25' wide.
Covered Area 2735 sq. fts.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Km. Sudesh Rani Verma w/o Rajinder Pal Verma through attorney Kul Bhushan Jain &/o L. Firozi Lal Jain A/P-76, Shalimar Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Nand Kishore, Puran Chand, Mohan Lal, and Sunder Lal Ss/o Ganpat Rai, r/o 56/4422, Regarpura, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/10-82/1134.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D/s House No. XVI/3552 Khewat No. 1 Kh. No. 1893 situated at Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi at New Delhi, on October 1982 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

D/s House No. XVI/3552, Khewat No. 1, Khatoni No. 1893, Kh. No. 1848-49 measuring 100 sq. yds. Block 'L' Gali No. 7-8, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Daljit Batra w/o S. Daljit Singh Batra r/o 8/16, Kalkaji Extension, New Delhi-19.
(Transferor)
- (2) Shri Manoj Plastics Private Limited, A-99/1, Okhla Industrial Area Phase II, New Delhi,
through its Director Smt. Daljit Batra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.III/10/82/1130.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. A-99/1, situated at Okhla Indl. Area Phase II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. A-99/1 Okhla Industrial Area Phase II, New Delhi-110020.
Measuring 643.3 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-6-1983,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mr. S. Chakravarti, 74-A, Ashoka Avenue, Calcutta & Miss Amla Chakravarti, 403, Curzon Road, Aptt. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak Seth, Krishan K. Seth Payal Seth, Rita Seth, r/o 14/B Ganga Ram, Hospital Road, New Delhi-60.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.III/10-82/1128.—Whereas, J. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76, Paschimi Marg, Vasant Vihar situated at Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

76, Paschimi Marg, Vasant Vihar New Delhi.
Floor Area—6522 sq. Fts. Plinth Area 3410 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-6-1983,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—156GI/83

FORM ITNS—

(1) Shri Gopi Chand s/o Tulla
r/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sharat Chand Jain s/o Girdhari Lal Jain,
r/o D-6, Kalindi Colony, New Delhi.
(Transferee)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/10-82/1111. —Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Dera Mandi Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 11 Bighas and 10 biswas M. No. 88 Killa No. 4(4-2), 5(4-16), M. No. 87 Killa No. 2(2-12), Village Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subhash Sachdeva s/o M. L. Sachdeva
r/o 258, D/s New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Movika Enterprises Pvt. Ltd.
E-440, Greater Kailash-II, New Delhi,
through Managing Director K. Mohan Dass.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI.

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/10-82/1120.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

and bearing No. House No. W-149 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. W-149, measuring 400 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gopi Chand s/o Tulla
r/o Dera Mandi, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Sharat Chand Jain s/o Girdhari Lal Jain,
r/o D-6, Kalindi Colony, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-1/SR.III/10-82/1112.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 13 bighas and 8 biswas bearing M. No. 15 Killa No. 11 (4-16), 20(4-16), 21(3-16), Village Dera-Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Chuni Lal s/o Sh. Hari Chand,
r/o 4616 Shora Kothi, Paharganj, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Babu s/o Sh. Giriraj Parshand
r/o 303 Mantola, Paharganj, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.III/10-82/1115.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 4616 situated at Pahar Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2½ storeyed building measuring 110.50 sq. yds. property No. 4616, Paharganj, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Sh. Badley s/o Late Sh. Jugla
r/o Vill. Jaunapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Rajni Kukreja w/o Sh. Mohan Kukreja
r/o E-26, NDSE Pt. I, New Delhi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-II/10-82/1101.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Jaunapur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 8 bighas and 16 biswas Vill. Jaunapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1983.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Parnela Singh w/o Sh. K. K. Singh
r/o B-91, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Sushila Nagpal w/o S. C. Nagpal,
r/o B-1/4, Hauz Khas, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR.III/10-82/1094.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Chhattarpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas and 19 biswas, Kh. No. 1833/2(0-10), 1833/3/2(0-12), 1833/4/2(1-3), 1835/5/2 (0-10) 1833/6/2(1-4), Vill. Chhattarpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-83.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. TAC/Agq.-I/SR.II/10-82/1093.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Chattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pamela Singh w/o K. K. Singh
 r/o B-91, Defence Colony, New Delhi.
 (Transferor)
 (2) Sh. Sri Chaod Nagpal s/o Gian Chand Nagpal
 r/o B-1/4, Hauz Khas, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 1834/1(2-16), 1834/2(2-0), Vill. Chattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 4-6-83.
 Seal.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq 1/SR. III/10-82/1091.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri D. R. Gupta s/o Sh. Balwant Rai r/o N-155, Panchsheel Park, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Tarlochan Singh s/o S. Natha Singh Anand and Mrs. Narindar Kaur Anand w/o S. Tarlochan Singh r/o A-3, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas and 19 biswas Teh. Mehrauli No. 754, Vill. Sultanpur Teh. Mehrauli, New Delhi, with one room and tubewell.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—156GI/83

Date : 4-6-83.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. AC/Acq.I/SR.III/10-82/1092.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and

Agri. land situated at Vill. Sultanpur, Teh. Mehrauli, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Smt. Magan Mala Jain w/o Subhas Jain
r/o Green Park, New Park.
(Transferor)
- (2) Shri Tarlochan Singh s/o S. Natha Singh Anand
and Mrs. Narinder Kaur Anand w/o S. Tarlochan
Singh r/o A-3, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land measuring 7 bighas and 2 biswas bearing Khasra
Nos. 752 (4-16), 750 min (2-6), Vill. Sultanpur, Teh.
Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 4-6-83,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following
persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Smt. Sharbati Devi w/o Sh. Ram Saran Dass,
r/o Vikram Vihar, Lapat Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Tarlochan Singh s/o S. Natha Singh Anand and
Mrs. Natinder Kaur w/o S. Tarlochan Singh
r/o A-3, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-1/SR.III/10-12/1090.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas and 18 biswas bearing Khasra No. 751 (3-12), 753 (3-6), situated at Vill. Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-83
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Laxmi Devi Tandon w/o Sh. S. S. Tandon,
5008, Sirkialan, Lal Quan, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Renu Gupta w/o Sh. Laxmi Narain,
2367, Chatta Shahji, Chawri Bazar, Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR. IV/10-82/333.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property Khasra No. 24 situated at Karawal Nagar, Delhi, Shahdara, Delhi-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Khasra No. 249, measuring 300 sq. yds. situated at Karawal Nagar, Delhi, Shahdara Delhi-32.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 9-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/10-82/9723.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5006-8/Part 4 & 5006-8/Part 5 situated at Hamdard Marg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Jaisav Samiti (Regd.)
r/o 8A/1, Everest House (Regd. Office)
46C, Chowringhee Road, Calcutta
(Head Office 5008, Sirkewalan, Delhi-6.
(Transferor)
- (2) Delhi Registered Stockholders Association Ltd.,
Regd. Office at Hauz Qazi, Delhi &
M/s. Satyashel Gupta HUF and
M/s Udit Property Company Jaisav Place,
Hamdard Marg, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Mpl. No. 5006-8/Part 4 and 5006-8/Part 5 in Ward No. 7, Hamdard Marg, Delhi mg. 250 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 1-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Rajinder Advertisers, 315, Dhirpur, Delhi-9 through its partners 1. Sh. Rajinder Kumar, Vohra, 2. Sh. Naresh Vohra ss/o late Sh. Avinash Ram Vohra r/o 2/53-A, Nirankari Colony, Delhi-9.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

(2) M/s Universal Engineers at D 1 (G.F.) Viran Bhawan, Commercial Complex, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9 through its partner Sh. Gopal Dass.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acq 11/SR-1/10-82/9699.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18, Block-A, situated at Dr. Mukherji Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 18, in Block-A (A/18) mg. 101.44 sq. mtrs. situated in the lay-out plan of Community Centre, Kingsway North, Dr. Mukherji Nagar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR.I/10-82/9696.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 5552 to 5559 situated at Basti Harphool Singh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Ratni Devi Sethia w/o Hanumanmal Sethia
2. Mal Chand Sethia w/o Hanuman Mal Sethia
r/o 29, Shakespeare Sarani, Calcutta now
r/o 10872, Jhandewalan Nabi Karim, Delhi-6.
(Transferor)
- (2) Smt. Gianwati Jindal w/o Shiv Kumar Jindal
r/o Plot No. 27, Basti Harphool Singh, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided half share in Double Storeyed pucca built house bearing No. 5552 to 5559, constructed on plot No. 27, measuring 233.3 sq. yds. situated at Basti Harphool Singh, Delhi. Area under Sale measuring about 117 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1983
Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 7th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/10-82/9700.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Property No. 5552 to 5559 situated at Basti Harphool Singh
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/2 undivided share in property No. 5552 to 5559 on plot No. 27, Bisti Harphool Singh Delhi-6, area 233.3 Sq. yds.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/10-82/9691.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing 1/3rd undivided share of prop. No. 461 (new) situated at Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Upinder Nath Kapoor s/o Sh. Thakar Dass Kapoor, r/o 461, Gali Zinat Bari, Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Aggarwal w/o Sh. Kamal Kishore r/o K-2/11, Model Town, Delhi & Master Sanjay Nagpal under the Guardianship of Sh. Turvinder Kumar s/o Sh. Bodh Raj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property No. 274 (old) 461 (new) situated in Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—156GI/83

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-I/10-82/9719.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/3rd undivided share of prop. No. 461 (new) situated at Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rajinder Nath Kapoor s/o Sh. Thakar Dass Kapoor, r/o 638, Dr. Mukherji Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Aggarwal w/o Sh. Kamal Kishore r/o K-2/11, Model Town, Delhi & Master Sanjay Nagpal under the Guardianship of Sh. Turvinder Kumar s/o Sh. Bodh Raj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property No. 274 (old) 461 (new) situated in Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 13-6-1983
Seal

FORM ITNS

- (1) Shri Vishwa Nath s/o
Shri Khushi Ram r/o
B-2/21, R. P. Bagh, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Ramesh Chander and
Sh. Subhash Chander Malhotra ss/o
late Sh. Sohan Lal, r/o
6/3, Singh Sabha Road, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/10-82/9670.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. M/9, situated at Satyawati Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1982
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. M/9, part of khasra No. 86, 88, 89, 92 to 96
98 to 107, mg. 150 sq. yds., situated at vill. Sadhora Kalan,
Abadi Satyawati Nagar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 13-6-1983
Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITIN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/10-82/9714.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

E-1, situated at Bali Nagar, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(1) Sh. Ved Parkash Dua s/o
Sh. Sharma Ram Dua,
Smt. Devi Bai w/o
Sh. Tulsi Dass Chawla, r/o
E-56, Kirti Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Gopal Mehta s/o
Sh. Bhola Nath Mehta, r/o
C-29, Bali Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Built portion consisting of two shops bearing private
No. 4 & 5 with open space bearing No. E-1, Bali Nagar,
New Delhi with the land mg. 100 sq.yds. under the said
portion.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.Date : 13-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mitter Singh s/o
late Sh. Sunder Singh, r/o
53, Minto Road, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Bali B. Rajani,
Shri Daulat Ram B. Rajani and
Shri Kumar B. Rajani, all r/o
30/22, East Patel Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/10-82/9686.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

30/22, situated at East Patel Nagar, N. Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed built-up property No. 30/22, East Patel
Nagar, N. Delhi : mg. 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-6-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/10-82/9701.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property No. 81/B situated at Vill. Rajpur Chhawni Old Gupta Conoly, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kuldip Kaur w/o Shri Jagjit Singh, r/o 6/3 Vijay Nagar, Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Ranjeet Kaur w/o Shri Satwant Singh, r/o A/156, Gujranwala Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 81/B Kh. No. 224/2, Vill. Rajpur Chhawni old Gupta conoly, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. O. P. Verma s/o
Shri L. Khushi Ram, r/o
J-173, Rajouri Garden, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Khosla s/o
Sh. Shri Krishan Khosla, r/o
L-19, Rajouri Garden, N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/10-82/9707.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
J-173, situated at Rajouri Garden, N. Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

House built on plot No. J-173, mg. 301 sq. yds. situated
at Rajouri Garden, vill. Bassai Darapur, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 1-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/10-82/9663.—Whereas I,

SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

864 to 868 (Old) situated at Main Bazar, Chitliqabar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mst. Mahmood Jahan Begum d/o late Syed Zulfiqar Ali w/o Shri Abdul Khaliq, r/o 1419, Gali Madarsa Inayatullah, Gali Qasimjan, Bazar Ballimaran, Delhi-6.
(Transferor)

(2) Mst. Zahida Bi w/o Sh. Tajuddin, r/o 1503, Pahari Rajan Bazar, Chitli Qabar, Delhi-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building consisting shops & Balakhana joined with each other bearing Mpl. No. 864 to 868 (Old) 1463/1 (New) and 1468 to 1471 (New) Ward No. IX, at Main Bazar, Chitliqabar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Satya Paul Raheja, r/o I-67, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Sudesh Chandra Seth, r/o 8 South Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/10-82/9717.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 61, Block No. I, situated at Kirti Nagar, New
Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 61, Block No. I, Kirti Nagar, New Delhi comprising area of 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 1-6-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—156 GI/83

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.-II/R-II/10-82/8096.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Barnauli, Tch. Meharauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Singh s/o
Shri Lalla,
Shri Daya Nand s/o
Shri Lalla, r/o
Vill. Barnauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev Pahwa s/o
Shri T. N. Pahwa, r/o
Jitander Pahwa w/o
Shri Vasudev Pahwa, r/o
3/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 bighas and 17 biswas Kh. No. 245 Min. East (2-8), 248 East (1-5), 249 East (1-4), situated in Vill. Barnauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI

Date : 9-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-82/8095.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Singh s/o
Shri Daya Nand s/o
Shri Lalla, r/o
Vill. Bamnauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev Pahwa s/o
Shri T. N. Pahwa, r/o
3/20, East Patel Nagar,
New Delhi &
Shrimati Jitander Pahwa w/o
Shri Vasudev Pahwa, r/o
3/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, 3 bighas and 14 biswas Kh. No. 237 East (1-6) 240 min. East (2-8), Village Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
DELHI/NEW DELHI.

Date . 9-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. /IAC/Acq II/SR-II/10-82/8097.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Agri. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Rattan Singh s/o
Shri Daya Nand s/o
Shri Lelia r/o
Vill. Banauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev Pahwa s/o
Shri T. N. Pahwa, r/o
3/20, East Patel Nagar,
Shrimati Jitander Pahwa w/o
Shri Vasudev Pahwa, r/o
3/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 241 min. East (2-8), 244 min. East (2-8), Vill. Mamnauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 9-6-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kharaiti Ram s/o
Sh. Chuni Lal Chawla, r/o
J-7/74 Rajouri Garden, New Delhi-27.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Jagjit Kaur w/o
Sh. Jaswant Singh and
Sh. Herbhajan Singh s/o
Shri S. Sardara Singh, r/o
J-11/33, Rajouri Garden, New Delhi-27.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8037.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
J-11/33, situated at Rajouri Garden, N. Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. J-11/33, Rajouri Garden, N. Delhi mg. 160
sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8074.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vill. agri land situated at Vill. Mundka, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Atma Ram Gianchandani s/o Shri Lekh Raj, r/o C-84, New Multan Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Satvir Singh s/o Shri Ram Karan, r/o 617-B, Mandir Marg, Mangloji, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area 3 bighas 34 biswas out of Kh. No. 67/8 of Vill. Mundka, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 9-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Atma Ram Gianchandani s/o
Shri Lekh Raj, r/o
C-84, New Multan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha w/o
late Capt. Gaj Singh, r/o
WO : Brahi Distt. Rohtak, Haryana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8072.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vill. agri land situated at Vill. Mundka, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 3 bighas 3½ biswas out of Kh. No. 67/8 of Vill. Mundka, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date : 9-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Atma Ram Gian Chandani s/o Sh. Lekh Raj
r/o C-84, New Delhi Multan Nagar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santra Devi w/o Sh. Satvir Nandal r/o 617-B,
Mandir Marg, Nagloi Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR.II/10-82/8073.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and
bearing
No. Agri land situated at Vill. Mundka Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
at Delhi on October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas Kh. No. 413/1,
Situated at Mundka Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-6-1983,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/AcqI/SR.II/10-82/8035.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House built on plot. No. EG-100 situated at Inderpuri, Vill. Naraina, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—156 GI/83

(1) Shri Kishan Dass Bulani s/o Sh. Bakhat Ram r/o 29, Goanka Market, Moti Bazar, Amritsar, through his G.A. of Sh. Kundan Lal Trehan s/o Sh. Sita Ram Trehan r/o EG-100, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sohan Devi w/o Shri Kundan Lal Trehan r/o EG-100, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. EC-100, measuring 128 sq. yds. situated at Inderpuri, area of Village, Naraina, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Seal :
Date : 10-6-1983.

FORM ITNS

(1) Shri Kirpal Singh s/o Sobha Singh,
r/o 8/8B-41, Singh Sabha Road, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 10th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/10-82/8027.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri-land situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory built-upon 250 sq. yds. part of Kh. No. 13/12/1 in the Lal dora of Village Samepur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1983.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Uma Ohri w/o Shri S. S. Ohri,
No. 22E, N.P.L. Qrs. New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/10-82/8071.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7(WZ-248) situated at Village Naraina of Inderpuri Extn. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Free Hold plot No. 7(WZ-248) measuring 200 sq. yds. out of Kh. No. 1599, situated in the area of Village Naraina, in the abadi of Inderpuri Extn., New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1983,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Lal, Shri Jag Mohan Lal, Shri Harbans Lal and Shri Panna Lal ss/o late Shri Sarb Dayal all r/o 59/38-39, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Kumar Sapra Deepak Sapra and Shri Surinder Sapra ss/o Shri Ram Lubhaya, r/o H. No. 1666, Bahadur Garh Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-82/8091.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9, Road No. 4, Class-C, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 9, on Road No. 4, Class-C, mg. 555.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Shakurpur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kirpal Singh s/o Shri Sobha Singh r/o 8/8B-41,
Singh Sabha Road, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-82/8026.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Factory built-upon situated at Village Samepur, Dehli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ravinder Kumar Singhal s/o Shri Hirdev Rai Singhal r/o D-22, Ashok Vihar Phase-I, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Factory built-upon 250 sq. yds. Kh. No. 13/12/1 in the Lal Dora of Vill. Same Pnr, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Raj Kumari w/o Shri Hans Raj r/o B-129, Ashok Vihar, Delhi.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

(2) Smt. Brij Dua w/o Shri Suraj Dua r/o N-2, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

New Delhi, the 13th June 1983
Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-82/8067, Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Village Akbarpur Majra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 8 bighas 17 biswas bearing part of Kh. Nos. 30/19(4-5), 30/20/2(4-12), 30/21/2(4-12), 30/22(4-5) of village Akbarpur Majra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raj Kumar w/o Hans Raj r/o B-129, Ashok Vihar, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Rama Chhabra w/o Shri Santosh Chhabra r/o 25/42, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.JI/SR-II/10-82/8066.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Akbar Pur Majra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land mg. 8 bighas 17 biswas being part of Kh. Nos. 36/1/2(4-12), 36/2(4-5), 36/9(4-5) and 36/10/2(4-12) of village Akbar Pur Majra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Kumari w/o Shri Hans Raj
r/o B-129, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Dua w/o Shri Arun Dua r/o N-2,
Kirti Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-82/8068.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agr. land situated at Village Akbar Pur Majra, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 8 bighas 17 biswas being part of Kh. Nos. 30/
19(4-5), 30/20/2(4-12), 30/21/2(4-12), and 30/22(4-5) of
village Akbar Pur Majra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 13-6-1983.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Rattan Singh s/o Lalia,
Daya Nand s/o Lalia r/o Vill. Bamnauli, New Delhi.
Transferor
- (2) Shri Suresh Pahwa s/o Shri T. N. Pahwa, Mrs.
Prabha Pahwa w/o Suresh Pahwa r/o 3/20, East
Patel Nagar, New Delhi.
Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-82/8094.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Village Bamnauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land .3 bighas and 15 biswas Kh. No. 237 min West (1-7), 240 min (2-8), Village Bamnauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : +

33—156GI/83

Date : 9-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Raj Kumari w/o Shri Hans Raj r/o B-129,
Ashok Vihar, Delhi.
Transferor(s)

(2) Shri Harish Chander Chhabra s/o Shri Krishan Lal
Chhabra r/o 25/42, Punjabi Bagh, Delhi.
Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-82/8065.—Whereas I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Akbarpur Majra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 8 bighas 17 biswas bearing part of Kh. Nos. 36/1/2(4-12), 36/2(4-5), 36/9(4-5) and 36/10/2(4-12) of Village Akbar Pur Majra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-6-1983,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-82/8080.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Alipur, Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 for an apparent consideration which is less than the fair (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dhanni Bai w/o Ridha Ram self & G.Ah. of S/Shri Jagan Nath, Harish Chander ss/o Ridha Ram, Smt. Dayali Bai d/o Ridha Ram all r/o VPO : Alipur, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Thakri Bai d/o Ridha Ram r/o 38-A, Sector-I, NIT Faridabad, Haryana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 8 Bighas 1 biswas bearing Kh. No. 458(4-16), 450(3-5) of village Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/10-82/8081.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Agr. land situated at Village Alipur, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with object of :—

(1) Smt. Dhanni Bai wd/o Ridha Ram, self & G.A. of
S/Shri Jagan Nath, Harish Chander ss/o Ridha
Ram, Smt. Dayali Bai d/o Ridha Ram all r/o
Village Alipur, Delhi, Thakri Bai s/o Ridha Ram
r/o 38-A, Sector-A, NIT, Faridabad, Haryana.
(Transferor)

(2) Smt. Chela Devi w/o Om Prakash r/o 528, Alipur,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area 6 bighas 16 biswas bearing Kh. No. 454/2 and 455/2
of village Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
ing persons, namely :—

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8118.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi,
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S/Sh. Kapoor Chand & Sh. Ram Chander ss/o
Lala Soondhu Ram R/o Vill. Sarai Peepal Thala,
Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi W/o Sh. Tulsi Ram, Arun Kumar
S/o Tulsi Ram both R/o 16, Silver Park,
Patparganj, Delhi & Smt. Asha Goel
W/o Vijay Kumar R/o 1734, Nai-Basti, Naya Bazar
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

P. No. 146/2/137, khasra No. 52, mg. 1700 sq. yds. within
Lal Dora of village Nangli Poona, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Krishan Chand S/o Sh. L. Mathra Dass, R/o J-3/148, Rajouri Garden, N. Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Kasturi Lal Bhatia S/o Sh. Maya Dass Bhatia, R/o E-38 Bali Nagar, N. Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8010.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/148, situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. J-3/148, mg. 160 sq. yds. situated at Rajouri Garden, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8038.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Agr. land situated at Vill. Alipur, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Dr. Gangadhar Dhalla S/o Sh. Tilla Ram Dhalla
R/o Suiwalan, Bill Mukabil Chitliqabar, Delhi
though Sh. Devender Singh S/o Sh. Santokh Singh
R/o 18/16, Old Rajender Nagar, New Delhi.
(Transferor)
(2) Sh. Balbir Singh S/o Sh. Nathu Ram
R/o 485 vill, Alipur, Delhi Administration,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 22 bighas 4 biswas vill, Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JI
Delhi/New Delhi

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Dalmia Biscuite Private Ltd., No. 10,
Darya Ganj, Delhi-6 through Shri C. B. Patel
S/o Shri D. A. Patel R/o 7/31, Darya Ganj,
Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Babu Ram Gupta
R/o A-106, Inderpuri Colony,
New Delhi-12.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8104.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. B-64, situated at Inderpuri, N. Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-64, on area 306/7/8 sq. yds. out
of Khasra No. 1606, 1607, 1608, 1610, situated in the area
of vill. Nariana in the abadi of Inderpuri Colony an approved
colony, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delh
Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Rattan Singh S/o Lalia, Daya Nand S/o Lalia R/o Vill. Bamnauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Suresh Pahwa S/o Sh. T. N. Pahwa and Mrs. Prabha Pahwa W/o Sh. Suresh Pahwa R/o 3/20, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8099.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at Vill. Bamnauli, New Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 241 min West (92-8), 244 min. West (2-8); Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Comisioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 9-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Sh. Rattan Singh S/o Lalia, Daya Nand S/o Lalia
R/o Vill. Bamnauli, N. Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Suresh Pahwa S/o Sh. T. N. Pahwa & Mrs
Prabha Pahwa S/o Suresh
Pahwa R/o 3/20, East Patel Nagar,
New Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/10-82/8098.—Whereas, I
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bamnauli, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi in Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighas 17 biswas khasra No. 245 west (2-8), 248 West (1-4), 249 West (1-5), situated at village Bamnauli, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8017.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3360, situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Kadam Singh S/o Sh. Yad Ram R/o WZ 3356, Rajouri Garden, N. Delhi, Gen. Attorney of Sh. Mam Chand S/o Sh. Bihari R/o 3360, Rajouri Garden, Delhi vide GPA 6th Sept., 82,
(Transferor)
- (2) Smt. Sumitra Devi W/o Sh. Kadam Singh R/o WZ 3356, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. WZ 3360, Rajouri Garden, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Chandgi Ram S/o Sh. Mohan Lal
R/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Chander S/o Sh. Pyare Lal R/o Alipur,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-82/8013.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Agr. land situated at Vill. Alipur, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 35 bighas 16 biswas Kh. No. 411 (4-17), 415
(4-16), 442/2 (6-17) 445 (0-6), 446 (4-15) 477 (4-16) 448
(0-16) 462/1 (0-1) 462/3 (3-18), 463/3 (2-1) 463/1 (12-
18), situated at Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Sh. Ansal Housing & Estates (P) Ltd.
115, Ansal Bhawan, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Everlast Auto Industries
R/o 1636, S. P. Mukherji Marg,
Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IIG-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/10-82/1.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. B-3, in bldg. A/12-13, situated at Dr. Mukherji
Nagar, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULEFlat No. B-3, in building A/12-13, Dr. Mukherji Nagar,
Delhi Area 348 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi / New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 13-6-1983

FORM ITNS

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Sarita Trehan & Mr. V. K. Trehan
R/o 2332, Kucha Chelan
Daryaganj, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/10-82/2.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat No. 107/A-4/2, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
IAC, Acq. Range-II New Delhi on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107/A-4/2, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Everlast Auto Industries
R/o 1636, S. P. Mukherjee Marg, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1983

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/10-82/3.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. B-4/in bldg. A/12-13, situated at Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at IAC, Acq. Range-II New Delhi on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-4/in building A/12-13, Dr. Mukherji Nagar, Delhi Area 513 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th June 1983

Ref. No. A.P. No./4372.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mohinder Singh S/o Gajjan Singh
R/o Basti Sheikh,
(Transferor)
- (2) 1. Phool Kaur W/o Niranjan Singh
R/o SN-61, Shastri Nagar, Jalandhar
2. Radhey Sham Malhotra S/o Lok Nath
R/o Mohalla Sawan Nagar, near new
Grain Market, Jalandhar. 3. Dr. Manjit Singh
S/o Devinder Singh and Smt. Jaswinder Kaur
W/o Dr. Manjit Singh R/o
504, Model Gram, Ludhiana
5. Harjot Kaur W/o Devinder Singh
R/o WF-218, Ali Mohalla, Jalandhar
6. Raj Rani W/o Amar Singh
R/o WF-218, Ali Mohalla, Jalandhar
7. Amar Kaur W/o Jarnail Singh
R/o back side 18-A, Model House, Jalandhar.
(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 K1, 3 Mls. situated in Besti Shaikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4566 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 9-6-1983
Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Gurteg Singh S/o Bhog Singh
R/o V. Kingra Tch. Jalandhar
through G.A. Manjit Singh.
(Transferor)
- (2) Baldev Singh S/o Sh. Bachan
Singh R/o V. Shisherwal, Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th June 1983

Ref. No. A.P. No./4373.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at
V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed here to)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
(1908) in the office of the registering
Officer at Jalandhar on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 1K-5 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4591 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 279D of the said Act, to the following
persons, namely :—

35—156 GI/83

Date : 9-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No./4377.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at

Maur Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bachno D/o Punjab Kaur Wd/o Sh. Mit Singh through Sh. Chanan Singh S/o Jora Singh R/o Maur Khurad Teh. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Walait Ram S/o Banarsi Dass, Maur Mandi, Smt. Kamlesh Rani W/o Dr. Janak Raj Maur Mandi, Vinod Kumar S/o Yash Paul, Bagha Purana, Baldev Singh, Darshan Singh S/o Kartar Singh R/o Bhibhi Sh. Farangi Lal S/o Ram Krishan, Maur Mandi, Krishna Rani W/o Des Raj, Maur Mandi, Devki Devi W/o Tarsem Chand, Maur Mandi, Darshan Kumar S/o Birbal Dass and Janak Raj S/o Birbal Dass C/o Tulsi Ram Birbal Dass, Maur Mandi Teh. Talwandi Sabo.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2130 of Oct. 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No.4378.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Maur Mandi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Ganga Singh Urf. Ganga Ram
S/o Sh. Hardit Singh
R/o Raman Patti, Maur Khurad Teh.
Talwandi Sabo.
(Transferor)
- (2) Bhag Singh S/o Babhal Singh C/o
E.O. Municipal Committee, Maur Mandi, Teh.
Talwandi Sabo. 2. Balraj S/o Babu Ram, Atta
Chakki, Maur Mandi, Teh. Talwandi Sabo.
3. Smt. Koshalya Rani W/o
Pawan Kumar, Maur Mandi, Smt. Dia Rani W/o
Darshan Kumar, Maur Mandi, Uddam Singh,
Mander Singh, Himat Singh S/o Hamir Singh
R/o Maur Mandi Teh. Talwandi Sabo.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2139 of Oct. 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No./4379.—Whereas I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Maur Mandi, Teh. Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Kewal Krishan S/o Hans Raj
Maur Mandi, Tch. Talwandi Sabo. (Transferor)
- (2) Darshan Lal, Janak Raj
S/o Birbal Dass
C/o Tulsi Ram Birbal Dass, Maur Mandi, Teh. Talwandi Sabo. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2195 of Oct. 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :—

FORM No. ITNS

- (1) Zila Ram S/o Kundan Lal
R/o Maur Mandi Teh. Talwandi Sabo.
(Transferor)
- (2) Des Raj, Tarsem Chand
S/o Birbal Dass
C/o Tulsi Ram Birbal Dass, Maur Mandi,
Teh. Talwandi Sabo.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No./4380.—Whereas I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Maur Mandi, Teh. Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2199 of Oct. 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No./4381.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Phagwara on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ram Sarup S/o Bhagat Ram
Moh. Tabacoo Koota, Mehli Gate Phagwara.
(Transferor)
- (2) Harbhajan Singh S/o Mehma Singh
Vill. Rahana Jattan, Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 1715 of Oct. 1982 of the Registering Authority,
Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269B of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No./4382.—Whereas I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
As per Schedule situated at
Maksoodpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering
Officer at Jalandhar on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Balbir Singh S/o Banta Ram
attorney of Smt. Gurbachan Kaur W/o
Chanan Singh R/o V. Chuck
Jinda Teh. Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Raghbir Singh & Nachhiter Singh
S/o Sarwan Singh R/o V. Maksoodpur,
Teh. Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property 45 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons
as mentioned in the registration sale deed No. 4642 of
October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th June 1983

Ref. No. A.P. No./4383.—Whereas I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Balbir Singh S/o Banta Ram attorney of Gurbachan Kaur R/o V. Chuck Jinda, Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Harbhajan Kaur W/o Sarwan Singh and Sarwan Singh S/o Jiwan Singh R/o V. Maksoodpur Teh. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 51 Mls. situated in V. Maksoodpur & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4586 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Savitri Devi W/o Ishwar Chand
R/o Anand Ashram, Basant Gali,
Khar Khari, Haridwar (U.P.).
(Transferor)
- (2) Sh. Ishar Dass S/o Kishore Chand
Gali No. 1, Jain Nagri, Abohar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No./4374.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at
Jain Nagri, Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2063 of Oct. 1982 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-6-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—156 GI/83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No./4384 to 89.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR
 being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at
 V. Nagra
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Nasib Kaur D/o Sh. Bishan Singh R/o V. Nagra Teh. Jalandhar.
 (Transferor)

(2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society Ltd. Jalandhar through Sh. Satish Kumar Chopra C/o Laxmi Store, Cloth Merchants, Jaura Gate, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 4557, 4522, 4660, 4593, 4705, 4690 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-6-1983
 Seal :

FORM ITNS

(1) Joginder Singh S/o Kishan
Singh R/o V. Nagra Teh. Jalandhar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

(2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society Ltd. Jalandhar through Sh. Satish Kumar Chopra, Secretary of the Society, C/o Laxmi Store, Cloth Merchants, Jaura Gate, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jalandhar, the 14th June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. No., 4390 to 4402.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Oct. 82 & Feb. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration deed No. 4556, 4525 of October, 1982 and 7165 of February, 1983 and 4900, 4881, 4855, 4842, 4789, 4594, 4753, 4706, 4689, 4659 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) Gian Kaur Wd/o Harnam Singh
R/o V. Nagra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Unique Co-op. House
Bldg., Society, Ltd. Jalandhar through
Sh. Kamaljit Singh, Pardhan of the Society,
Insurance Office, Patel Chok, Jalandhar.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No./4409 and 4410.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Oct. & Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deeds No. 4497 of October, 82 and 5628 of November, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Ajai Singh, Gurdip Singh
S/o Sohan Singh R/o V. Marhmaloo
Tehsil Muktsar.
(Transferor)

(2) Makhan Singh S/o Arjan Singh
R/o V. Kotli Ablu Tch. Muktsar.
(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. No./4411.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. as per schedule situated at V. Marhmaloo,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Muktsar in Oct 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property land 43 Kls. 10 Mls. situated in V. Marhmaloo
and persons as mentioned in the registration safe deed No.
2237 of October, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No./4412.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar in Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sukhdev Singh S/o Joginder Singh
 R/o H. No. 2716, Patti Pujarian, Muktsar.
 (Transferor)

(2) Krishna Devi W/o Som Parkash
 and Dev Kumar, Hans Raj S/o Hukam Chand
 R/o V. Malout.
 (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 5 Kls. 2 Mls. situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2319 of October, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 15th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4412.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lalit Mohan Bhalla
S/o Amar Dass,
Mukhtiar Suresh Kumar
S/o Lalit Mohan,
G-56, P&T Colony,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander
S/o Sohan Lal
R/o WL-309, Basti Guzan,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. ES-3, situated at Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4908 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR.

Jalandhar, the 15th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4414.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar on October 1982

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
thereby by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lalit Mohan Bhalla
S/o Amar Dass,
Mukhtiar Suresh Kumar
S/o Lalit Mohan,
S/o Lalit Mohan,
G-56, P&T Colony,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal
S/o Sohan Lal
R/o WL-309, Basti Guzan,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property House No. ES-3, situated at Jalandhar and persons
as mentioned in the registration sale deed No. 4908 of October,
1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-6-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 15th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4415.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Sehdev Market, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Sarup Chanana
S/o Kartar Singh
R/o Sehdev Market,
Jalandhar
Mukhtiar-ai-Khas
Shri Harnam Singh
S/o Bur Singh

(Transferor)

(2) Smt. Darshna Chanana
W/o Ram Sarup Chanana
R/o Sehdev Market,
Jalandhar

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property plot of land situated at Sehdev Market, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4952 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—156 GI/83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 15th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4416.—Whereas I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
As per Schedule, situated at Muktsar
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajbans Kaur D/o Bhai Jaberjang Singh, R/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Singh, Amandeep Singh S/o Gurmail Singh and Jagmohan Singh, Amritpal Singh S/o Karnail Singh V. Fatten Wala, Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 5/64 share in Ajit Talkies, Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2363 of October 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 15-6-1983

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Satinder Pal S/o
Bhai Jaberjang Singh,
R/o Muktsar.
(Transferor)

(2) Shri Sandip Singh, Amandeep Singh
S/o Gurmail Singh,
R/o Fattenwala,
Teh. Muktsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4417.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property 5/64 share in Ajit Talkies, Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2364 of October 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/45.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Tung Bala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (1) Shri Tilak Raj
S/o Shri Ish Dass,
R/o Pawan Nagar,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Maaninder Kaur
W/o Shri Tikka Narinder Singh,
R/o 421 Prem Nagar,
Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

One property situated at Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11216 dated 18-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR 83-84/46.—Whereas I,
HARDAYAL SINGH, IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
One plot of land situated at
Kashmir Avenue, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

- (1) Shri Madan Lal
S/o Shri Gurdial Mal,
R/o Pawan Nagar,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh
S/o Shri Hari Singh
R/o Tangra,
Tch. & Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Kashmir Avenue, Amritsar,
as mentioned in sale deed No. 11632 dated 28-10-82 of
registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/47.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. A plot of land situated at
Kashmir Avenue, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Sham Lal
S/o Shri Gurdial Mal,
R/o Pawan Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Rani
W/o Ashok Kumar,
R/o Shivala Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at T.P. Scheme No. 53, Kashmir
Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10927 dated
7-10-82 of registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1983

Ref. No. ASR/83-84/48.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
One plot of land situated at
Majitha Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Surjit Chand
S/o Shri Kishan Chand
R/o Tehsilpura, Amritsar,
Smt. Neelam Kanta
W/o Shri Vijay Kumar,
R/o 164, Sharispura,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Harjinder Kaur
W/o Shri Darshan Singh
S/o Shri Hira Singh,
R/o Bhikhiwind,
Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Majitha Road, Amritsar, as
mentioned in sale deed No. 11262 dated 19-10-82, of the
registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-6-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TALOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1983

Ref. No. ASR/83-84/49.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Chand
S/o Shri Kishan Chand
R/o Tchilpura, Amritsar,
Smt. Neelam Kanta
W/o Shri Vjay Kumar,
R/o 164, Sharifpura,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh
S/o Shri Hira Singh,
R/o Bhikiwind,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11264 dated 19-10-82, of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-6-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/50.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—156 GI/83

(1) Shri Surjit Chand
S/o Shri Kishan Chand
R/o Tehsilpura, Amritsar and
Smt. Neelam Kanta
W/o Shri Vijay Kumar,
R/o Sharifpura,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwant Kaur
W/o Shri Savinder Singh,
R/o Khem Kuran, Tch. Patti,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11253 dated 18-10-82, of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surjit Chand
S/o Shri Kishan Chand
R/o Tehsilpura, Amritsar,
and Smt. Neelam Kanta
W/o Shri Vijay Kumar,
R/o Sharifpura,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Savinder Singh
S/o Shri Gurbux Singh,
R/o Khm Karan, Teh. Patti,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3, CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/51.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
One property situated at
Majitha Road, Amritsar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar in October, 1982.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

One property, situated at Majitha Road, Amritsar, as men-
tioned in sale deed No. 11254 dated 18-10-82 of the regis-
tering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/52.—Whereas, I,

HARDAYAL SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Neelam Kaur
W/o Shri Vijay Kumar
R/o Sharifpura, Amritsar and
Shri Surjit Chand s/o Shri Kishan Chand,
R/o Tehsilpura,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur
W/o Shri Hardeep Singh Chohan
R/o Kot Bhagat Singh,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated at Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11255 dated 18-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/53.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Neelam Kanta
W/o Shri Vijay Kumar
R/o Sharifpura, Amritsar and
Shri Surjit Chand
s/o Shri Kishan Chand,
R/o Tehsilpura,
Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Hardeep Singh Chauhan,
S/o Shri Gurbux Singh,
R/o Kot Bhagat Singh,
Amritsar,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One property situated at Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11258 dated 18-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Vijay Sen
S/o Shri Balwant Rai,
R/o 32 Ruce Course Road,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar
S/o Shri Sham Dass,
Shri Rakesh Kumar
S/o Shri Bansi Lal
R/o Quila Bhangian,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd June 1983

Ref. No. ASR/83-84/54.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Shastri Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in October, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Shastri Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11523 dated 25-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd June 1983

Ref. No. ASR '83-84/55.—Whereas I,
HARDAYAL SINGH, IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No.

A plot of land situated at Shastri Nagar, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
S.R. Amritsar in October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vijay Sen
S/o Shri Balwant Rai,
R/o 32 Race Course Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Sham Dass, Baasi Lal
S/o Shri Kishore Chand
R/o Quila Bhangian,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Shastri Nagar, Amritsar, as
mentioned in sale deed No. T1524 dated 25-10-82 of the re-
gistering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-6-1983
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 10th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/56.—Whereas I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land situated at Vill. Heir, Teh. Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Gurmukh Singh
S/o Shri Bur Singh
R/o Vill. Heir,
Teh & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kesar Kaur
W/o Shri Charan Singh
S/o Shri Didar Singh
R/o Circular Road,
Mental Hospital,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 18 Kanals, 13 marlas situated in Vill. Heir, Teh. & Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11327 dt. 20-10-82 of registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/57.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land situated at New Partap Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harbans Singh
S/o Shri Kartar Singh
R/o Ajit Nagar, Amritsar,
Through Sh. Sohan Lal
S/o Sh. Ranjit Singh,
Partap Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari
W/o Shri Lakhbir Singh,
S/o Shri Mohan Singh,
R/o 95-A, New Tehsilpura,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Partap Nagar, Sultanwind, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11526 dt. 25-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
 AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84.—Whereas, I,

HARDAYAL SINGH, IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated Kot Khalsa, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Diwan Chand Kapur
 S/o Shri Mulakh Raj Kapur
 R/o Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Kishan Chand
 S/o Shri Puran Chand
 R/o Verka, Tch & Distt.
 Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Kot Khalsa, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11636 dated 28-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-6-1983
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 39—156GI/ 83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/59.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of Jand situated at Kot Khalsa, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Diwan Chand Kapur
S/o Mulakh Raj Kapur
R/o Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Bishan Chand
S/o Shri Sewa Ram
R/o Bohka, Teh. Fazilka,
Distt. Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Kot Khalsa, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11637 dated 28-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Som Nath
S/o Shri Shambhu Nath
R/o Mohini Park
Opp. Khalsa College,
Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE.
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/60.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
one property situated at Kot Khalsa, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Smt. Gurdeep Kaur
W/o Shri Charanjit Singh
R/o 2076/27, Kuoha Kamboan,
Bagh Jallian,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated at Kot Khalsa, Opp. Khalsa College,
Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11638 dt. 29-10-82
of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/61.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. A plot of land
situated at Tung Bala, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

- (1) Shri Raman Kumar
S/o Shri Vidya Parkash
R/o 416 Hukam Singh Road,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh
S/o Shri Kartar Singh
R/o Gopal Nagar,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11470 dated 22-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983

Seal :

FORM ITNS

- (1) Amritsar Improvement Trust
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Swaran Singh
S/o S. Jagat Singh,
Shri Pritpal Singh
S/o Shri Swaran Singh
R/o 286 East Mohan Nagar,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants of any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ASR/83-84/62.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. Amritsar on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11309 d. 20-10-82 of registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1983

Ref. No. ΔSR/83-84/63.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Tung Bala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Madan Lal
S/o Shri Gurdial Mal
R/o Pawan Nagar,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Des Raj
S/o Shri Lal Chand
R/o Vill. Hardo Jhande,
Teh. Batla, Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated at Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11695 dt. 29-10-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rambodh Trivedi

(Transferor)

(2) 1. Shri Shiv Prasad Jaiswal
2. Shri Devi Prasad Jaiswal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

G.I.R. No. S. 262/Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Arazi Bhumidhari No. 9 M situated at Mauza Mustafabad Murkasma, Uparhar, Parg. Chail, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari No. 9 M, measuring 211.35 sq. mtrs. situated at Mauza-Mustafabad Murkasma Uparhar, Pargana-Chail, Distt. Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6338 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1983
 Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY,

Bombay, the 10th June 1983

Ref No. AR-II/37 EE-2/82-83.—Whereas, I,
S. H. ABbas ABIDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe
 that the immovable property having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Shop No. 4, Juhu Princes Co. op. Hsg Ltd. situated at
 Opp. Juhu Chowpatty, Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Bombay on 29-10-1982 and the agreement is registered
 under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
 Office of the Competent Authority.
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1947 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Iqbal Aziz
 2. Miss. Hafiza Hasham
 (Transferor)
- (2) 1. Shri Allauddin Chaudhari
 2. Mrs. Alamee Allaoudin Chaudhari.
 (Transferee)
- (3) J. K. Caterers
 (Person in occupation of the property)
- (4) J. K. Caterers
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Juhu Princes Co-op. Hsg. Society Ltd., Opp.
 Juhu Chowpatty Bombay 400 049. The Agreement has been
 registered by the Competent Authority, Bombay on 29th
 Oct., 1982 under serial No. Acqn. R. II-6/82-83.

S. H. ABbas ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 10-6-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1983

Ref. No. AR-II/3446/82-83.—Whereas, I,
 S. H. ABBAS ABIDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 282, CTS No. C-1287
 situated at Bandra
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
 Bombay on 5-10-1982
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of —

- S. No. 282, CTS No. C/1287 situated at Bandra
 (1) M/s. Rizvi Builders. (Transferee)
 (2) Bandra Nicholas Co. op. Hsg. Society Ltd., (Transferor)
 (3) Members of the said transferee Society.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 533
 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 5-10-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, name: —

40—156 GI/83

Date : 8-6-1983
 Seal :

FORM ITNS.—

- (1) Shri Gopaldas Santram Mehra & Ors. (Transferor)
(2) Gopal Vijay Co. op. Hsg. Soc. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1983

Ref. No. AR-II/3396/82-83.—Whereas, I,
S. H. ABBAS ABIDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

CS No. 1168, S. No. 18-A situated at Kandivili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 11-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1927/80 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 11-10-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Vinay Construction Company.

(Transferor)

(2) Nav Chitra Koot Appartment Co. op. Regd.,
Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 6th June 1983

Ref. No. ARII/3395/82-83.—Whereas, I,
SH. ABBAS ABIDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. Plot No. 468 situated at Bandra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Bombay on 11-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-4513/
72 and Registered with sub-Registrar Bombay on 11-10-1982.

S. H. ABBAS ABIDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 6-6-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th June 1983

Ref. No. AR-I/4777/83-84.—Whereas, I,
R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1359 of Girgaum Divn. situated at Sardar Vallabhai Patel Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7-10-1982 Document No. BOM.2040/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Lilavanti L. Bhakta
2. Mansingh L. Bhakta
3. Nandakumar L. Bhakta
4. Ramila M. Bhakta
5. Rasiklal N. Bhakta
6. Manish N. Bhakta & Ashish N. Bhakta

(Transferor)

- (2) 1. Pradip J. Jhaveri
2. Pankaj J. Jhaveri
3. Paresh J. Jhaveri
4. Samir J. Jhaveri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM/2040/80 and Registered on 7-10-1982 with the sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Lt. Col. V. J. Anand N.C.C. Group Hq. 93-D,
Saket Meerut.
(Transferor)
- (2) Sh. Bhupinder Singh S/o Sh. Kartar Singh,
Mrs. Kanwaljit Kaur W/o Sh. Bhupinder Singh
r/o 1439, Sector 22-B, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th June 1983

Ref. No. CHD/167/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

P. No. 1232, Sector 34-C, Chandigarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Chandigarh in October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1232, situated in Sector 34-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No.
1069 of October, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under subsection
(1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. J. K. Nijawan W/o Sh. S. K. Nijawan
r/o H. No. 108, Phase 2, Mohali.
(Transferor)
- (2) Smt. Kuldip Kaur Choduri w/o Sh. Jagmohan
Singh Advocate r/o Bassi Pathana Teh. Sirhind.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th June 1983

Ref. No. KHR/26/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 864, Phase III-B-2, situated at Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 864, situated in Phase III-B-2, Mohali.
(The property as mentioned in the registered deed No. 3389 of October, 1982 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority/
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax/
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1983

Ref. No. CHD/168-A/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 1396, Sector 34-C, situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Kanwar Narinder Singh S/o Kanwar Shamsher
Singh and Mrs. Charan Narinder Singh
w/o Kanwar Narinder Singh
r/o 1573, Sector 33-D, Chandigarh through their
G. P.A. Sh. Balwinder Singh Brar s/o Sh. Sarwan
Singh r/o 3072, Sector 22-D, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Sh. Karnail Singh Gill s/o Sh. Asha Singh
and Mrs. Paramjit Kaur w/o Shri Karnail Singh
r/o 34 Leander Road, Northolt Midx,
London (UK).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1396, situated in Sector 34-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No.
1075 of October, 1982 of the Registering Authority, Chand-
igarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1983

Ref. No. CHD/173-B/82-83.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCO Plot No. 183, Sector 37-CD situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Sh. Naunihal Singh
S/o Sh. Hari Singh & Surinder Pal Singh
S/o Sh. Chanan Singh, Kirpal Singh
S/o Sh. Ranjit Singh, Jaspal Singh and Harinder Pal Singh ss/o Sh. Naunihal Singh
r/o H. No. 447, Sector 37, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Lt. Col. Amrit Pal Singh Grewal and Maj. Gajinder Pal Singh Grewal ss/o Sh. Prithipal Singh Grewal r/o H. No. 3141, Sector 21-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

SCO Plot No. 183, situated in Sector 37-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 991 of October, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-6-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th June 1983

Ref. No. KHR/29/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe, that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 825, (Measuring 500 sq. yds.) situated at
Phase-III-B-1, Mohali (Teh. Kharar)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Kharar in October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (1) Smt. Pritam Kaur W/o S. Daljit Singh Mann,
R/o 1072, Sec. 43, Chandigarh through her General
Power of Attorney Smt. Naranjan Kaur
W/o S. Surinder Pal Singh
S/o. S. Gurbachan Singh,
R/o 3000, Phase VII, Mohali, Teh. Kharar.
(Transferor)
- (2) Shri Surinder Pal Singh Sohi
S/o Shri Gurbachan Singh,
R/o 3000, Phase VII, Mohali, Teh. Kharar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 825, Phase-III-B-1, Mohali, Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3618
of 10/82 of S. R. Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

41—156GI[83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th June 1983

Ref. No. III-768/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1216, Sheet No. 81, 82, Municipal Holding No. 48 (New)/44-D, Circle No. 25, situated at Chawhatta, Ashok Rajpath, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Oneil De
2. Shri Aroon De, Both Ss/o Late Bisheshwar De,
"Nabin Kothi" Ashok Rajpath Mohalla-Chawhatta, P. S. Pirbahore, Town-Patna Distt. Patna.
(Transferor)
- (2) Smt. Urmila Devi D/o Late Panna Lal Sinha of Bihar Sao Lane, Mohalla-Muradpur, P. S. Pirbahore Town Patna, Dist. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 17½ Dhurs with building situated at Mohalla-Chawhatta, Ashok Rajpath, Patna, P. S. Pirbahore, Town-Patna, Dist. Patna and more fully described in deed No. 9507 dated 20-10-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) 1. Shri Oneil De
2. Shri Aroon De, Both S/o Late Bisheshwar De,
"Nabin Kothi" Ashok Rajpath Mohalla-
Chowhatta, P. S. Pirbahore, Town-Patna
Distt. Patna.
- (Transferor)
- (2) Mosst. Reshma Devi W/o Late Jhuman Sao
R/o Mohalla-Bania Patti, P. S. Motihari Town
Motihari Dist. East Champaran.
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th June 1983

Ref. No. III-767/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 1216, Sheet No. 81, 82, Municipal Holding No.
48 (New)/44-D, Circle No. 25,
situated at Chawhatta, Ashok Rajpath, Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patna on 19-10-82
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 17½ Dhurs with building situated at
Mohalla-Chawhatta, Ashok Rajpath, Patna, P. S. Pirbahore.
Town-Patna, Dist. Patna and more fully described in deed No.
9463 dated 19-10-82 registered with D. S. R. Patna.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th June 1983

Ref. No. III-765/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 62, Block No. 'B' Thana No. 4, Ward No. 12.
situated at Rajendra Nagar, Road No. 8 B, Patna.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Patna on 4-10-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Mrigendra Samadar S/o. Late Makhan Lal
Samadar R/o Mohalla-Kadamkuan, P.O. & P.S.
Kadamkuan Town and Dist. Patna.
(Transferor)
(2) Shri Suresh Kumar Agarwal S/o Shri Nursingh Das
R/o Rajendra Nagar, Road No. 8-B, Near the clinic
of Dr. Urmila Modi, P. S. Kadamkuan, Town-Patna
Distt. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 137½ Sq. yard with building situated at
Mobalia Rajendra Nagar, Road No. 8-B, P. S. Kadamkuan,
Town-Patna, Dist. Patna and more fully described in deed No.
8905, dated 4-10-82 registered with D. S. R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Patna.

Date : 13-6-83.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th June 1983

Ref. No. III-766/Acq/83-84.—Whereas I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot No. 128, Sheet No. 3, Holding No. 11/18, Circle No. 5,
Ward No. 1 situated at Behind Museum Road, Patna.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patna on 20-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anjali Bose W/o Lt. Col. R. N. Bose
R/o F-5/6, Purbasha, P.O. Manicktolla, P. S.
Manicktolla Main Road Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sarawati Devi W/o Shri Maheshwar Prasad
Singh Shri Murariji S/o Shri Maheshwar Prasad
Singh R/o Village Khaspur, P.O. Sadisopur,
P. S. Naubatpur, Dist. Patna
At Present Plot No. 8, Sahadeo Mahto Marg,
Srikrishnapuri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kathas 17 Dhurs and 18 Dhurkis with
pucca double storeyed house situated behind Museum Road,
Patna, Town-Patna, Dist. Patna and more fully described in
deed No. 9526 dated 20-10-82 registered with D. S. R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KARVE ROAD, PUNE-411004

Pune-411004, the 27th May 1983

Ref. No. CA-5/871/SR-Haveli/83-84.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 112, S. No. 21, Hissa No. 1, Gorhe Bk, Talk : Haveli situated at Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli I on 18-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (a) Shri Vinayak Dhondu Deshpande, 2/98, Mukundnagar, Pune-37
- (b) Shri Tukaram Shankar Mate, 191, Shanwar Peth, Pune-30.
- (c) Shri Vidhyadhar Vasudeo Joshi, 188/2, Shanwar Peth, Pune-30.

(Transferor)
(2) Nandanvan Sahakari Krishi Phalotpadak Sanshita (Niyojit) Chief Promoter Shri Hasmukh Shivbhai Patel. 34, Aditya, 501, Rasta Peth, Pune-11.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Gat No. 112 (Survey No. 21, Hissa No. 1, Sub-Hissa No. 3) At & Post Gorhe Bk. Talk, Haveli, Dist. Pune, area of which is 1 Hector and .04 R.

(Property as described in the Sale deed registered under No. 4876 with the Sub-Registrar, Haveli-I, Dist. Pune in the month of October, 1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

SHASHIKANT KULKARNI
Component Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 27-5-1983.
Seal:

FORM ITNS

(1) Sou. Vidya Vinayak Deshpande,
2/98, Mukundnagar, Pune-411 037

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th May 1983

Ref. No. CA-5/869/SR-Haveli/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 65, Post Khadakwasala, situated at Tal. Haveli Dist. Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli on Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) The Chief Promoter Shri H. S. Patel,
Nandanvan Sahakari Krishi Phalotpadak Sanstha
(Ltd.) 34, Aditya, 501,
Rastha Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at survey No. 65, Post Khadakwasala, Tal. Haveli, Dist. Pune (Area—74.87 R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I under document No. 4620 in the month of October, 1982).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona.

Date: 27-5-1983.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st May 1983

Ref. No. CA-5/893/SR-Shrirampur/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouje—Enatpur—Gat No. 125, Agril. land situated at Tal. Shrirampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Shrirampur on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shanur Vazir Shaikh,
2. Shri Mahind Shanur Shaikh,
3. Smt. O. V. Shaikh,
4. Shri Shahojadhi Sahebali Shaikh,
Nos. 1, 2 and 4 are residing at Enatpur,
Tal. Shrirampur,
Dist. Ahmednagar.
No. 3 is residing at Shrirampur,
Bedarvasti, Distt. Ahmednagar.

(Transferor)

- (2) Shri Mahant Prasad R. Yadav,
Ward No. 6, Shrirampur,
Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje—Enatpur, Agril. land Gat No. 125—Tal. Shrirampur, (Area—2H—59R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Shrirampur under No. 1741 in the month of October, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/128.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, S. No. 291, Hissa No. 3, Plot No. 14, situated at Thakurli village, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on October, 1982 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Decepti Construction Co.,
5-6, Radha Sadan, Tilak Road,
Ghatkopar,
Bombay-77.

(Transferor)

(2) Shri Probodh Gajanan Patankar,
16, Laxmi Niwas,
No. 2, Ghantali Path, Naupada,
Thane-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, 1st floor, S. No. 291, Hissa No. 3, Plot No. 14, Thakurli village, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

Area 600 sq. ft.

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 222 in the month of October, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

42—156GI/83

Date : 3-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s: Land Mark Construction Co.,
Surekha Apartments, Satara Road,
Pune-411 009.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shankar G. Mirpuri,
2. Shri Parmeshwar G. Mirpuri,
713, Bhavani peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/125.—Whereas I,

SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 301, Building No. 1, C.S. No. 1/D, Pune-1
situated at B.J. Road, Pune,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at IAC Acqn. Range Pune on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301 Building No. 1 C.S. No. 1/D B.J. Road,
Pune-411 001.

(Area 133 sq. meter).

(Property as described in the sale of agreement registered
in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No.
262 in the month of October, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Maharani Sahiba Prabharajyalaxmi Maharaja Lokendra Singh Sahib, Ratlam Rajya, Lokendra Bhawan, Ratlam.
 (Transferor)
- (2) M/s Madhoprasad Kavaj and Company, Station Road Ratlam, M.P.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3642.—Whereas I, D. P. PANTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Khasra No. 181/2/2,

situated at Dosigaon Ratlam,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Halka Number 22 Khasra No. 181/2/2 situated at Dosigaon, Ratlam, M.P.

D. P. PANTA

Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 4th Floor, Gangotri Building
 T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1983

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Sahibjada Yawar Rashid s/o Rashiduzafar
 2. Begum Suraiya Rashid w/o Shri Rashiduzafar.
 3. Sahibjadi Mahabano d/o Rashidzafar.
 4. Nadir Rashid s/o Rashiduzafar
 5. Sahibzadi Nilofer d/o Shri Rashiduzafar
 r/o Shamala Kothi,
 Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shamshul Hasan Arif s/o
 Hakim S. Kamrulhason,
 r/o Nadim Road, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/3643.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Number 7,
 situated at Nadir Colony, Shamla Kothi, Shamla Hills, Bhopal,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 8-10-1982
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 7, situated at Nadir Colony, Shamla Kothi, Shamla Hills, Bhopal, M.P.

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 4th Floor, Gangotri Building,
 T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-5-1983
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Shahabzada Yawar Rashid,
s/o Nababzada Rashiduzafar Khan,
self and Attorney for Begum Suraiya Rashid,
Sahabzadi Mahbano, Nadir Rashid and
Nilofar,
r/o Shyamla Hills, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri Subhashchand Lalwani s/o
S.M. Lalwani,
r/o Chowk, Bhopal.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3644.—Whereas I, D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 23,

situated at Nadir Colony, Shyamala Hills, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on 15th October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 23, situated at Nadir Colony, Shamla Hills,
Bhopal.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Component Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building,
Acquisition Range
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-5-1983

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3645.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 17, situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 13th October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shaibzada Yawar Rashid s/o Nawabzada Rashiduzafar, Self and Attorney for
1. Suraiya Rashid,
2. Mahabano,
3. Nadir Rashid,
4. Nilofar,
r/o Shamla Kothi, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri J. S. Walia
s/o Manjit Walia,
r/o Idgah Hills,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 30-5-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sahabjada Yawar Rashid
s/o Late Nawabjada Rashiduzzafar Khan Sahab
Self and Attorney for Begum Suraiya Rashid,
Sahibzadi Mahbano d/o
Late Nawabzada Rashiduzzafar,
Sahibzada Nadir Rashid s/o
Late Nawabzada Rashiduzzafar Khan,
Sahibzadi Neclofar d/o
Late Nawabzada Rashiduzzafar Khan, Saheb.
(Transferor)
- (2) Anandkumar Lalwani s/o S. Lalwani,
r/o Chowk Bhopal, M.P.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3646.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16,
situated at Nadir Colony, Shamalia Hills, Bhopal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhopal on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Plot of land bearing number 16, situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3647.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House constructed on plot No. 124, situated at Gandhi Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26 October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Ishwarlal s/o Varyumalji Jhamrani, r/o 124-C, Special Gandhi Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Gangabai w/o Laxminarayan Verma, 2. Laxminarayan s/o Mangilalsi Verma, r/o Mahatma Gandhi Marg, Depalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and plot Number 124-house constructed thereon, situated at Special C Class, Gandhi Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramchandrarao s/o Gopalrao,
r/o Sundernagar,
Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manaklal Bantia s/o
Champa Lal Bantia,
r/o Civil Lines,
Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983.

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3648.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Khasra No. 282 (Part)
situated at Labhandih, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra Number 282, situated at Labhaandih H. No. 113. Mandal Raipur, Tehsil and district Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
Bhopal.

Date : 2-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—156 GU/83 [**]

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3649.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Shankarnagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kamhaiyalal s/o Firtu Satnami, R/o Mauza Shankarnagar, Tehsil and Distt. Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Chandrakumar s/o Bhagwandas
2. Sewakram s/o Jessaram
3. Budhramal s/o Hiranand
4. Smt. Lajwantibai w/o Bhagchand Gurunani, r/o Telibandha, Raipur M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land which is situated at Mauja Shankarnagar P.H. No. 110 R.N.M. Raipur Tehsil and district Raipur. This is the immovable property described in the form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
Bhopal.

Date : 2-6-1983

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Rajkumar s/o Bulakidas Nathani,
r/o Sadar Bazar,
Raipur.
(Transferor)
- (2) Shri Gourishankar s/o Balchand Chandak,
r/o Sadar Bazar,
Raipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3650.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Diverted land Khasra No. 340/1,

situated at Ramsagarpara Ward, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Diverted land Khasra Number 340/1, situated at Ramsagarpara Ward, Raipur, M.P.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Tikamchand s/o Subatalji
 2. Daud,
 3. Hussain Ali s/o Gulam Abbas Ali,
 4. Suraj Prasad s/o Motilalji,
 r/o Murai Muhalla, Sanyogitaganj,
 Indore M.P.

(Transferor)

- (2) Smt. Nandibai w/o Balaramji Mukati,
 r/o Khajrana,
 Indore, M.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5651.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra Number 35/1, 36, 35/2, situated at Village Barhari, Tehsil Mhow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-10-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 35/1, 36, 35/2, situated at village Barhari Tehsil Mhow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1983
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
 BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3632.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bhoomi Kh. No. 33, 35/1, 37, 38, situated at Villaie Barhari, Teh. Mhow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Tikamchand s/o Suwalalji,
 2. Daud s/o Dalji,
 3. Hussain Ali s/o Gulam Abbas Ali,
 4. Suraj Prasad s/o Motilalji,
 r/o Murai Mohalla, Samyogitha ganj, Indore.
 (Transferor)

- (2) Smt. Ramakumaribai w/o Harinarayanji Mukati,
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 35/1, 33, 37, 38, situated at Village Barhari, Teh. Mhow.

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range,
 4th Floor, Gangotri Building
 Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1983
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3656.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and house constructed thereon, situated at Agra Bombay Road, Sanyogita Ganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 19-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Farodun Jamshedji Allabeli,
r/o 1/8, Parsi Mohalla,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Sarvajanik Trust,
Sanyogitaganj, Indore
Through President Laxminarayan Gilda,
s/o Onkarlalji,
r/o Snehnagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Municipal No. 2, which is situated at Parsi, Mohalla, Sanyogitaganj, Agra-Bombay Road, Indore and house etc. constructed thereon. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lalchand s/o Gittumal,
(Transferor)

(2) Shri Dilbabsingh s/o Butasinh,
r/o Satna.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3657.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Kh. No. 502 and kachha house Municipal No. 71 and 69, situated at Mauja Kolgavan, Kawaritola, Teh. Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Satna on 13-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Khasra Number 502 and kachha house Municipal Number 71 and 69, situated at Mauza Kolgavan Kawaritola, Satna.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1983
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Ahmedabad, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3658.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop and house situated at plot Kh. No. 495/11 and 495/7K, situated at Kavaritola, Kolgavan, Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 13-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lalchand and Meghamal, s/o Giddumal, Kolgavan, Kavaritola, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Dilbagh Singh s/o Butasingh, r/o Satna M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop and house on plot Khasra No. 495/11 and 495/7K, situated at Mauja Kavaritola, Kolgavan, Satna, house Number 72.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gaagotri Building

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Bhagwatsingh S/o Late Sh. Ramnaresh Singh,
R/o Kedarpur thana, Ambikapur.
(Transferor)
- (2) Ramjiwas Garg S/o Late Sh. Ramgopal Garg,
R/o Brahmward, Thana, Ambikapur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/BPL/3659.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. Open land Khasra No. 829, 830 and 831
situated at Satipara, Ambikapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ambikapur on 23-10-1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open Land Khasra No. 830, 831 and 829 situated at Satipara, Ambikapur, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269B of the said Act to the following
persons, namely :—

44-156 GU/83

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3660.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land No. 149, 150, 151 and 336/0.17
situated at village Khera and Pandra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rewa on 5-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (1) Harsumirinsingh S/o Sardar Jogendra Singh
R/o Pandra, Tehsil Huzur Distt. Rewa M.P.
(Transferor)
- (2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit
Anantpur Rewa M.P. through President
Bhagwatprasad Dubey S/o Sunderlal Dubey
R/o Anantpur Tehsil Huzur Dist. Rewa M.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 149, 150, 151 situated at village Khera and
land No. 336/0.17 at village Pandra Tehsil Huzur Distt.
Rewa M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM ITN3

(1) Indrawatiya Alias Devaratiya Wd/o Sarjuram
R/o Pandra, Teh. Huzur, Dist. Rewa.
(Transferor)

(2) Anantpur Grish Nirman Sahkari Samiti Maryadit,
Anantpur M.P. through Bhagwatprasad Dubey S/o
Sunderlal Dubey, R/o Anantpur Teh. Huzur
Distt. Rewa M.P.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3661.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and
bearing No. Land No. 459/0.24, 465/1.04, 466/0.07
situated at Village Pandra Tch. Huzur Distt. Rewa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rewa on 5-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land No. 459/0.24, 465/1.04, 466/0.07 situated at village
Pandra Tehsil Huzur Distt. Rewa.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3662.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
 being the Competent authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

Part of plot No. 131 D.S. No. 155D
 situated at Madan Mahal, Health Camp, Wright Town,
 Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at Jabalpur on 4-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

(1) Smt. Kripawati Shrivastava Alias Smt. Kripadevi
 Wd/o late D. P. Shrivastava, Bar at Law through
 Attorney Dr. R. M. Verma (Rajmohan Verma)
 S/o Ambaprasad Verma R/o 226 Napier Town,
 Jabalpur.

(Transferor)

(2) Chhotibai Kochar Wd/o late Ghewarchand Kochar
 Napier Town, Jabalpur, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever
 period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publication
 of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Plot Number 131, D.S. Number 155D, Madan Mahal
 Health Camp Wright Town, Jabalpur M.P.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
 Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

Date : 1-6-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sunderlal S/o Chovaram
R/o Mauja Mova, Teh. and Distt. Raipur.
(Transferor)
- (2) Bharat Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit
Raipur Through President Rajlambal Singhania
S/o Jiwanlal Singhania, Jawaharnagar,
Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/3663.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Land situated at
Mauja Mova, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Raipur on 8-10-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at village Mova Tehsil and Distt. Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 1-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. A. N. Narsimharao S/o Venkatrao,
R/o Panchsheel Nagar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3664.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House No. 21/336 situated at
Panchsheel Nagar, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Raipur on 23rd Oct. 1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

House No. 21/336, House No. 7 Panchsheel Nagar, Raipur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Rampyari Devi W/o Ramkrishan Agarwal
R/o Aavdev Mahal Road, Nagpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Premwati W/o Shri Badripursh Nema,
2. Sitaram, 3. Radheshayam
4. Vijaykumar. Pishran Badripursh Nema,
R/o Kandeli Tah. Distt. Narsonghpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3665.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mauza-Roshra, Narsinghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nagar Palka No. 70 Kh. No. 7/1 one house situated at Roshra Narsinghpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 1-6-1983
Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3666.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 389 situated at Mauja Tikarapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 30th October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dhanshay S/o Narad
2. Bhukhau S/o Pheru
R/o Tikarapara, Raipur.
(Transferor)
- (2) Rajiv Sahkari Gtih Nirman Samiti Maryadit,
Raipur C/o President Dr. C. K. Bajaj
S/o Jethanand Bajaj
R/o Katoratalab, Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 389 (Part) Mauza Tikarapara, situated at Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3667.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Survey No. 99/5 situated at Village Sejwata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dugaridas Devilal Sureka Kurta HUF Shri Dugaridas S/o Badrinarayanji Sureka, R/o Chandani Chowk Ratlam (Transferor)
- (2) Shriyin Laboratories private limited Registered office 95 Mohammad Shahid Marg, Bombay-40008—Director Premchand Godha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land survey No. 99/5 situated at village Sejwata, Teh. Ratlam

D. P. PANTA
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.)
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

45—156GI/83

Date : 2-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3668.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Survey No. 99/4, 99/6 situated at Village Sejawata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dugarsidar Devilal Sureka, H.U.F. Karta
Sh. Dugardas S/o Badrinarayan Sureka,
Chandni Chowk Ratlam
(Transferor)
- (2) Shri Ifkalaboratories Pvt. Ltd.
Bombay Registered Office, 48 Kundevili Industries
State Bombay, Director Shri Premchandji Godha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 99/4, 99/6, Village—Sejawata Teh.
Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date : 2-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref No. IAC/Acqn./Bpl/3669.—Whereas I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13 situated at Surajpole, Palace Road Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimant His Highness Maharajadhiraj Lokendrasinghi sahab Bahadur S/o Sajjansinghji sahab Bahadur Ratlam State Attorney Shrimant Maharani Sahiba Prabh Rajya Laxmi, W/o Shri Lokendrasinghi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sirekunwar W/o Hastimalji Patwa
2. Amratdal S/o Hastimalji Patwa
R/o village Petlawad Distt. Jhabua M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Proposed plot No. 13 situated at Mohalla Surajpole, Palace Road, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date : 2-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimant Maharaja Sahib Shri Lokendrasinghji,
S/o Sajjansinghji Sahib Bahadur, Attorney
Smt. Prabhariyalaxmi, Maharani Sahiba, Ratlam.
(Transferee)
- (2) Ratankumar S/o Poonamchandji Gandhi,
R/o New Road Ratlam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3670.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. dilapidated open land situated at Surajpole Ratlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ratlam on October, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open Land situated at Surajpole Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3671.—Whereas I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12 situated at Palace Road Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ratlam on 8 October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimant His Highness Maharajadhiraj Malvendra Lokendrasingji Sahib Bahadur S/o Maharaja Shalieb Shri Sajansigh for MukhtarAam Smt. Sobhagyaawati her Highness Maharani Shaheb Prabhariyalaxmi Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Mohanbai S/o Sujanmalji, 2. Lalitabai S/o Channalji, Station Road Ratlam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 Mohalla Palace Road, situated at Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,)
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T.T Nagar,
Bhopal.

Date : 2-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3672.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
Plot bearing N.B. N. No. 493 situated at Main Road
Heeraganj Malviganj Ward, Katni
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Katni on 19/10/1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Rukminidevi d/o Kashiprasad
W/o Veerbhatt Shah
R/o Malviganj, Katni.

(Transferor)

(1) 1. Satishchand S/o Lallulal Jain
2. Pramod Kumar S/o Manoharlal Jain
R/o Savarkar Ward, Katni through
M/s. Hukum Chand Lime stone, Station Road
Katni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot N. B. Number 493 Main Road Heeraganj Malviganj
Ward Katni.

D. P. PANTA
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,)
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 2-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3673.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Katra Ward Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Sagar on 19-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Shankarlal S/o Kundanlal Khatik R/o Chaktraghatal ward Sagar.
2. Ramprasad S/o Geneshprasad Karmi R/o Bardiya
3. Sattar S/o Sutrata R/o Keshawganj Sagar.
4. Pooranlal S/o Bhaiyalal Patel R/o Sadar Bazar, Sagar.

(Transferor)
(2) Shri Dashrathlal S/o Laxinarayan Keshrwanji R/o Sadar Bazar Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Katra ward situated at Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range:
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. N. Aahuja S/o K. N. Aahuja
R/o Sethi Sons, 8 Patel Market
Hamidia Road Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Jineshkumar S/o Prasannkumar
R/o Rajdev colony, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3674.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 174 situated at Major Shoping Centre Habib-
ganj, Bhopal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Bhopal on October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 174 Major Shopping Centre situated at Habib-
ganj Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 3-6-1983

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3675.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 11/2 situated at Karhod Kala Tah. Hujoor
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on 19-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

46—156 GI/83

(1) Shri Solat Jag Karnal Mohd, Nadir Mirja S/o
late Shri Abbash Mirja, Sahab,
R/o Mahal-Ab Misbah Ahmedabad, Bhopal.
(Transferor)

(1) Sefiya Education Society Bhopal Through
Secretary Sh. Fakharuddin S/o late Shri Mulla
Sajid Husain Sahab,
R/o Hamidiya Road Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 11/2 Village Karhod Kala Tah.—Hujoor
Distt.—Bhopal

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shahjadi Nushrat Sultan D/o Shahjada Sultan Ajij Shahab R/o Mahal-Al Mishbah Ahmedabad Shahar, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Sefiya Education Society Bhopal for Secretary—Fakharuddin S/o Mulla Sajjad Suhain Hamidiya Road, Bhopal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3676.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 10/2, 11/1, situated at Village Karhood Tah. Hujoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-10-1982

for an apparent consideration which I less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 10/2, 11/1 Village Karhod Tah—Hujoor Distt.—Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-6-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 BHOPAL, M.P.
 Bhopal, the 3rd June 1983

Ref No. IAC/Acq/Bpl/3677.—Whereas I,
 D. P. PANTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18, situated at Nadir Colony, Shyamla Hills Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Yawar Rashid
 2. Nadir Rashid S/o Rashidujjfar
 3. Begum Suraiya Rashid W/o Rashidujfar Shahab
 4. Manbano
 5. Milofar D/o Rashidujfar Sahab
 R/o Shyamla Kothi, Bhopal
- (Transferor)
- (2) Shri J. S. Valiya S/o Madanjit Singh Valiya
 R/o 20, Idgah Hills Bhopal,
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Plot No. 18, Nadir colony Shyamla Hills Bhopal.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
 Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-6-1983.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Anant Laxmanrao Mandal R/o
33/1 Bhawanipur colony, Indore

(Transferor)

(2) Shri Mansingh Arya
108/1 Bhawanipur, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3678.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 108/1, situated at Bhawanipur Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5th October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 108/1 Bhawanipur Colony, situated at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chandprabha W/o Bhalchand Devdhar,
Shri Rajiv S/o Bhalchand devdhar,
R/o A-22 M.I.G. Colony, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh Soni S/o Late Sh. Devraj Soni
R/o 6/11 Yashwant Niwash Road Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3679.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 56 situated at Anoop Nagar, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 56 Anoopnagar situated at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Km. Uma D/o Late Maharaja Balbhadrasingh ju
dev R/o Govind Niwas, Datia.
(Transferor)

(2) M/s Agro Solvent Products Private Limited
Registered office Dal Bazar Gwalior.
Through Managing Director Suresh Kalda Agro
Solvent Product Private Limited Dal Bazar,
9 M.P.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3680.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Land survey No. 3202 :2 situated at Datia
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Datia on October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land Survey Number 3202 :2 situated at Datia M.P.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Gyanshwaroop Bhatnagar Harpatrayji
R/o Kherapati colony, Lashkar.
(Transferor)

(2) Shri Arun Shwaroop S/o Harpatray Ji
R/o Kherapati colony, Gwalior.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th June 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3681.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Quarter No. 57 situated at Kherapati Colony Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 7th October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Quarter No. 57, Kherapati colony, situated at Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal the 15th June 1983

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/3682.—Whereas I,
D. P. PANTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act' have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. House single storied Municipal No. 36 situated at
Gandhi Colony Morena.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Morena on 11-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Dwarikaprasad S/o Ganeshram Shivhare
R/o Mohalla Gopalpura Gandhi Colony
Morena.
(Transferor)
- (2) Shri Mahadev prasad
2. Chhotelal
3. Dinesh Chand S/o Shri Rambilas Agrawal
Vaishya,
R/o Kasba Bagchini Tehsil, Jora, Disstt. Morena.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storied house Municipal No. 36 situated at Gandhi
Colony, Ward No. 15 Nagar Morena, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 260D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Virendrakumar S/o Shri Shyamal minor Guardian
Father Shyamal S/o Kewalia
R/o Dabra.
(Transferor)
- (2) Shri Surendra Singh and Raghvendra Singh S/o Shri Nanhesingh.
2. Pradeep Kumar S/o Narendraprasad Alias
Narayan Prasad Sharma R/o 184 Sindhi
Colony Lashkar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 15th June 1983

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/3683.—Whereas, I
D. P. PANTA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 314/1 situated at Dabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Survey No. 314/1 situated at village Dabra distt. Gwalior. M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Shanti Sahai Bhatnagar,
185, Satyaniketan, New Delhi-21

(Transferor)

(2) Smt. Rashmi Kumari R. Dafria,
Rituvan, Rambagh, Ratlam (M.P.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal the 15th June 1983

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/3684.—Whereas, I
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat A-1 Megh Building situated at 13/2, M. G. Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority at Bhopal on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. A-1 Megh Building situated at 13-2, M. G. Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Seal :